www.tamsasanket.com
वर्षः 06 || अंक 142 || लखनऊ
शनिवार
22 अगस्त 2026 || पृष्ठः 04 || मूल्यः ₹2
आज़ादी का अमृत महोत्सव

दैनिक तमसा संकेत

https://epaper.tamsasanket.com
लखनऊ व अम्बेडकर नगर से एक साथ प्रकाशित
» डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र

मौसम
सूर्योदयः 05:41
सूर्यास्तः 06:36
अधिकतमः 31.00
न्यूनतमः 27.00

विशेष समाचार | कश्मीर पर अमेरिकी सुर... >> पेज 04 | निर्माणाधीन मॉल की शटरिंग... >> पेज 06 | फिल्म 'वाइब' का टीजर रिलीज...

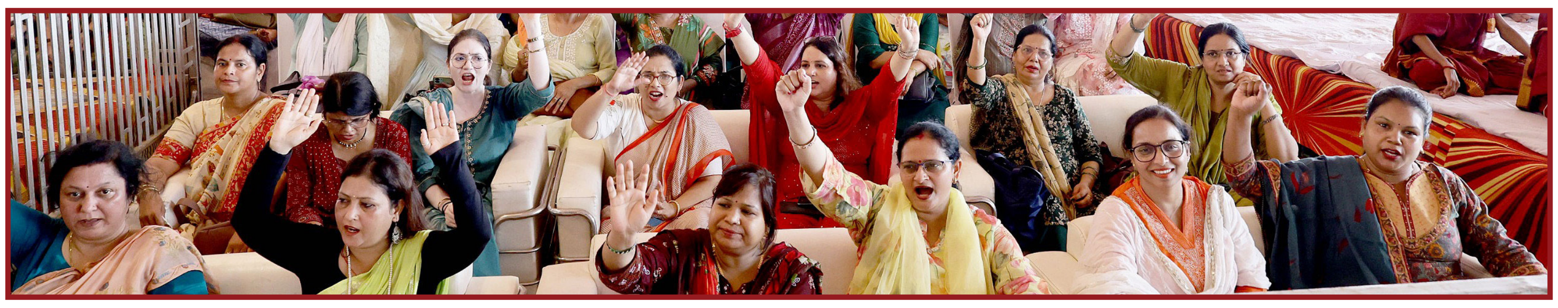

श्रद्धांजलि तक नहीं दी, ये ऐसे गिद्ध हैं जिस पेड़ पर चढ़ेंगे उसे खा डालेंगे

अखिलेश ने कल्याण सिंह का अपमान किया : योगी

विवाद

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। सीएम योगी ने पूर्व मुख्यमंत्री कल्याण सिंह की 5वीं पुण्यतिथि पर सपा पर जमकर हमला बोला। शुक्रवार को लखनऊ में उन्होंने कहा- अखिलेश यादव ने बाबूजी को श्रद्धांजलि तक नहीं दी। इससे पता चलता है कि वह हमारे नेता से कितना द्वेष (नफरत) रखते हैं। यह केवल बाबूजी का अपमान नहीं था, बल्कि यह जातीय अपमान भी था। उन्होंने कहा- यह हर उस हिंदू का अपमान था, जो मानता है कि बाबूजी का जीवन सनातन मूल्यों के लिए समर्पित था। साक्षी महाराज ने ठीक कहा कि ये लोग अब क्या बोलें, कोई भरोसा नहीं है। ये वैसे गिद्ध हैं, जिस पेड़ पर चढ़ेंगे, उसी को खा डालेंगे सीएम योगी ने सपा के PDA पर भी तंज कसा। कहा- जो लोग समय के साथ गिरगिट की तरह रंग बदलते हैं, वे अलग-अलग समय पर 'पी' की अलग-अलग परिभाषा बताते हैं। कभी 'पी' की परिभाषा पिछड़े से करते हैं, फिर पंडित से करते हैं।

>> (शेष पेज 06 पर)

ब्रजेश पाठक बोले- सपा की सरकार 4 बार आई, सत्ता परिवार तक सीमित रही

डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री कल्याण सिंह 'बाबूजी' को मानने वाले लोग आज भी श्रद्धा और सम्मान के साथ उन्हें याद करते हैं। बाबूजी ने राम मंदिर के लिए 500 वर्षों के संघर्ष को आगे बढ़ाया और मुख्यमंत्री बनने के बाद साफ कहा था।

सीएम ने कहा- बाबूजी के निधन पर हमारे लिए असहनीय क्षण था। पीएम मोदी सभी कार्यक्रमों को छोड़कर दिल्ली से सीधे लखनऊ आए और बाबूजी को श्रद्धांजलि अर्पित की। एक सामान्य शिष्टाचार के तहत पूर्व सीएम मायावती ने आकर बाबूजी को श्रद्धांजलि दी।

बाबूजी कहते थे- कल्याण सिंह टूट सकता है, लेकिन झुक नहीं सकता

योगी ने कहा- हर उस भारतीय के लिए, जिसके लिए देश प्रथम है और भारत के सनातन मूल्य और आदर्श सर्वोपरि हैं, बाबूजी सदैव प्रेरणास्रोत बने रहेंगे। उनका जीवन सादगी, तप, साधना और संघर्ष से भरा हुआ था। वह अन्याय के खिलाफ लड़ते थे। अत्याचार का मुकाबला करते थे। उन्होंने सनातन मूल्यों की रक्षा करते हुए गांव, गरीबों, अन्नदाता किसानों, युवाओं और समाज के लिए अपना पूरा जीवन समर्पित कर दिया। गलत काम के लिए बाबूजी पर कोई कितना भी बड़ा दबाव क्यों न बनाए, वह कभी दबाव में आकर काम नहीं करते थे।

मुख्यमंत्री ने कहा- बाबूजी ने यूपी को एक पहचान दी। भारत के सनातन मूल्यों की रक्षा की। अयोध्या में गुलामी के ढांचे को समाप्त करके राम मंदिर के मार्ग को प्रशस्त किया। डबल इंजन की सरकार बाबूजी के आदर्शों पर चलेगी। उनके सपनों को साकार करने के लिए हर कदम उठाएगी। इसमें कोई संकोच नहीं करेगी।

तेलंगाना सीएम रेड्डी को अमेरिका जाने की परमिशन नहीं मिली

हैदराबाद। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी को अमेरिका जाने की केंद्र से मंजूरी नहीं मिली है। मुख्यमंत्री कार्यालय (CMO) ने शुक्रवार को इसकी जानकारी दी। CMO के मुताबिक, रेवंत रेड्डी के नेतृत्व वाला तेलंगाना राइजिंग प्रतिनिधिमंडल अमेरिका दौरा नहीं कर सकेगा।

विदेश मंत्रालय ने राजनीतिक आधार पर क्लियरेंस देने से इनकार किया है। रेवंत रेड्डी फिलहाल लंदन में हैं।

उन्हें अमेरिका के बोस्टन जाना था और 30 अगस्त को हैदराबाद लौटना था, लेकिन अब वे 23 अगस्त को सीधे हैदराबाद लौटेंगे। हालांकि, CM रेड्डी ने अधिकारियों को अमेरिका जाए बिना वहां के संस्थानों के साथ सभी MoU और साझेदारी समझौते पूरे करने के निर्देश दिए हैं।

एसएससी-सीजीएल रद्द करने के फैसले पर झारखंड हाईकोर्ट का स्टे

काम पर लौटेंगे सफल कैंडिडेट्स, खुशी से प्रदर्शनकारी गाने लगे राष्ट्रगान

राहत

तमसा संकेत, एजेंसी

रांची। झारखंड हाईकोर्ट ने शुक्रवार को JSSC-CGL और CDPO भर्ती परीक्षा से सिलेक्ट कैंडिडेट्स को बड़ी राहत दी है। कोर्ट ने मामले की सुनवाई करते हुए राज्य सरकार के उस आदेश पर रोक लगा दी है, जिसके तहत इन परीक्षाओं को रद्द किया गया था। कोर्ट ने कहा कि इस मामले में सेम ऑर्डर फॉलो होगा। कोर्ट ने राज्य सरकार से इस मामले में जवाब मांगा है। अगली सुनवाई 15 सितंबर को होगी। कल भी झारखंड हाईकोर्ट ने राज्य सरकार द्वारा JPSC 11वीं-13वीं सिविल सेवा और फूड सेफ्टी अफसरों की नियुक्ति रद्द करने के फैसले पर रोक लगा दी थी। कोर्ट ने इस पर अगले आदेश तक रोक लगाते हुए कहा था।

- हाईकोर्ट के फैसले के बाद प्रदर्शन कर रहे अधिकारियों ने राष्ट्रगान गाया।
- हाईकोर्ट के फैसले के बाद अधिकारियों ने धरनास्थल पर भारत मां के नारे लगए।

>> (शेष पेज 06 पर)

जंतर-मंतर पर घायल छात्र साहिल की शिकायत पर एफआईआर दर्ज

संसद मार्ग थाने के बाहर राहुल गांधी धरने पर बैठे

- राहुल, पीड़ित छात्र साहिल और उनकी मां के साथ ऑफिस में डीसीपी से मुलाकात की।
- संसद मार्ग थाने की सुरक्षा बढ़ाई गई है। यहां पर रैपिड एक्शन फोर्स भी तैनात की गई है।

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। जंतर-मंतर प्रदर्शन के दौरान घायल हुए छात्र साहिल की शिकायत पर दिल्ली पुलिस ने आखिरकार FIR दर्ज कर ली है। मामला अज्ञात आरोपियों के खिलाफ दर्ज किया गया है। साहिल का आरोप FIR दर्ज कराने की मांग को लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी शुक्रवार को संसद मार्ग थाने पहुंचे और कई घंटे तक पुलिस अधिकारियों से बातचीत की।

>> (शेष पेज 06 पर)

अब जांच पर टिकी नजर

FIR अज्ञात आरोपियों के खिलाफ दर्ज होने के बाद मामले की जांच शुरू हो गई है। पुलिस अब घटना से जुड़े साक्ष्यों, वहीं, साहिल और उसके परिवार की ओर से लगाए गए आरोपों की जांच के बाद ही यह स्पष्ट हो सकेगा कि छात्र को लगी चोट के लिए कौन जिम्मेदार था।

फास्ट न्यूज

एमपी-यूपी की 7 नदियां खतरे के निशान से ऊपर

नई दिल्ली। देश के कई राज्यों में लगातार बारिश जारी है। मध्य प्रदेश के कई जिलों में बाढ़ जैसे हालात हैं। नर्मदा, मंदाकिनी नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं। वहीं, उत्तर प्रदेश में भी लगातार बारिश से नदियां उफान पर हैं। 13 जिलों में बाढ़ जैसे हालात हैं। गंगा, घाघरा, शारदा, टोंस, सोन और मंदाकिनी नदी खतरे के निशान को पार कर गई हैं।

हरियाणा के सांसद के बयान पर पंजाब में बवाल

लुधियानाहरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा के बेटे व सांसद दीपेंद्र हुड्डा ने 1984 सिख विरोधी दंगों के दोषी सज्जन कुमार के निधन के बाद उन्हें देश के लिए मिसाल बताया। दीपेंद्र हुड्डा के इस बयान पर पंजाब में राजनीति में बवाल मच गया। भाजपा नेता मनजिंदर सिंह सिरसा ने कहा कि दीपेंद्र हुड्डा का ये बयान कांग्रेस की मानसिकता दिखा रहा है। उधर, दंगा पीड़ितों के केस लड़ने वाले एडवोकेट एचएस फुल्का व शिरोमणि अकाली दल के नेता बिक्रम सिंह मजीठिया ने भी कांग्रेस पार्टी को सिख विरोधी बताया।

असम-मेघालय बॉर्डर पर नाकेबंदी

शिलॉन्ग। बुधवार को मेघालय में असम के लोगों से मारपीट से शुरू हुआ विवाद अब मेघालय के कई राज्यों तक पहुंच गया है। मेघालय में सरकारी संपत्तियों को नुकसान पहुंचाने की घटनाएं भी सामने आ रही हैं। बुधवार को मेघालय के शिलांग में खासी स्टूडेंट्स यूनियन (KSU) की रैली के दौरान असम के लोगों के साथ मारपीट कर उनके वाहनों को आग लगा दी गई थी।

तमिलनाडु में डीएमके विधायकों का सरकारी कार लेने से इनकार

उदयनिधि बोले- सरकार कर्ज में, पहले संपत्ति की जांच हो

बहस

तमसा संकेत, एजेंसी

चेन्नई। DMK के 59 विधायकों ने नई कार लेने से मना कर दिया है। नेता प्रतिपक्ष उदयनिधि स्टालिन ने कहा, विजय खुद कह चुके हैं की सरकार कर्ज में है इसलिए हम इस ऑफर को स्वीकार नहीं करेंगे। शुक्रवार को विधानसभा में विजय की कार योजना पर बहस हुई। जिसमें उदयनिधि स्टालिन ने कहा, विधायकों की आर्थिक स्थिति देख कर ही उन्हें कार देनी चाहिए। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय ने राज्य के हर विधायक को सरकारी कार देने का ऐलान किया था। 19 अगस्त को तमिलनाडु सरकार ने सभी विधायकों को नई सरकारी कार देने का ऐलान किया था। कार के मेन्टेनेन्स और ड्राइवर के खर्च के लिए हर महीने 75 हजार भी देने को कहा था। विधायकों को कार देने वाली योजना पर विधानसभा में तीखी बहस हुई। नेता प्रतिपक्ष उदयनिधि स्टालिन ने कहा, सीएम ने कहा था कि वे मुफ्त की चीजें देने के खिलाफ हैं। उदयनिधि ने कहा, हम सरकार से अपील करते हैं कि विधायकों को मुफ्त कार देने से पहले उनकी कारों और आर्थिक स्थिति की जांच की जाए। टीवीके (TVK) मंत्री आधव अर्जुन ने जवाब देते हुए कहा, CM सभी विधायकों को बराबर मानते हैं।

- सीएम विजय ने विधायकों को कार और हर महीने 75 हजार रूपये देने की घोषणा की थी।

>> (शेष पेज 06 पर)

- **सीएम योगी के साथ जापानी छात्र ने सेल्फी ली**

लखनऊ। सीएम योगी ने लखनऊ में शुक्रवार को जापानी छात्रों से मुलाकात की। बच्चों ने जापानी गीत सुनाया, तो योगी ने ताली बजाकर उनका हौसला बढ़ाया। फिर सभी छात्रों ने सीएम के साथ फोटो खिंचवाई। छात्र दूर से ही सेल्फी ले रहे थे, तो योगी ने उनको अपने पास बुलाया। फिर साथ में मुस्कुराते हुए फोटो खिंचवाई। एक छात्र ने तो सीएम योगी के कंधे पर हाथ रखकर सेल्फी ली। तभी सीएम ठहाके लगाकर हंसने लगे। इस मौके पर यूपी के ईशान ने भगवान श्रीराम को समर्पित 'कौशल्या दशरथ के नंदन' गीत गाया। जापानी छात्रा मियागी मोतो ने कहा- मैंने पहली बार बिंदी लगाई और मुझे यह बहुत अच्छा लगा। भारत का अनुभव अपने आप में अलग है। सीएम योगी ने यूपी-जापान निवेश बैठक के तहत मुख्यमंत्री आवास पर 'ए डायलॉग विद द फ्यूचर' कार्यक्रम आयोजित रखा। इसमें जापान के 13 छात्रों और उनके फैकल्टी सदस्यों ने लखनऊ के छात्रों के साथ संवाद किया।

सबसे बड़ी रियल एस्टेट कंपनी की दिवालिया याचिका मंजूर

चीनी फाउंडर को उम्रकैद, कंपनी पर 28 लाख करोड़ का कर्ज था

कार्यवाई

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। 2018 में ब्रांड वैल्यू के हिसाब से दुनिया की सबसे बड़ी रियल एस्टेट कंपनी बनी चीन की एवरग्रैंड की दिवालिया याचिका कोर्ट ने मंजूर कर ली है। इससे पहले गुरुवार को धोखाधड़ी के मामले में कंपनी के फाउंडर हुई का यान को उम्रकैद की सजा सुनाई गई थी। कंपनी पर करीब 28 लाख करोड़ का कर्ज था। एवरग्रैंड के फाउंडर हुई का यान की कहानी गांव के एक गरीब लड़के के शहरी सपनों का सौदागर बनकर चीन का सबसे अमीर आदमी बनने की है। उसने 'एवर-ग्रैंड' नाम का एक ऐसा विशाल साम्राज्य खड़ा किया, जो गगनचुंबी इमारतें बनाता था, फुटबॉल क्लब खरीदता था। मॉडल सरल था- जमीन खरीदो, नींव डलने से पहले ही कागजों पर पूरे फ्लैट बेच दो और ग्राहकों से मिले उस एडवांस पैसे से अगला प्रोजेक्ट शुरू कर दो। लेकिन ताश के पत्तों से बने इस महल की बुनियाद बेतहाशा कर्ज पर टिकी थी। जब सरकार ने कर्ज के नल बंद किए, तो साम्राज्य भरभराकर ढह गया।

सख्ती : इलाका सफेद पर्दों से कवर, दोनों समुदायों की एंट्री-एग्जिट अलग, हिंदू संगठनों ने किया हनुमान चालीसा पाठ

भोजशाला के पास 500 नमाजियों ने अदा की नमाज

तमसा संकेत, एजेंसी

धार। धार में शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट के आदेश के अनुसार भोजशाला से सटे खसरा नंबर 612 पर मुस्लिम समुदाय ने जुमे की नमाज अदा की। यह नई व्यवस्था के तहत चौथा शुक्रवार है। इस बार नमाजियों की संख्या पिछले शुक्रवारों से अधिक रही। करीब 400 से 500 नमाजी निर्धारित स्थान पर पहुंचे। मुख्य द्वार तक नमाजियों की भीड़ रही। नमाज को लेकर प्रशासन ने कड़े सुरक्षा इंतजाम किए थे। भोजशाला और नमाज स्थल, दोनों तरफ बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया। नमाज स्थल के चारों तरफ बैरिकेडिंग की गई। पूरे इलाके को सफेद पर्दों से कवर कर दिया गया, ताकि कहीं से भी कोई प्रवेश न कर सके। दोनों पक्षों के लिए अलग-अलग रास्ते बनाए गए थे। जुमे की नमाज के दौरान भोजशाला में दोपहर को हनुमान चालीसा का पाठ और भजन-कीर्तन चलता रहा। श्रद्धालु पूजन-दर्शन करते रहे। घंटे-घड़ियाल, झांझ-मंजीरे और शंख की ध्वनि गूंजती रही। भोजशाला मामले में सुप्रीम कोर्ट में अगली सुनवाई 29 अक्टूबर 2026 को तय की गई है। सभी पक्षों को जवाब प्रस्तुत करने के लिए कहा गया है।

- भोजशाला के आसपास के इलाके में बड़ी संख्या में पुलिसकर्मी तैनात हैं।

>> (शेष पेज 06 पर)

एसपी बोले- 1,000 जवान तैनात, ड्रोन-सीसीटीवी से निगरानी

धार पुलिस अधीक्षक सचिन शर्मा ने कहा, पिछले दो दिनों में भी लगातार जितने वर्ग, समुदाय और पंथ के लोग हमारे पास आए हैं। उन्हें यही समझाइश दी गई है कि सर्वोच्च न्यायालय की मंशा के अनुरूप ही शासन, प्रशासन और पुलिस काम कर रही है। उन्होंने बताया- हम यह भी सुनिश्चित करेंगे कि जुमे की नमाज शांतिपूर्ण तरीके से हो। फोर्स हमें बाहर से भी मिला है। लगभग 1,000 जवानों का बल यहां तैनात किया गया है।

कलेक्टर बोले- दोनों समुदायों की एंट्री-एग्जिट अलग

धार कलेक्टर प्रियंक मिश्रा ने कहा, न्यायालय के निर्देशानुसार की गई व्यवस्थाओं के इंप्लीमेंटेशन के लिए आवश्यक सुरक्षा व्यवस्था की गई है।

बेटे को बचाने में पिता की मौत, सदमे में मां ने भी पहाड़ी से लगाई छलांग

परिवार के 3 लोगों की मौत, मोबाइल को लेकर विवाद के बाद पहाड़ी पर पहुंचा था युवक

तमसा संकेत, एजेंसी

छत्रपति संभाजीनगर। महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजीनगर में शुक्रवार को माता-पिता और बेटे समेत 3 लोगों की मौत हो गई। 18 साल का युवक सुसाइड करने के इरादे से पहाड़ी पर पहुंचा था। पिता उसे चट्टान से पीछे खींचने की कोशिश कर रहे थे लेकिन दोनों पहाड़ी से नीचे गिर गए। पति और बेटे की मौत अपनी आंखों के सामने देखने के बाद मां ने भी पहाड़ी से छलांग लगा दी। तीनों की मौत हो गई। घटना तिसगांव इलाके के खावड्या पहाड़ की है। लड़का सुसाइड क्यों करने पहुंचा था इसकी वजह अभी स्पष्ट नहीं हुई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। हालांकि तिसगांव के पूर्व सरपंच का दावा है कि सुसाइड करने वाला लड़का आईफोन लेना चाहता था। पुलिस ने बताया कि कुणाल चंदगुड़े (19) सुबह करीब 10 बजे पहाड़ी पर चढ़ गया था। बताया जा रहा है कि मोबाइल फोन की मांग को लेकर माता-पिता से हुए झगड़े के बाद उसने आत्महत्या करने का इरादा किया था। छत्रपति संभाजीनगर के ज़ल्टा फाटा इलाके में रहने वाले उसके माता-पिता, मुरलीधर (48) और संगीता चंदगुड़े, उसे रोकने के लिए वहां पहुंचे। गांव के लोग भी उनके साथ पहुंचे। करीब तीन घंटे तक लोग उसे नीचे आने के लिए कहते रहे। उन्होंने कुणाल से कहा कि वह नीचे आ जाए, उसे मोबाइल फोन देने की बात भी कही। कुणाल बेहद परेशान था और कह रहा था कि अब उसके पास कोई रास्ता नहीं बचा है। कुणाल के पिता आखिरी करीब 15-20 मिनट में उसके पास पहुंचे और उसे समझाने की कोशिश करने लगे। इसी दौरान कुणाल ने अचानक खाई में छलांग लगा दी। उसे पकड़ने की कोशिश में उसके पिता का संतुलन बिगड़ गया और दोनों गहरी खाई में गिर गए। दोनों की मौत हो गई। पति और बेटे को अपनी आंखों के सामने खाई में गिरते देखकर मां संगीता सदमे में आ गईं।

>> (शेष पेज 06 पर)

जापान-यूपी एमएसएमई पार्टनरशिप फोरम में निवेश, तकनीकी हस्तांतरण, निर्यात और रोजगार बढ़ाने पर हुआ मंथन

जापानी तकनीक यूपी के एमएसएमई का संगम बनाएगा नया ग्रोथ कॉरिडोर

- जापानी तकनीक को यूपी के हुनर से जोड़कर मजबूत होगी वैश्विक सप्लाई चेन : एमएसएमई मंत्री भूपेंद्र चौधरी
- पहली तिमाही में एमएसएमई को 1.40 लाख करोड़ रुपये का ऋण : प्रमुख सचिव शशि भूषण लाल सुशील
- जापानी कंपनियों और यूपी के एमएसएमई के बीच पहले से मजबूत कनेक्शन : सचिव प्रांजल यादव

आयोजन

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान के मरकरी हॉल में शुक्रवार को "जापान-यूपी एमएसएमई पार्टनरशिप फोरम : को-क्रिएटिंग द नेक्स्ट ग्रोथ कॉरिडोर" का आयोजन किया गया। फोरम में उत्तर प्रदेश और जापान के बीच सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (एमएसएमई), निवेश, तकनीकी हस्तांतरण, निर्यात, स्टार्टअप, ऑटोमोबाइल, टेक्सटाइल, हस्तशिल्प, रोबोटिक्स और रोजगार के क्षेत्र में सहयोग की संभावनाओं पर विस्तार से चर्चा हुई। कार्यक्रम में एमएसएमई मंत्री भूपेंद्र चौधरी, प्रमुख सचिव एमएसएमई

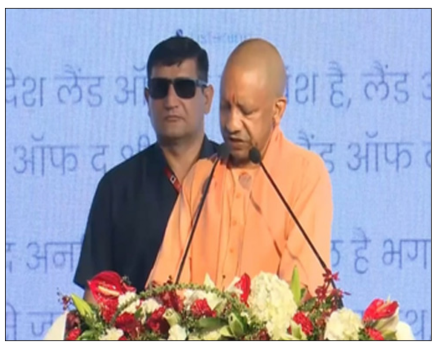

शशि भूषण लाल सुशील, सचिव एमएसएमई एवं निर्यात प्रोत्साहन प्रांजल यादव सहित वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी, जापानी प्रतिनिधिमंडल, शिक्षाविद, उद्यमी और औद्योगिक संगठनों के प्रतिनिधि मौजूद रहे। वक्ताओं ने कहा कि उत्तर प्रदेश का विशाल एमएसएमई आधार और जापान की अत्याधुनिक तकनीक मिलकर प्रदेश में औद्योगिक विकास, रोजगार और निर्यात को नई ऊंचाई दे सकते हैं।

एमएसएमई मंत्री भूपेंद्र चौधरी ने कहा कि उत्तर प्रदेश में 90 लाख से अधिक एमएसएमई इकाइयां क्रियाशील हैं, जो देश की कुल एमएसएमई इकाइयों का लगभग 14 प्रतिशत हैं। प्रदेश सरकार एमएसएमई उत्पादन और रोजगार दोनों में 15 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि दर के लक्ष्य के साथ आगे बढ़ रही है।

जापान सिटी में ऑटोमेशन, रोबोटिक्स और प्रिसिजन इंजीनियरिंग का विकसित होगा बड़ा केंद्र

75 जनपदों के स्थानीय उत्पादों को विशिष्ट पहचान दे रही

भूपेंद्र चौधरी ने कहा कि जापानी उद्योगों की गुणवत्ता सुधारने वाली पद्धतियों Kaizen, 5S और Green Manufacturing को प्रदेश की एमएसएमई इकाइयों में प्रोत्साहित किया जाएगा। इससे उत्पादन प्रक्रिया में कार्यकुशलता बढ़ेगी, लागत और वेस्टेज कम होगा तथा यूपी के उत्पादों की वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता मजबूत होगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार एक जनपद एक उत्पाद (ODOP) के माध्यम से सभी 75 जनपदों के स्थानीय उत्पादों को विशिष्ट पहचान दे रही है। मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना और विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना के माध्यम से युवाओं और पारंपरिक कारीगरों को स्वरोजगार एवं उद्यमिता के अवसर उपलब्ध कराए जा रहे हैं।

प्रदेश के एमएसएमई क्षेत्र को मजबूत वित्तीय आधार उपलब्ध कराया जा रहा

प्रमुख सचिव एमएसएमई शशि भूषण लाल सुशील ने कहा कि प्रदेश के एमएसएमई क्षेत्र को मजबूत वित्तीय आधार उपलब्ध कराया जा रहा है। चालू वित्तीय वर्ष की पहली तिमाही में ही एमएसएमई इकाइयों को लगभग 1.40 लाख करोड़ रुपये का ऋण वितरित किया जा चुका है। पिछले वित्तीय वर्ष में यह ऋण वितरण लगभग तीन लाख करोड़ रुपये रहा था। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में लगभग एक करोड़ एमएसएमई इकाइयों से तीन करोड़ से अधिक लोगों को रोजगार प्राप्त हो रहा है। प्रदेश का कुल निर्यात दो लाख करोड़ रुपये से अधिक है, जिसमें एमएसएमई क्षेत्र का योगदान लगभग 45 प्रतिशत है।

यामानाशी और उत्तर प्रदेश विधान सभा के बीच मैत्रीपूर्ण आदान-प्रदान पर समझौता

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। जापान की यामानाशी प्रीफेक्चरल असेंबली और भारत गणराज्य की उत्तर प्रदेश विधान सभा के बीच मैत्रीपूर्ण आदान-प्रदान एवं सहयोग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आज समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। यह समझौता दोनों विधान सभाओं के बीच पारस्परिक समझ, विश्वास और सहयोग को और मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। यामानाशी प्रीफेक्चरल असेंबली के प्रतिनिधिमंडल ने उत्तर प्रदेश विधान सभा के अध्यक्ष श्री सतीश महाना से शिष्टाचार भेंट के दौरान दोनों पक्षों के बीच विधायी कार्यप्रणाली, लोकतांत्रिक संस्थाओं की भूमिका तथा दोनों विधान सभाओं के बीच मैत्रीपूर्ण संबंधों को और मजबूत करने के विषय में विचार-विमर्श हुआ। इस अवसर पर जापान के यामानाशी प्रीफेक्चरल असेंबली के अध्यक्ष हिदेनोरी मियामोतो के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने उत्तर प्रदेश विधान सभा का भ्रमण किया। प्रतिनिधिमंडल की विधान भवन की विभिन्न

यामानाशी प्रतिनिधिमंडल ने उत्तर प्रदेश विधान सभा का भ्रमण किया, अध्यक्ष सतीश महाना से की शिष्टाचार भेंट

व्यवस्थाओं, सदन की कार्यवाही, विधायी प्रक्रियाओं तथा विधानसभा की कार्यशैली के बारे में जानकारी प्राप्त की। प्रतिनिधिमंडल ने उत्तर प्रदेश विधान सभा में किए गए आधुनिकीकरण और डिजिटल तकनीक के उपयोग सहित विभिन्न व्यवस्थाओं का भी अवलोकन किया। इस अवसर पर यामानाशी प्रीफेक्चरल असेंबली के अध्यक्ष हिदेनोरी मियामोतो ने उत्तर प्रदेश विधान सभा के अध्यक्ष सतीश महाना को जापान के यामानाशी आने का औपचारिक निमंत्रण दिया।

फास्ट न्यूज

लखनऊ में निकली बाबा महाकाल की पालकी यात्रा

लखनऊ। लखनऊ के राजेंद्र नगर स्थित श्री महाकाल मंदिर से शुक्रवार को बाबा महाकाल की पालकी यात्रा निकाली गई। डमरू, ढोल-नगाड़ों और 'हर हर महादेव' के जयकारों के बीच भक्त पूरे उत्साह से यात्रा में शामिल हुए। पालकी रानीगंज नाका चौराहा होते हुए वापस मंदिर पहुंची। इस दौरान अघोरी साधु आकर्षण का केंद्र रहे। वे पूरे रास्ते भस्म से खेलते नजर आए।

आगरा में एफएसडीए का 17 दुकानों पर छापा

आगरा । खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग ने मिलावटखोरों के खिलाफ बड़े अभियान की शुरुआत की है। जनपद में दूध और दुग्ध पदार्थों की शुद्धता जांचने के लिए विभाग ने विशेष अभियान चलाया। इस दौरान शहर से लेकर बाह-फतेहाबाद क्षेत्र तक 17 अलग-अलग स्थानों से कुल 17 विधिक नमूने संग्रहित किए गए। सभी नमूनों को जांच के लिए प्रयोगशाला भेजा जा रहा है। सहायक आयुक्त (खाद्य)-II महेंद्र श्रीवास्तव ने बताया कि अभियान का उद्देश्य त्योहारों से पहले मिलावटी दूध और उससे बने उत्पादों पर रोक लगाना है।

लखनऊ में नशामुक्ति अभियान

लखनऊ । लखनऊ के बख्शी का तालाब इंटर कॉलेज में शुक्रवार को नशामुक्ति को लेकर अभियान चलाया। यहां विज्ञान क्लब की इकाई ने 'नशामुक्त युवा–विकसित भारत अभियान' के तहत स्लोगन लेखन प्रतियोगिता कराई। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य छात्र-छात्राओं को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करना और उन्हें नशामुक्त समाज के निर्माण के लिए प्रेरित करना था।

वित्त से बाजार तक मजबूत लिंकेज पर जोर

200 से अधिक उद्यमियों ने लिया भाग

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ । सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय, भारत सरकार के एमएसएमई-विकास कार्यालय, कानपुर एवं PHDCCI, लखनऊ के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित दो दिवसीय "सूक्ष्म एवं लघु इकाइयों के लिए वेण्डर विकास कार्यक्रम-2026" का आज पीएचडी हाउस, गोमती नगर, लखनऊ में समापन हुआ। कार्यक्रम में 200 से अधिक एमएसई उद्यमियों, औद्योगिक संगठनों के पदाधिकारियों तथा विभिन्न सरकारी, वित्तीय, तकनीकी एवं सार्वजनिक क्षेत्र के संस्थानों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। वेंडर विकास कार्यक्रम के दूसरे दिन उत्तर प्रदेश सरकार के प्रमुख सचिव, एमएसएमई एवं निर्यात प्रोत्साहन शशि भूषण लाल सुशील, मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम में सचिव, एमएसएमई एवं

निर्यात प्रोत्साहन प्रांजल यादव तथा निर्यात प्रोत्साहन ब्यूरो के अतिरिक्त आयुक्त पवन अग्रवाल विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि शशि भूषण लाल सुशील ने एमएसएमई विकास के लिए वित्तीय सहायता को बाजार और स्थायी व्यावसायिक अवसरों से जोड़ने की आवश्यकता पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि CM YUVA जैसी योजनाओं का उद्देश्य केवल ऋण या वित्तीय सहायता उपलब्ध कराना नहीं होना चाहिए, बल्कि नए उद्यमियों के लिए बाजार और स्थायी व्यवसाय के अवसर भी सुनिश्चित किए जाने चाहिए। बैंकों के माध्यम से योजना का व्यापक प्रचार-प्रसार जरूरी है।

ननद के साथ नहीं रहना चाहती थी, एसबीआई अफसर ने 30 मिनट में पूरा परिवार खत्म किया

लखनऊ हत्याकांड: मैनेजर पत्नी ने डेढ़ करोड़ मांगे थे

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ हत्याकांड 2 दिन रेकी, 30 मिनट में 2 हत्याएं और सुसाइड। पुलिस की शुरुआती जांच में वारदात की 2 वजह सामने आई हैं। पहली- बैंक मैनेजर दिव्या मिश्रा ने तलाक के लिए SBI अफसर पति मानस बाजपेयी से डेढ़ करोड़ रुपए गुजारा-भत्ता (एलिमनी) मांग रही थी। दूसरी- दिव्या, मानस की मानसिक बीमार बहन शीबा के साथ नहीं रहना चाहती थी। 18 अगस्त को फैमिली कोर्ट में तलाक मामले में सुनवाई थी। इस दौरान मानस और दिव्या के बीच एलिमनी को लेकर विवाद हुआ। पुलिस सूत्रों के मुताबिक इसके बाद मानस इतना परेशान हो गया कि उसने पत्नी और बहन की

हत्या करके सुसाइड करने की प्लानिंग कर डाली। उसने 3 पिस्तौल खरीदी और 2 दिन तक पत्नी की रेकी की। गुरुवार दोपहर करीब 12 बजे मानस ऑटो से सीधे पत्नी दिव्या के ICICI बैंक पहुंचा। दिव्या को फोन करके बाहर बुलाया। दोनों के बीच पहले विवाद और मारपीट हुई, फिर मानस ने दिव्या के चेहरे पर सटाकर दो गोली मार दी। पूरी घटना बैंक के बाहर लगे सीसीटीवी में कैद हो गई। इसके बाद वह ऑटो से ही मौके से भाग गया। पसीने से तरबतर होकर 2 किमी दूर अपने घर पहुंचा। कमरे का दरवाजा बंद किया। टीवी पर तेज आवाज में हनुमान चालीसा चला दी। इसके बाद बहन शीबा के सिर में गोली मार दी।

9 साल पहले लव मैरिज, 1 साल पहले पत्नी ने घर छोड़ा

परिजन के मुताबिक, मानस और दिव्या ने 2017 में लव मैरिज की थी। शादी के शुरुआती दिनों में दोनों के रिश्ते ठीक रहे। बाद में छोटी-छोटी बातों को लेकर विवाद होने लगा। धीरे-धीरे दोनों के बीच दूरी बढ़ती गई और दोनों अलग रहने लगे।

2018 में मानस की मां को कैंसर हुआ तो दिव्या दोबारा उसके साथ रहने लगीं। इसी दौरान मानस की बहन को साथ रखने को लेकर पति-पत्नी के बीच विवाद होने लगा। 2019 में मानस की मां की मौत के बाद दिव्या फिर अलग हो गईं। कुछ समय बाद दोनों के बीच बातचीत हुई और वे दोबारा साथ रहने लगे। 2025 में बहन को लेकर दोनों के बीच फिर विवाद बढ़ गया। दिव्या का कहना था कि वह मानस की बहन के साथ नहीं रहेगी। मानस इसके लिए तैयार नहीं था। इसके बाद नवंबर 2025 में दिव्या ने पूरी तरह घर छोड़ दिया।

3 हथियार खरीदे, पत्नी की रेकी शुरू की

मानस के एक दोस्त ने पुलिस को बताया कि वह करीब 3 महीने से बैंक के ऑडिट के काम से शहर से बाहर था। लौटने के बाद उसे 18 अगस्त को फैमिली कोर्ट में होने वाली सुनवाई की जानकारी मिली। वह कोर्ट पहुंचा। पुलिस के मुताबिक, यहीं उसे करीब डेढ़ करोड़ रुपए की एलिमनी की मांग के बारे में पता चला। इसके बाद वह तनाव में आ गया। पुलिस की जांच के मुताबिक 18 अगस्त की सुनवाई के बाद मानस ने पत्नी और बहन की हत्या कर खुदकुशी करने की योजना बनाई। इसके लिए उसने 2 दिन में 3 हथियारों का इंतजाम किया। इनमें दो 9 एमएम पिस्टल और एक तमंचा बताया जा रहा है। पुलिस ने तीनों हथियार बरामद कर लिए हैं। तीनों लोडेड थे। हालांकि, मानस ने ये हथियार कहां से और किससे खरीदे, इसकी जांच की जा रही है।

3.15 लाख से अधिक वाहन पोर्टल पर ऑनबोर्ड, यूपी में सुरक्षित और स्मार्ट परिवहन की ओर बड़ा कदम

अब ऐप से बुकिंग वाले सफर में मनमानी पर लगेगी लगाम

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। योगी सरकार ने उत्तर प्रदेश में परिवहन और डिलीवरी सेवाओं को अधिक सुरक्षित, व्यवस्थित और जवाबदेह बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए उत्तर प्रदेश मोटरयान (समूहक एवं वितरण सेवा प्रदाता) नियमावली 2026 को लागू कर दिया है। इसके साथ upmyfleet.com एग्रीगेटर पोर्टल भी शुरू कर दिया गया है। नई व्यवस्था में यात्रियों की सुरक्षा, ड्राइवरों का कल्याण, वाहन प्रदूषण की निगरानी, इलेक्ट्रिक मोबिलिटी को बढ़ावा, किराये में पारदर्शिता और शिकायतों के त्वरित समाधान के लिए कई महत्वपूर्ण मानक तय किए गए हैं।

उत्तर प्रदेश सरकार ने 22 मई

2026 की अधिसूचना के माध्यम से उत्तर प्रदेश मोटरयान (समूहक एवं वितरण सेवा प्रदाता) नियमावली, 2026 लागू की है। इसके तहत एग्रीगेटर और डिलीवरी सेवा प्रदाताओं के लिए आवेदन, लाइसेंस, सुरक्षा जमा राशि और संचालन से जुड़े नियम तय किए गए हैं। यह व्यवस्था उन डिजिटल या इलेक्ट्रॉनिक प्लेटफॉर्म से जुड़ी सेवाओं के लिए महत्वपूर्ण है, जिनके माध्यम से यात्रियों को परिवहन सुविधा उपलब्ध कराई जाती है या किसी चालक को विक्रेता, ई-कॉमर्स इकाई अथवा प्रेषक से जोड़कर उत्पाद, कूरियर, पैकेज या पार्सल पहुंचाने की सेवा दी जाती है।

प्रदेश में एग्रीगेटर नीति 2026 लागू, होने से यात्रियों की सुरक्षा से लेकर ड्राइवरों के हित तक तय हुए नए मानक

- आवेदन से लाइसेंस तक, कंपनियों के लिए तय हुई स्पष्ट व्यवस्था, सुरक्षा जमा राशि से कंपनियों की जवाबदेही होगी मजबूत
- ऐप आधारित यात्री परिवहन के साथ डिलीवरी और लॉजिस्टिक नेटवर्क भी इसके दायरे में आएंगे
- हर यात्री के लिए बीमा, बिना कारण पिकअप कैंसिल करने पर कंपनी पर लगेगा 100 रुपये का अर्थदंड
- ड्राइवरों के हित के लिए 5 लाख रुपये का स्वास्थ्य बीमा, 10 लाख रुपये का टर्म इंश्योरेंस

यानी ऐप आधारित यात्री परिवहन के साथ डिलीवरी और लॉजिस्टिक नेटवर्क भी इसके दायरे में आते हैं। नीति में एग्रीगेटर द्वारा जमा की जाने वाली सुरक्षा राशि को वाहन बेड़े के आकार से जोड़ा गया है। नियम के अनुसार 100 बस या 1,000 अन्य मोटरयान तक के बेड़े के लिए 10 लाख रुपये, 1,000 बस या 10,000 अन्य मोटरयान तक के बेड़े के लिए 25 लाख रुपये और 1,000 से अधिक बस या 10,000 से अधिक अन्य मोटरयान वाले बड़े बेड़े के लिए 50 लाख रुपये की सुरक्षा जमा राशि निर्धारित की गई है।

आवेदन से लाइसेंस तक, कंपनियों के लिए तय हुई स्पष्ट व्यवस्था

नई नीति के तहत एग्रीगेटर को संचालन के लिए निर्धारित प्रक्रिया का पालन करना होगा। आवेदन की फीस 25 हजार रुपये और लाइसेंस प्रदान करने की फीस 5 लाख रुपये निर्धारित की गई है। इससे एग्रीगेटर सेवाओं के संचालन के लिए एक स्पष्ट और औपचारिक नियामक व्यवस्था तैयार होगी। इस व्यवस्था का फायदा सरकार के साथ-साथ कंपनियों को भी होगा। कंपनियों को नियमों, सुरक्षा मानकों और सेवा की गुणवत्ता को लेकर स्पष्ट दिशा-निर्देश मिलेंगे, जबकि परिवहन विभाग के पास एग्रीगेटर सेवाओं की निगरानी के लिए व्यवस्थित ढांचा रहेगा।

भीमबैठका के शैलचित्रों एवं धरोहर जागरूकता पर विशेषज्ञ व्याख्यान आयोजित

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश राज्य पुरातत्व निदेशालय, लखनऊ द्वारा आयोजित 13 दिवसीय पुरातत्व अभिरुचि पाठ्यक्रम के दूसरे दिन पुरातत्व एवं सांस्कृतिक धरोहर से संबंधित महत्वपूर्ण विषयों पर विशेषज्ञ व्याख्यान आयोजित किए गए। कार्यक्रम के प्रथम सत्र में पद्मश्री से सम्मानित प्रख्यात पुरातत्वविद् डॉ. नारायण व्यास ने Study of the Brick Structures and Bhimbetka Caves: History and Paintings विषय पर अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। उन्होंने भीमबैठका शैलाश्रयों के इतिहास, उनकी खोज तथा वहां प्राप्त प्रागैतिहासिक भित्ति चित्रों की ऐतिहासिकता पर विस्तार से प्रकाश डाला। डॉ. व्यास ने इन शैलचित्रों की संरचना, चित्रांकन शैली तथा रंगों एवं चित्र निर्माण में प्रयुक्त प्राकृतिक सामग्रियों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इन भित्ति चित्रों में प्रागैतिहासिक मानव के जीवन, आखेट, नृत्य, युद्ध, सामूहिक गतिविधियों तथा पशु-जगत

का अत्यंत सजीव चित्रण मिलता है। विभिन्न कालखंडों से संबंधित इन चित्रों की शैलीगत विविधता मानव सभ्यता एवं सांस्कृतिक विकास को समझने में महत्वपूर्ण स्रोत है। द्वितीय सत्र में डॉ. साधना व्यास ने Fostering Heritage Awareness: The Role of Teachers and Students विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया। उन्होंने सांस्कृतिक एवं पुरातात्त्विक धरोहर के प्रति जागरूकता विकसित करने में शिक्षकों एवं विद्यार्थियों की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि शिक्षक धरोहर संबंधी ज्ञान एवं संरक्षण के मूल्यों को नई पीढ़ी तक पहुंचाने का महत्वपूर्ण माध्यम हैं, जबकि विद्यार्थी भविष्य में धरोहर संरक्षण के जागरूक संवाहक बन सकते हैं।

सुरक्षा : पहली बार 52 नेताओं को बांटी, इनमें राजभर, नंदी, अपर्णा यादव का भी नाम

अखिलेश - मायावती को योगी सरकार ने दी बुलेट प्रूफ जैकेट

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। योगी सरकार ने विधानसभा चुनाव से पहले अखिलेश यादव, मायावती समेत 52 नेताओं को बुलेट प्रूफ जैकेट दी। इनमें 11 कैबिनेट मंत्री भी शामिल हैं। मंत्री संजय निषाद, नंद गोपाल गुप्ता 'नंदी', ओपी राजभर, अपर्णा यादव को जैकेट मिल गई है।

बुलेट प्रूफ जैकेट यूपी सरकार के सुरक्षा मुख्यालय ने खरीदी है। एक जैकेट की कीमत 1.5 लाख रुपए बताई जा रही है। बातचीत में मंत्री संजय निषाद ने कहा- मुझे बुलेट प्रूफ़ जैकेट पहनना ही नहीं आता। अब तक इसे पहनना नहीं सिखाया गया है। सूत्रों के मुताबिक,

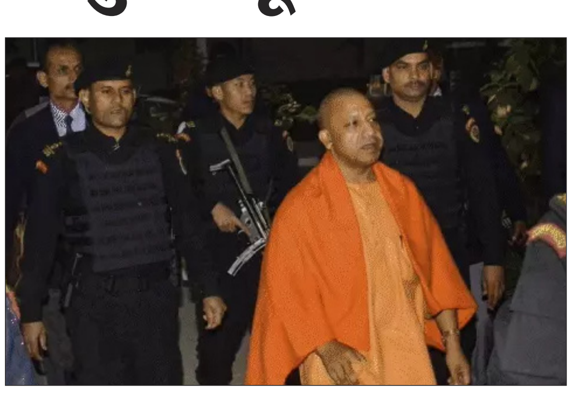

विधानसभा- 2027 को देखते हुए सरकार ने एहतियातन यह फैसला लिया है। ऐसा पहली बार हुआ है, जब नेताओं को बुलेट प्रूफ जैकेट मुहैया कराई गई है। पहले चरण में 8, जबकि दूसरे चरण में अब 44 नेताओं को जैकेट बांटी गई है। सरकार ने आधिकारिक तौर पर बुलेट प्रूफ जैकेट बांटने की वजह का खुलासा नहीं किया। हालांकि, सुरक्षा मुख्यालय के एक अफसर ने बताया कि पहले बुलेट प्रूफ जैकेट सुरक्षा मानकों में शामिल नहीं थी। इसे अब शामिल किया गया है।

प्रदेश सरकार के जिन मंत्रियों को Y प्लस कैटेगरी की सुरक्षा मिली हुई है, उसमें लक्ष्मी नारायण चौधरी, बेबी रानी मौर्य, ओम प्रकाश राजभर, बलदेव सिंह औलख शामिल हैं। जबकि, कुछ सांसदों और विधायकों को भी इसी कैटेगरी की सुरक्षा दी गई है।

> **यूपी में 98 नेता ऐसे हैं, जिन्हें किसी न किसी कैटेगरी की सुरक्षा मिली है। सिर्फ मंत्रियों या विपक्ष के बड़े नेताओं को ही नहीं, बल्कि पश्चिम यूपी में भाजपा के फायरब्रांड नेता संगीत सोम और सुरेश राणा का नाम भी बुलेट प्रूफ़ जैकेट पाने वालों की लिस्ट में शामिल हैं।**

यूपी में 98 लोगों को सुरक्षा, 12 को जेड प्लस सिक्योरिटी

यूपी में 98 लोगों को सुरक्षा दी गई है। इनमें सबसे ज्यादा 26 लोगों को Y कैटेगरी की सुरक्षा मिली है। वहीं, 10 को Y-प्लस, 10 को एस्कॉर्ट के साथ Y कैटेगरी और एस्कॉर्ट के साथ Y-प्लस कैटेगरी की सुरक्षा 13 लोगों को मिली हुई है। Z-प्लस की सुरक्षा जिन 12 लोगों को मिली है, उनमें राज्यपाल आनंदीबेन पटेल, सीएम योगी के साथ अखिलेश यादव और मायावती भी शामिल हैं। केंद्रीय रक्षामंत्री राजनाथ सिंह, पूर्व सांसद मुरली मनोहर जोशी, विनय कटियार, सुरेश राणा, डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य, पूर्व डिप्टी सीएम दिनेश शर्मा और हाईकोर्ट के एक रिटायर्ड जज को ये सुरक्षा मुहैया कराई गई है। डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक को Z कैटेगरी की सुरक्षा दी गई है। बसपा के कद्दावर नेता सतीश चंद्र मिश्रा को भी Z सुरक्षा दी गई है। इनके अलावा, मेरठ की सरधना सीट से भाजपा विधायक रह चुके संगीत सोम, गोंडा से 6 बार सांसद रह चुके बृजभूषण शरण सिंह, प्रदेश सरकार में मंत्री नंद गोपाल नंदी, पूर्व मंत्री महेंद्र सिंह, मंत्री स्वतंत्र देव सिंह, जयवीर सिंह और कांग्रेस के नेता प्रमोद तिवारी को भी Z सुरक्षा मिली है।

परिवर्तन योजना पर्यावरण एवं जन हितैषी है : दयाशंकर सिंह

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में परिवर्तन योजना लागू

बीएस-06 वाहनों की खरीद पर वाहन स्वामियों को मिलेगा पंजीयन एवं मार्गकर में 100 प्रतिशत छूट

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के परिवहन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री दयाशंकर सिंह ने बताया कि देश के राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में वायु प्रदूषण को नियंत्रित करने एवं पर्यावरण संरक्षण की दृष्टि से सड़क परिवहन एवं राजामार्ग मंत्रालय भारत सरकार (मोर्थ) द्वारा परिवर्तन योजना लागू की गयी है जो कि उ0प्र0 के मेरठ, गाजियाबाद, गौतमबुद्ध नगर, हापुड़, बागपत, बुलंदशहर, मुजफ्फरनगर एवं

शामली में भी प्रभावी होगी।

उन्होंने बताया कि योजना में बीएस-01, बीएस-02, बीएस-03 एव बीएस-04 श्रेणी के मालवाहनों में ट्रक एवं बस को बीएस-06 डीजल/सीएनजी अथवा विद्युत (इलेक्ट्रिक) वाहनों से प्रतिस्थापित किया जाना है। इससे स्वच्छ, सुरक्षित एवं पर्यावरण अनुकूल तथा आमजन के हित में परिवहन व्यवस्था को बढ़ावा मिलेगा।

परिवहन मंत्री ने बताया कि उक्त श्रेणी के बस एवं मालवाहन (ट्रक) स्वामियों द्वारा वाहनों को स्क्रैप किए जाने पर निक्षेप प्रमाण-पत्र (सीओडी) प्राप्त होगा। इससे नए बीएस-6 वाहन खरीदने पर वाहन कर एवं पंजीयन शुल्क में 100 प्रतिशत छूट तथा मार्ग कर में 10 वर्षों के लिए 100 प्रतिशत की छूट मिलेगी। इसके अलावा पुराने बीएस-6 वाहनों को खरीदने पर मार्ग कर में 50 प्रतिशत की छूट मिलेगी। साथ ही उक्त वाहनों को स्क्रैप कराकर उसके स्थान पर बीएस-6 वाहन खरीदने पर 01 वर्ष से पूर्व का बकाया राजस्व पूर्णतः माफ होगा। परिवहन मंत्री ने बताया कि ईवी वाहनों के खरीदने पर 64 हजार से लेकर 2 लाख 56 हजार की एकमुश्त प्रोत्साहन राशि देने की भी व्यवस्था परिवर्तन योजना में शामिल है।

ब्लाइंड कट्स और ओवरलोड वाहनों पर सख्ती के निर्देश, डीएम की अध्यक्षता में जिला स्तरीय सड़क सुरक्षा समिति की बैठक

सड़क हादसों पर रोक लगाने की कवायद

आयोजन

तमसा संकेत, एजेंसी

उन्नाव। जिले में बढ़ते सड़क हादसों पर प्रभावी रोक लगाने के लिए प्रशासन ने सड़क सुरक्षा से जुड़े इंतजामों को मजबूत करने की कवायद तेज कर दी है। शुक्रवार दोपहर कलेक्ट्रेट स्थित पन्नालाल सभागार में जिलाधिकारी घनश्याम मीणा की अध्यक्षता में जिला स्तरीय सड़क सुरक्षा समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में दुर्घटना संभावित स्थानों को सुरक्षित बनाने, ब्लाइंड कट्स को खत्म करने, पर्याप्त साइनेज लगाने, स्पीड ब्रेकर और रिफ्लेक्टिव लाइट की व्यवस्था करने के साथ ही ओवरलोड वाहनों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रखने के निर्देश दिए गए। बैठक में जिले से होकर गुजरने वाले राष्ट्रीय राजमार्गों और प्रमुख मार्गों पर

दुर्घटना संभावित स्थानों की स्थिति की समीक्षा की गई। अधिकारियों ने बताया कि एनएच-27 समेत कई मार्गों पर ऐसे ब्लाइंड कट्स चिन्हित किए गए हैं, जहां सड़क हादसों की आशंका अधिक रहती है। इन स्थानों को सुरक्षित बनाने के लिए कार्ययोजना तैयार कर शासन को भेजी जा चुकी है। अधिकारियों के मुताबिक बजट उपलब्ध होते ही चिन्हित स्थानों पर आवश्यक सुधार कार्य शुरू करा दिए जाएंगे। बैठक में ओवरलोड वाहनों के खिलाफ चल रही कार्रवाई की भी समीक्षा की गई। अधिकारियों ने बताया कि अप्रैल माह से ओवरलोड वाहनों के खिलाफ विशेष अभियान चलाया जा रहा है।

> जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि सड़क पर ऐसे स्थान जहां सामने से आने वाले वाहन दिखाई नहीं देते या अचानक मोड़ होने के कारण दुर्घटना की संभावना रहती है, उन्हें प्राथमिकता के आधार पर सुरक्षित बनाया जाए। अधिकारियों को संबंधित विभागों के साथ समन्वय स्थापित कर जरूरी प्रक्रिया जल्द पूरी करने के निर्देश दिए गए, ताकि बजट मिलने के बाद कार्यों को बिना देरी के शुरू कराया जा सके।

स्पीड ब्रेकर समेत अन्य सुरक्षा इंतजाम होंगे

बैठक में एनएचएआई की टीम को सड़क किनारे निर्धारित स्थानों पर स्पीड ब्रेकर समेत अन्य जरूरी सुरक्षा उपाय करने के निर्देश दिए गए। अधिकारियों से कहा गया कि सड़क सुरक्षा से जुड़े सभी कामों को प्राथमिकता दी जाए। प्रशासन का उद्देश्य दुर्घटना संभावित स्थानों पर समय रहते जरूरी इंतजाम कर सड़क हादसों की संख्या में कमी लाना है।

साइनेज और रिफ्लेक्टिव लाइट लगाने की तैयारी

बैठक में सड़क किनारे पर्याप्त साइनेज लगाने पर भी जोर दिया गया। अधिकारियों ने बताया कि कई दुर्घटना संभावित स्थानों पर रिफ्लेक्टिव लाइट और रिफ्लेक्टिव टेप लगाने की जरूरत है। सड़क के दोनों ओर ऐसे कई बिंदुओं को चिन्हित किया गया है। इन कार्यों के लिए अनुमानित बजट तैयार कर शासन को भेजा जा चुका है। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक प्रक्रियाएं पूरी कर सुरक्षा से जुड़े कार्यों को जल्द शुरू कराने के निर्देश दिए।

> प्रशासन का कहना है कि सड़क सुरक्षा के नियमों का पालन सुनिश्चित करना सभी संबंधित विभागों की प्राथमिक जिम्मेदारी है। ओवरलोडिंग पर रोक लगाने के साथ ही दुर्घटना संभावित स्थानों पर तकनीकी और सुरक्षा संबंधी कमियों को दूर कर सड़क यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने का प्रयास किया जा रहा है।

उन्नाव पुलिस में फेरबदल, एसपी ने कार्यक्षेत्र बदला

गंगा बैराज चौकी प्रभारी बने ररकमाखी, महेश तोमर राजाबाग चौकी इंचार्ज बने

तमसा संकेत, एजेंसी

उन्नाव। उन्नाव पुलिस अधीक्षक ने जिले की पुलिस व्यवस्था में प्रशासनिक दृष्टिकोण से फेरबदल किया है। गुरुवार देर रात जारी आदेश के तहत पांच उपनिरीक्षकों के कार्यक्षेत्र में बदलाव किया गया है। इनमें गंगा बैराज चौकी प्रभारी भी शामिल हैं। सभी संबंधित अधिकारियों को तत्काल प्रभाव से नवीन तैनाती स्थल पर कार्यभार ग्रहण करने के निर्देश दिए गए हैं। एसपी जयप्रकाश सिंह द्वारा जारी आदेश के अनुसार, उपनिरीक्षक लक्ष्मी नारायण द्विवेदी को माखी थाने के वरिष्ठ उपनिरीक्षक पद से हटाकर थाना गंगाघाट की गंगा बैराज चौकी का नया प्रभारी बनाया गया है। वहीं, गंगा बैराज चौकी के प्रभारी रहे उपनिरीक्षक मान सिंह यादव का स्थानांतरण वरिष्ठ उपनिरीक्षक थाना माखी के पद पर किया गया है। मान सिंह यादव लगभग दो

वर्षों से गंगा बैराज चौकी की जिम्मेदारी संभाल रहे थे। इस अवधि के दौरान, उनकी कार्यशैली और पुलिसिंग को लेकर स्थानीय स्तर पर सराहना भी की गई थी। इसके अतिरिक्त, उपनिरीक्षक उमेश चंद्र को पुलिस लाइन से स्थानांतरित कर थाना दही में वरिष्ठ उपनिरीक्षक की जिम्मेदारी दी गई है। पुलिस लाइन में तैनात उपनिरीक्षक महेश सिंह तोमर को थाना अजगैन की राजाबाग चौकी का नया प्रभारी नियुक्त किया गया है। राजाबाग चौकी प्रभारी उपनिरीक्षक रवींद्र मालवीय का तबादला थाना बीघापुर की इण्डेमऊ चौकी पर किया गया है।

फास्ट न्यूज

ट्रेन की चपेट में आकर युवक की मौत

उन्नाव। उन्नाव रेलवे स्टेशन के पास गुरुवार रात ट्रेन की चपेट में आने से 24 वर्षीय युवक की मौत हो गई। हादसे में उसके दोनों पैर कट गए। मृतक दिल्ली में निजी नौकरी करता था और काम के सिलसिले में दिल्ली जा रहा था। रेलवे पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतक की पहचान आसीवन थाना क्षेत्र के जरवा खेड़ा गांव निवासी कुलदीप कुमार पुत्र स्वर्गीय रामबिलास के रूप में हुई है।

कार-ऑटो भिड़ंत, 1 की मौत

हरदोई। हरदोई के शाहाबाद कोतवाली क्षेत्र में शुक्रवार दोपहर करीब 2 बजे बड़ा सड़क हादसा हो गया। महुआ टोला स्थित स्वराज एजेंसी के पास कार और ऑटो की जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर के बाद ऑटो अनियंत्रित होकर दूसरे ऑटो से जा भिड़ा। हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि आठ लोग घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस और एंबुलेंस ने घायलों को अस्पताल पहुंचाया। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। आसपास के लोगों ने घायलों को वाहनों से बाहर निकाला।

बाराबंकी में सरयू खतरे के निशान से 50 सेमी ऊपर

बाराबंकी। बाराबंकी में सरयू नदी का जलस्तर खतरे के निशान से करीब 50 सेंटीमीटर ऊपर पहुंच गया है। पहाड़ों पर लगातार बारिश और नेपाल के बैराजों से छोड़े गए लाखों क्यूसेक पानी के कारण नदी उफान पर है। इसका सबसे ज्यादा असर रामसनेहीघाट तहसील के तराई क्षेत्र में देखने को मिल रहा है, जहां कई गांवों में बाढ़ का पानी घरों के अंदर तक पहुंच गया है।

जहरीले सांप के डसने से एंबुलेंस चालक गंभीर

47 एंटी-वेनम के बाद भी सुधार नहीं, 32 घंटे से वेंटिलेटर पर

तमसा संकेत, एजेंसी

हरदोई। हरदोई में जहरीले सांप के डसने से गंभीर रूप से बीमार एंबुलेंस चालक ओवेंद्र की हालत 32 घंटे बाद भी चिंताजनक बनी हुई है। उन्हें लखनऊ मेडिकल कॉलेज में वेंटिलेटर पर रखा गया है। 400 थपकियों और कुल 47 एंटी-वेनम इंजेक्शन लगने के बावजूद उनकी स्थिति में सुधार नहीं हो रहा है। परिजनों के मुताबिक, डॉक्टर लगातार उनकी हालत पर नजर बनाए हुए हैं। यह जानकारी ओवेंद्र के दोस्त हरिओम ने शुक्रवार की सुबह 10 बजे दी है। फर्रुखाबाद के बीरपुर निवासी 35 वर्षीय ओवेंद्र हरपालपुर सीएचसी में एंबुलेंस

चालक हैं। बुधवार आधी रात के बाद 2 बजे कमरे में सोते समय उन्हें जहरीले सांप ने काट लिया था। शुरुआती इलाज के लिए हरपालपुर सीएचसी से उन्हें हरदोई मेडिकल कॉलेज ले जाया गया। यहां डॉ. शेर सिंह और डॉ. रूपेंद्र सिंह की देखरेख में उनका इलाज किया गया था। हरदोई मेडिकल कॉलेज में ओवेंद्र को 30 एंटी-वेनम इंजेक्शन दिए गए। उनके दोस्त, हरिओम प्रदीप आदि ने करीब दो घंटे तक उन्हें जगाए रखने के लिए 400 थपकियां भी दीं, ताकि वह जगते रहें। इसके बावजूद जब उनकी हालत में सुधार नहीं हुआ, तो उन्हें लखनऊ रेफर कर दिया गया। ओवेंद्र के दोस्त हरिओम ने ने बताया कि लखनऊ में उन्हें 17 और एंटी-वेनम इंजेक्शन दिए जा चुके हैं। सामान्य वार्ड में उनकी हालत में सुधार न होने पर डॉक्टर ने उन्हें आप वेंटिलेटर पर रखा है। वहां भी डॉक्टरों की कड़ी निगरानी के बावजूद उनकी स्थिति नाजुक बनी हुई है। ओवेंद्र की गंभीर हालत से उनका परिवार सदमे में है।

सरस्वती इंटर कॉलेज परिसर जलमग्न

बाराबंकी। बाराबंकी के त्रिवेदीगंज क्षेत्र में लगातार हो रही भारी बारिश के कारण जनजीवन प्रभावित हुआ है। इसका असर अब शिक्षण संस्थानों पर भी दिख रहा है। त्रिवेदीगंज स्थित सरस्वती इंटर कॉलेज का पूरा परिसर बारिश के पानी से जलमग्न हो गया है। विद्यालय परिसर में चारों ओर पानी भर गया है। मुख्य रास्तों और परिसर में जलभराव के कारण छात्र-छात्राओं, शिक्षकों और अन्य कर्मचारियों को आवागमन में भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। विद्यालय तक पहुंचना और परिसर के भीतर एक स्थान से दूसरे स्थान पर जाना भी मुश्किल हो गया है। भारी बारिश के बाद जलनिकासी की व्यवस्था पर सवाल उठ रहे हैं। पानी की उचित निकासी न होने से विद्यालय परिसर में लगातार जलभराव बना हुआ है। इससे छात्रों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है, साथ ही विद्यालय में संक्रमण और अन्य स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का खतरा भी बढ़ गया है।

गंगाजल चढ़ाकर लौट रहे युवक की सड़क हादसे में मौत

हरदोई में अज्ञात वाहन ने बाइक में मारी टक्कर, एक साथी लखनऊ रेफर

तमसा संकेत, एजेंसी

हरदोई। हरदोई के देहात कोतवाली क्षेत्र में एक सड़क हादसे में सकाहा मंदिर से गंगा जल चढ़ाकर लौट रहे बाइक सवार एक युवक की मृत्यु हो गई। इस घटना में उनका साथी गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे लखनऊ रेफर किया गया है। अपने इकलौते पुत्र को खोने के बाद पिता बदहवास हो गए। यह हादसा बृहस्पतिवार रात करीब 7:30 हुआ। शुक्रवार की दोपहर 2 बजे शव का पोस्टमार्टम कराया गया। यह हादसा हरदोई-शाहजहांपुर मार्ग पर अटवा असिगांव के पास गौशाला के पास रात में हुआ। बिलग्राम के राजघाट से गंगाजल लेकर सकाहा मंदिर

में जलाभिषेक करने के बाद कौढ़ा गांव निवासी 29 वर्षीय मोनू अपने 23 वर्षीय दोस्त अनुज के साथ बाइक से घर लौट रहे थे। इसी दौरान, एक अज्ञात तेज रफ्तार वाहन ने उनकी बाइक को पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों युवक सिर के बल सड़क पर गिर पड़े और गंभीर रूप से घायल हो गए। आसपास के लोग मौके पर आ गए। एंबुलेंस और पुलिस को सूचना दी गई। स्थानीय लोगों की मदद से दोनों को मेडिकल कॉलेज पहुंचाया गया। डॉक्टरों ने रात करीब 9 बजे मोनू को मृत घोषित कर दिया।

वहीं, अनुज को प्राथमिक उपचार के बाद उसकी गंभीर हालत को देखते हुए लखनऊ रेफर कर दिया गया है। मृतक मोनू अपने माता-पिता का इकलौता पुत्र था और मजदूरी करके परिवार का भरण-पोषण करता था। उसकी दो बड़ी बहनें विवाहित हैं। मोनू की मृत्यु से परिवार में शोक का माहौल है। शहर कोतवाल संजय त्यागी ने बताया कि पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर आगे की वैधानिक कार्रवाई शुरू कर दी है। घायल अनुज की हालत अभी भी चिंताजनक बनी हुई है।

9 साल की बच्ची से दुष्कर्म के दोषी को हुई उम्रकैद

हरदोई में कोर्ट ने 20 हजार रुपए का लगाया जुर्माना

तमसा संकेत, एजेंसी

हरदोई। हरदोई में 9 वर्षीय बच्ची से दुष्कर्म के दोषी वीरेश को उम्रकैद की सजा सुनाई। विशेष न्यायाधीश पॉक्सो एक्ट मन मोहन सिंह की अदालत ने उसे शेष प्राकृतिक जीवनकाल तक जेल में रखने का आदेश दिया। साथ ही 20 हजार रुपए का अर्थदंड लगाया। जुर्माना जमा नहीं करने पर दोषी को तीन माह का अतिरिक्त कारावास भुगतना होगा। यह घटना 10 फरवरी 2022 की है। अभियोजन के अनुसार, घटना के समय बच्ची की उम्र नौ वर्ष चार माह थी। वह लकड़ी बीनने गई थी। इसी दौरान गांव निवासी वीरेश पुत्र बाबू जाटव ने उसे 30 रुपए देने का लालच देकर झाड़ियों के पीछे बुलाया और उसके साथ दुष्कर्म किया। विरोध करने पर बच्ची के साथ मारपीट भी की गई। घटना के बाद आरोपी

मौके से फरार हो गया। पीड़िता की मां की तहरीर पर पचदेवरा थाने में मुकदमा दर्ज किया गया था। पुलिस ने विवेचना पूरी कर आरोप पत्र न्यायालय में चिकित्सीय आख्या, मेडिकल एवं रेडियोलॉजिकल साक्ष्य और स्कूल के एसआर रजिस्टर समेत अन्य साक्ष्य पेश किए। विशेष लोक अभियोजक एडीजीसी अमित शुक्ला ने प्रभावी पैरवी करते हुए दोषी को कठोर सजा देने की मांग की। दोनों पक्षों की दलीलें और साक्ष्यों का परीक्षण करने के बाद अदालत ने वीरेश को दोषी करार दिया।

200 युवाओं को मिलेगा कौशल प्रशिक्षण

लेदर कटर और जरी-जरदोजी की 6 माह की ट्रेनिंग, रोजगार दिलाने का प्रयास

तमसा संकेत, एजेंसी

उन्नाव। उन्नाव में लखनऊ-कानपुर नेशनल हाईवे स्थित बंथर के पास एक चमड़ा फैक्ट्री परिसर में शुक्रवार दोपहर कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। भगवंतनगर विधायक आशुतोष शुक्ला मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं को कुशल बनाकर रोजगार के अवसर प्रदान करना है। प्रशिक्षण केंद्र के निदेशक शिशिर अवस्थी ने बताया कि हिंदुस्तान लेटेक्स फैमिली प्लानिंग प्रमोशन ट्रस्ट (एचएलएफपीपीटी) द्वारा प्रदेश में कई प्रशिक्षण केंद्र चलाए जा रहे हैं। उन्नाव में लेदर कटर और जरी-जरदोजी सहित दो ट्रेडों में प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इन दोनों ट्रेडों में कुल 200 युवाओं का नामांकन हुआ है और प्रशिक्षण की अवधि छह माह निर्धारित की गई

है। अवस्थी ने जानकारी दी कि इस प्रशिक्षण के लिए 18 से 35 वर्ष आयु वर्ग के बेरोजगार युवाओं को शामिल किया गया है, जिनकी न्यूनतम शैक्षिक योग्यता आठवीं पास है। प्रशिक्षण पूर्ण होने के उपरांत, युवाओं को कानपुर और उन्नाव की विभिन्न फैक्ट्रियों में रोजगार दिलाने का प्रयास किया जाएगा। प्रशिक्षित युवाओं को न्यूनतम वेतन पर रोजगार उपलब्ध कराया जाएगा, जिससे वे अपने परिवार की आजीविका में योगदान कर सकें। शिशिर अवस्थी ने यह भी बताया कि जिला परियोजना प्रबंधन इकाई (डीपीएमयू) और जिलाधिकारी द्वारा वर्तमान में 200 युवाओं के प्रशिक्षण का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। यह लक्ष्य पूरा होने के बाद भविष्य में नए बैच और अतिरिक्त प्रशिक्षण लक्ष्य मिलने की संभावना है। उन्होंने प्रशिक्षण केंद्र के संचालन हेतु परिसर उपलब्ध कराने के लिए स्वास्तिक इंटरनेशनल का आभार व्यक्त किया। प्रशिक्षणार्थी नैन्सी यादव, जो बंथर की निवासी हैं, ने बताया कि वह कौशल विकास योजना के तहत प्रशिक्षण ले रही हैं। उन्हें यहां सिलाई, कंप्यूटर और कढ़ाई का प्रशिक्षण मिल रहा है। उन्होंने यह भी बताया कि प्रशिक्षण लगभग एक माह से चल रहा है, जबकि इसका औपचारिक उद्घाटन कार्यक्रम शुक्रवार को आयोजित किया गया। एक अन्य प्रशिक्षणार्थी स्नेहा ने बताया कि अपैरल कोर्स के तहत उन्हें कढ़ाई, बुनाई और सिलाई सिखाई जा रही है। उन्होंने अपनी इच्छा व्यक्त करते हुए कहा कि प्रशिक्षण के बाद वह आत्मनिर्भर बनना चाहती हैं और सिलाई के माध्यम से अपना खर्च स्वयं वहन करने की उम्मीद करती हैं।

फेरबदल हरदोई के एएसपी पश्चिमी को पदोन्नति, श्लोक गौतम संभालेंगे दायित्व

मार्तण्ड प्रकाश सिंह बलरामपुर के एसपी बने

तमसा संकेत, एजेंसी

हरदोई। जिले की पुलिस व्यवस्था में शुक्रवार, 21 अगस्त को बड़ा प्रशासनिक फेरबदल किया गया। शासन की ओर से जारी तबादला आदेश के तहत हरदोई के अपर पुलिस अधीक्षक पश्चिमी मार्तण्ड प्रकाश सिंह को बलरामपुर का पुलिस अधीक्षक नियुक्त किया गया है। वहीं, श्लोक गौतम को हरदोई में सहायक पुलिस अधीक्षक के पद पर तैनाती दी गई है। मार्तण्ड प्रकाश सिंह को करीब दो महीने पहले अपर पुलिस अधीक्षक पद से भारतीय पुलिस सेवा (IPS) में पदोन्नति मिली थी। इसके बाद उन्हें पहली बार जिले की पुलिस कप्तानी की जिम्मेदारी सौंपी गई है। बलरामपुर में एसपी के रूप में उनकी नई तैनाती को पदोन्नति के बाद उनकी पहली

बड़ी जिम्मेदारी माना जा रहा है। मार्तण्ड प्रकाश सिंह दिसंबर 2023 में हरदोई के अपर पुलिस अधीक्षक पश्चिमी के पद पर तैनात हुए थे। करीब ढाई वर्ष तक हरदोई में रहने के दौरान उन्होंने पश्चिमी क्षेत्र की कानून-व्यवस्था और अपराध नियंत्रण की जिम्मेदारी संभाली। हरदोई में तैनाती के दौरान मार्तण्ड प्रकाश सिंह ने जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने अपराध की स्थिति की समीक्षा करने के साथ पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों को जरूरी दिशा-निर्देश दिए।

श्लोक गौतम को हरदोई में तैनाती

मार्तण्ड प्रकाश सिंह के स्थानांतरण के बाद श्लोक गौतम को हरदोई में सहायक पुलिस अधीक्षक के पद पर नियुक्त किया गया है। नई तैनाती के बाद उनके सामने जिले में कानून-व्यवस्था को मजबूत बनाए रखने और पुलिसिंग को प्रभावी बनाने की जिम्मेदारी होगी। श्लोक गौतम के कार्यभार संभालने के बाद जिले की पुलिस व्यवस्था में जिम्मेदारियों का नया समीकरण देखने को मिलेगा। अधिकारियों के स्थानांतरण के बाद पुलिस विभाग में नई टीम के साथ अपराध नियंत्रण और कानून-व्यवस्था से जुड़ी रणनीति को आगे बढ़ाया जाएगा।

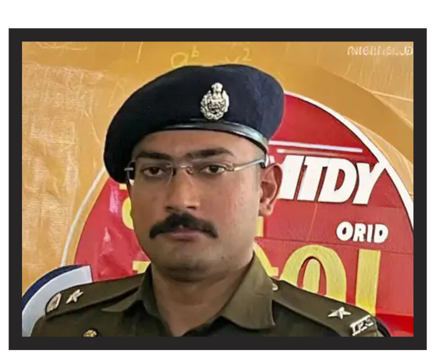

शासन के आदेश के बाद बदली जिम्मेदारियां

शासन की ओर से जारी तबादला आदेश के बाद दोनों पुलिस अधिकारियों की जिम्मेदारियां बदल गई हैं। एक ओर जहां पदोन्नति के बाद मार्तण्ड प्रकाश सिंह को जिले की पुलिस कप्तानी का अवसर मिला है, वहीं श्लोक गौतम को हरदोई में सहायक पुलिस अधीक्षक की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

शुक्लागंज में गंगा पुल निर्माण की रफ्तार धीमी

2 माह से काम बंद, अतिक्रमण हटने के बाद भी नहीं शुरू हुआ निर्माण

तमसा संकेत, एजेंसी

उन्नाव। उन्नाव के शुक्लागंज में गंगा नदी पर प्रस्तावित नए पुल का निर्माण कार्य पिछले दो माह से गति नहीं पकड़ सका है। जून में गंगा का जलस्तर बढ़ने के बाद कानपुर छोर से काम रोक दिया गया था, जिसके बाद सेतु निगम ने शुक्लागंज छोर से काम शुरू करने का दावा किया था। शुक्लागंज छोर पर मिश्रा कॉलोनी में पुल निर्माण के रास्ते में आ रहे करीब 40 मकानों को अतिक्रमण की जद में चिह्नित कर मुआवजा वितरित किया गया था। इन मकानों को पोकलैंड मशीनों से ध्वस्त भी कराया गया। अतिक्रमण हटने के बाद उम्मीद थी कि निर्माण कार्य में तेजी आएगी, लेकिन लगभग दो माह बाद

भी मौके पर काम शुरू नहीं हो सका है। फिलहाल, निर्माण स्थल पर केवल मलबा हटाने का काम चल रहा है। नए गंगा पुल के लिए शुक्लागंज छोर पर चिन्हित 40 मकानों के स्वामियों को चेक के माध्यम से मुआवजा दिया गया था। इसके बाद दो सप्ताह से अधिक समय तक अतिक्रमण हटाने का अभियान चलाकर पोकलैंड मशीनों से मकानों को ध्वस्त कर रास्ता खाली कराया गया। स्थानीय लोगों का कहना है कि अतिक्रमण हटाए जाने के बाद काफी समय बीत चुका है, जगह-जगह मलबा और भवनों के अवशेष पड़े होने से भी निर्माण कार्य शुरू होने में देरी हो रही है। लोगों ने उम्मीद जताई थी कि जिस तेजी से अतिक्रमण हटाया गया था, उसी तरह निर्माण कार्य भी शुरू होगा। इससे पहले, जून में गंगा का जलस्तर बढ़ने के कारण कानपुर छोर से चल रहा नए पुल का निर्माण कार्य रोकना पड़ा था। नदी का पानी बढ़ने से निर्माण कार्य में लगी मशीनों और कर्मचारियों की सुरक्षा को देखते हुए यह कदम उठाया गया था।

सम्पादकीय

सुप्रीम कोर्ट की जांच समिति

नीट-यूजी प्रश्न पत्र लीक होने के मामले में शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के त्यागपत्र की मांग को लेकर काकरोच जनता पार्टी के संसद मार्च के दौरान हुई हिंसा की जांच के लिए सुप्रीम कोर्ट की ओर से जो पांच सदस्यीय समिति गठित की गई, उसके बारे में यह स्पष्ट नहीं कि वह अपनी रिपोर्ट कब देगी। अच्छा होता कि इस समिति के लिए कोई समयसीमा तय की जाती। निःसंदेह इस मामले में किसी निष्पक्ष जांच समिति की आवश्यकता थी। इस आवश्यकता की ही पूर्ति सुप्रीम कोर्ट ने की। अब अच्छा यह होगा कि सुप्रीम कोर्ट एवं हाई कोर्ट के पूर्व न्यायाधीशों और सेवानिवृत्त पुलिस अधिकारियों से लैस यह समिति अपनी रिपोर्ट यथाशीघ्र दे, ताकि उन कारणों को लेकर आरोप-प्रत्यारोप का सिलसिला समाप्त हो सके, जिनके चलते संसद मार्च में हिंसा हुई।

इन प्रश्नों के स्पष्ट उत्तर सामने आना आवश्यक है कि क्या सीजेपी समर्थकों की भीड़ में हिंसा पर आमादा तत्व भी शामिल थे या फिर पुलिस ने अकारण आवश्यकता से अधिक बल प्रयोग किया? इन सवालों के जवाब तलाशते हुए सुप्रीम कोर्ट समिति यह भी स्पष्ट करे तो बेहतर कि क्या पुलिस को बिना अनुमति निकाले जा रहे सीजेपी के संसद मार्च को संसद परिसर जाने देना चाहिए था-और वह भी तब संसद का सत्र चल रहा था? यदि कहीं कोई भीड़ संसद या विधानसभा की ओर कूच कर रही हो तो पुलिस की यह जिम्मेदारी बनती है कि वह उसे रोके। हाल में झारखंड में यही किया गया। किसी भीड़ को संसद या विधानसभा की ओर जाने से रोकने के लिए पुलिस कितना बल प्रयोग करे, इसे किसी समिति के लिए तय कर पाना कठिन है, भले ही वह कितनी भी उच्चाधिकार प्राप्त हो। यह तो मौके पर मौजूद पुलिस ही भीड़ के रुख-रवैये के आधार पर तय कर सकती है। ऐसे में उचित यही होगा कि यह समिति धरना-प्रदर्शन का प्रोटोकाल तय करे, जिसकी आवश्यकता का उल्लेख सुप्रीम कोर्ट ने किया था। इसकी अनदेखी न की जाए कि सुप्रीम कोर्ट समिति केवल सीजेपी और विपक्षी दलों के आरोपों की ही जांच नहीं करेगी। वह पुलिस पर हमला करने और सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने के आरोपों की भी जांच करेगी। ऐसा किया जाना इसलिए आवश्यक है, क्योंकि सीजेपी के साथ विपक्षी दलों ने एक ऐसा माहौल बनाया, मानो भीड़ ने कुछ नहीं किया, वह बिल्कुल शांत एवं संयमित थी और फिर भी पुलिस ने उस पर आंसू गैस के गोले दागे, लाठियां चलाईं और पैलेट गन का इस्तेमाल किया। ऐसा नहीं था, यह इससे सिद्ध होता है कि संसद मार्च के दौरान जहां पुलिस के बल प्रयोग से कई प्रदर्शनकारी चोटिल हुए, वहीं अनेक पुलिसकर्मी भी घायल हुए, क्योंकि भीड़ ने बैरिकेडिंग तोड़कर उन पर पथराव किया था।

कश्मीर पर अमेरिकी सुर बदले भारत का कद बढ़ा, पाक बेचैन

पाकिस्तान की समस्या यह है कि वह कश्मीर को अंतरराष्ट्रीय मंचों पर अपनी विदेश नीति का केंद्रीय विषय बनाए रखना चाहता है, जबकि विश्व राजनीति की प्राथमिकताएं तेजी से बदल रही हैं।

अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर का 19 अगस्त 2026 को श्रीनगर में दिया गया यह बयान कि जम्मू-कश्मीर "भारत का एक महत्वपूर्ण हिस्सा" है, सामान्य कूटनीतिक टिप्पणी मानकर नजरअंदाज करने योग्य नहीं है। यह ऐसे समय आया है जब कश्मीर को लेकर भारत और पाकिस्तान की धारणाओं के बीच अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लगातार नए समीकरण बन रहे हैं। गोर ने जम्मू-कश्मीर की निरन्तर सुधर रही सुरक्षा स्थिति की बात कही और अमेरिकी यात्रा संबंधी परामर्श पर पुनर्विचार के संकेत भी दिए। पाकिस्तान ने इस बयान पर अमेरिका के शीर्ष राजनयिक को तलब कर तीखा विरोध दर्ज कराया। इस पूरे घटनाक्रम को केवल कश्मीर के संदर्भ में देखना पर्याप्त नहीं होगा। इसे भारत-अमेरिका संबंधों में आ रहे व्यापक परिवर्तन, दक्षिण एशिया की बदलती सामरिक संरचना और पाकिस्तान की घटती कूटनीतिक प्रभावशीलता के संदर्भ में समझना अधिक उचित होगा। अमेरिका की कश्मीर नीति में लंबे समय से एक प्रकार की सावधानी रही है। वाशिंगटन सामान्यतः भारत और पाकिस्तान के बीच संवाद तथा शांतिपूर्ण समाधान की बात करता रहा है। अमेरिकी विदेश विभाग की पूर्व घोषित नीति भी जम्मू-कश्मीर में सामान्य स्थिति और राजनीतिक-आर्थिक स्थिरता की वापसी का समर्थन करती रही है। इसलिए गोर का श्रीनगर में जाकर जम्मू-कश्मीर को भारत का "महत्वपूर्ण हिस्सा" कहना निश्चित रूप से भाषा के स्तर पर एक उल्लेखनीय परिवर्तन है। लेकिन इसे अमेरिका की पूरी कश्मीर नीति में तत्काल और औपचारिक परिवर्तन मानना भी जल्दबाजी होगी। किसी राजदूत का बयान और किसी सरकार की औपचारिक नीति में अंतर होता है। फिर भी कूटनीति में शब्दों का अपना महत्व होता है। विशेष रूप से तब, जब वही शब्द उस भूभाग में बोले जाएं जिसे पाकिस्तान दशकों से अंतरराष्ट्रीय विवाद के रूप में प्रस्तुत करता रहा है। इस दृष्टि से गोर का बयान भारत के लिए मनोवैज्ञानिक और कूटनीतिक दोनों स्तरों पर महत्वपूर्ण है। इस बयान का दूसरा महत्वपूर्ण पक्ष जम्मू-कश्मीर की बदलती जमीन से जुड़ा है। गोर ने सुरक्षा व्यवस्था में सुधार का उल्लेख करते हुए यात्रा संबंधी अमेरिकी परामर्श में कमी लाने की संभावना जताई है। इसका अर्थ यह है कि वाशिंगटन अब कश्मीर को केवल सुरक्षा संकट या आतंकवाद की दृष्टि से देखने के बजाय पर्यटन, आर्थिक गतिविधियों और सामान्य जनजीवन की संभावनाओं वाले क्षेत्र के रूप में भी देख रहा है। यहीं से भारत-अमेरिका संबंधों की नई रोशनी दिखाई देती है। दोनों देशों के संबंध अब केवल व्यापार या रक्षा तक सीमित नहीं हैं। हिंद-प्रशांत क्षेत्र में चीन के बढ़ते प्रभाव, समुद्री सुरक्षा, प्रौद्योगिकी, ऊर्जा, आपूर्ति-श्रृंखला और वैश्विक शक्ति-संतुलन जैसे विषयों ने भारत को अमेरिका के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण बना दिया है। हालांकि दोनों देशों के बीच व्यापार और शुल्क जैसे मुद्दों पर मतभेद भी मौजूद हैं, फिर भी व्यापक सामरिक साझेदारी अपनी उपयोगिता बनाए हुए है। हाल में अमेरिकी विदेश मंत्री की भारत यात्रा का उद्देश्य भी तनावों के बीच संबंधों को सुदृढ़ करना और व्यापार तथा ऊर्जा सहयोग को आगे बढ़ाना था।

इसलिए कश्मीर पर अमेरिकी भाषा को भारत-अमेरिका संबंधों के व्यापक पुनर्संतुलन का हिस्सा मानना अधिक तार्किक होगा। अमेरिका के लिए भारत अब केवल दक्षिण एशिया का एक बड़ा देश नहीं, बल्कि एशिया में शक्ति-संतुलन का प्रमुख आधार है। भारत के लिए भी अमेरिका महत्वपूर्ण है, लेकिन भारत ने अपनी विदेश नीति को किसी एक शक्ति के साथ पूर्ण निर्भरता के बजाय रणनीतिक स्वायत्तता पर आधारित रखा है। यही कारण है कि भारत अमेरिका के साथ साझेदारी बढ़ाते हुए रूस, यूरोप, पश्चिम एशिया और अन्य शक्तियों के साथ भी अपने संबंध बनाए रखता है। कश्मीर के संदर्भ में यह घटनाक्रम पाकिस्तान के लिए निश्चित रूप से असहज करने वाला है। इस्लामाबाद ने गोर के बयान को अस्वीकार करते हुए कहा कि जम्मू-कश्मीर एक विवादित क्षेत्र है और उसका अंतिम निर्धारण होना बाकी है। पाकिस्तान ने इसे अमेरिका की पूर्व स्थिति से विचलन बताते हुए औपचारिक विरोध दर्ज कराया।

आतंकवाद, आर्थिक स्थिरता, चीन का बढ़ता प्रभाव, पश्चिम एशिया का संकट, समुद्री सुरक्षा और वैश्विक आपूर्ति-श्रृंखलाएं आज बड़ी शक्तियों की चिंता के केंद्र में हैं। ऐसे वातावरण में केवल कश्मीर के प्रश्न को बार-बार अंतरराष्ट्रीयकरण करने की पाकिस्तानी कोशिशों की प्रभावशीलता सीमित होती जा रही है। भारत ने दूसरी ओर लगातार यह रेखांकित किया है कि जम्मू-कश्मीर से जुड़े विषय भारत की संप्रभुता और द्विपक्षीय संबंधों के दायरे में आते हैं। गोर का श्रीनगर दौरा स्वयं इस दृष्टि से महत्वपूर्ण है कि एक प्रमुख अमेरिकी राजनयिक ने जम्मू-कश्मीर की यात्रा की, वहां के निर्वाचित नेतृत्व से मुलाकात की और क्षेत्र की सुरक्षा तथा आर्थिक संभावनाओं पर सकारात्मक टिप्पणी की। यह पाकिस्तान की उस कोशिश के विपरीत है जिसमें वह कश्मीर को केवल विवाद और अस्थिरता के चश्मे से प्रस्तुत करना चाहता है। फिर भी भारत को इस बयान से अत्यधिक उत्साहित होकर यह मान लेने से बचना चाहिए कि अमेरिका ने कश्मीर पर अपनी संपूर्ण नीति बदल दी है। अमेरिका की विदेश नीति परिस्थितियों के अनुसार बदलती रहती है और वह भारत तथा पाकिस्तान दोनों के साथ अपने हितों को संतुलित करने की कोशिश करता है। आज भी वाशिंगटन के लिए पाकिस्तान आतंकवाद-रोध, क्षेत्रीय सुरक्षा और अफगानिस्तान सहित कुछ विषयों में उपयोगी साझेदार है। अतः भारत के लिए इस बयान का वास्तविक महत्व किसी औपचारिक अमेरिकी नीति-परिवर्तन से अधिक उस कूटनीतिक वातावरण में है, जिसमें भारत की स्थिति को पहले की तुलना में अधिक गंभीरता से लिया जा रहा है। यहां एक और महत्वपूर्ण बात है। कूटनीति में किसी देश का महत्व केवल इस बात से तय नहीं होता कि कितने देश उसके पक्ष में बयान दे रहे हैं, बल्कि इससे तय होता है कि वैश्विक शक्तियों के हित उसके साथ कितने गहरे जुड़े हैं। आज भारत की आर्थिक क्षमता, विशाल बाजार, तकनीकी सामर्थ्य, लोकतांत्रिक संस्थाएं, युवा शक्ति और सामरिक स्थिति उसे विश्व व्यवस्था का महत्वपूर्ण स्तंभ बनाती हैं। इसी बदलती वास्तविकता का प्रभाव कश्मीर पर भी दिखाई देना स्वाभाविक है। गोर का बयान इसलिए भारत के लिए एक उपलब्धि से अधिक एक संकेत है-संकेत इस बात का कि जम्मू-कश्मीर को लेकर अंतरराष्ट्रीय विमर्श धीरे-धीरे बदल रहा है। पाकिस्तान के लिए यह चेतावनी है कि केवल पुराने नारों और कूटनीतिक दबाव से वह कश्मीर को विश्व राजनीति के केंद्र में नहीं रख सकता और अमेरिका के लिए यह उसके बदलते हितों के अनुरूप संतुलन साधने की कोशिश है।

ललित गर्ग

एक छोटा सा प्रयत्न

आज के समय में कठिन परिस्थिति अगर किसी की आ गयी तो समझो की परिस्थिति को और कठिन , दुःखदायीं , जटिल , दर्दभरी आदि करने वालों की फ़ौज घर व बाहर खड़ी मिलेगी और मज़ेदार बात यह है की ऐसा करके उनको निरन्तर रस और आनन्द मिलता हैं ।जिससे सामने वाला आदमीं हताश हों जाता हैं ।ऐसे में उसकी मानसिक प्रतिक्रिया हताशा कीं ही होती हैं ।इस हताशा का भी उपहास उडाने में असीम ख़ुशी होती है ।कितनी विचित्र स्थिति हैं वर्तमान की ।हमें जैसे हमारा शरीर बहुत - बहुत प्यारा हैं ऐसे ही सभी आत्मा को भी अपना जीवन प्यारा हैं ।दूसरों से ईर्ष्या करने वाले को किसी की भी कठिन परिस्थिति में व कैसी ही परिस्थिति में कभी भी मन की शांति नहीं मिलती हैं ।हम जीवमात्र के प्रति सदैव आत्मीयता रखें, हम किसी के प्रति अशोभनीय शब्दों का प्रयोग न करें, किसी को हमारी वजह से तकलीफ न पहुंचे या हमारे बोलने से हमें कर्म नहीं बन्धें यह सोचे क्यूँकि यह कठोर वाणी जब किसी की कठिन परिस्थिति हों तो उसको अग्निदाह से भी अधिक तीव्र दुःख पहुंचाती है इसीलिए बोलने से पहले एक बार हम विचार अवश्य करें की हमको दुःख आया तो , हम सभी के प्रति दयावान,आत्मीयता भाव रखें क्योंकि जिससे हम मिलते हैं वह अपनी (जीवन की) एक कठिन लड़ाई लड़ रहा है ।अतःइस जीवन का प्रथम लक्ष्य है की दूसरों की जब तक जहाँ तक हों सहायता करना, किसी के सत्य के साथ हमदर्दी बनना, जैसे में हूँ ना, ऐसा कहने मात्र से वो सभी तकलीफ भूलकर आपके प्रति भावविभोर हो जायेगा और यदि हम दूसरों की सहायता नहीं कर सकते तो कम से कम उन्हें आहत तो न करें या उसके दुःख , ज़ख़्म को और गहरा तो नहीं करे ।चक्र काल का चलता अनवरत हैं ।पल पल क्षीण होता है जीवन !निश्चित है समय की अपनी रफ़्तार !पर नहीं भरोसा कब जीवन जाएं हार ? कठिन परिस्थिति में हताशा वाले मानव सम्भाल अपने आपको मत बहा मानव तूँ समय चक्र के फेर में इन अपने आँसूओं को, कौन पोंछेगा इन्हे अब? मर चुकी सबकी करूणा कभी की तेरा दुःख व सत्य देखकर शून्य बन संवेदना से बिना सांस के प्राण पर कठिन परिस्थिति में हताशा वाले मानव सम्भाल अपने आपको ।

> प्रदीप छाजेड़

राजनीतिक नजरिए...

अशोक भाटिया

सियासी चौराहे पर अखिलेश का पीडीए प्रयोग

उत्तर प्रदेश की राजनीति हमेशा से नए नारों, अनूठे सामाजिक गठबंधनों और चौंकाने वाले वैचारिक मोड़ों के लिए जानी जाती रही है। इसी सिलसिले को आगे बढ़ाते हुए समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव ने एक बार फिर अपने चर्चित राजनीतिक सूत्र 'PDA' की एक नई और भावनात्मक व्याख्या पेश की है। अगस्त 2026 के इस सियासी माहौल में, जब सभी दल भविष्य की रणनीतियों को धार देने में जुटे हैं, अखिलेश यादव ने सोशल मीडिया के माध्यम से घोषणा की कि PDA का असली और मूल भावनात्मक सिद्धांत दरअसल ₹प्रेम, दया और अपनापन₹ है। भारतीय जनता पार्टी पर निशाना साधते हुए उन्होंने तर्क दिया कि सत्ताधारी दल में पिछड़ों, दलितों और अल्पसंख्यकों को स्थान तो मिल सकता है, लेकिन सच्चा सम्मान नहीं मिल सकता, क्योंकि वहाँ इस भावनात्मक जुड़ाव की कमी है।

यह पहली बार नहीं है जब अखिलेश यादव ने अपने इस प्रिय नारे की री-ब्रांडिंग की है। अभी कुछ ही दिनों पहले, समाजवादी विचारक जनेश्वर मिश्र की जयंती के अवसर पर उन्होंने राजनीति के पंडितों को चौंकाते हुए कहा था कि PDA में 'PD' का एक अर्थ

'पंडित' भी है। उस समय उन्होंने 'P' से पीड़ित और पंडित, 'D' से दलित और 'A' से आधी आबादी (महिलाएं) तथा 'अच्छे अगड़े' को जोड़कर एक नया 'पंडित फॉर्मूला' या 'ब्राह्मण कार्ड' खेलने का प्रयास किया था। राजनीति के एक बेहद सधे हुए और आक्रामक नारे को अचानक इस तरह के भावनात्मक और सर्ववर्ण-समावेशी आवरण में लपेटने की यह कोशिश सहज नहीं दिखती। यह बदलाव उत्तर प्रदेश की राजनीति में समाजवादी पार्टी के भीतर चल रहे गहरे वैचारिक मंथन और साथ ही एक बड़ी रणनीतिक बेचैनी को भी रेखांकित करता है।

इस पूरे घटनाक्रम को समझने के लिए हमें उस मूल राजनीतिक संदर्भ को याद करना होगा जहाँ से PDA का जन्म हुआ था। साल 2024 के लोकसभा चुनावों के दौरान अखिलेश यादव ने 'पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक' के तौर पर PDA का नारा उछाला था। यह नारा विशुद्ध रूप से जातिगत और धार्मिक पहचान पर आधारित एक ठोस सामाजिक ब्लॉक बनाने की कोशिश थी। इसने सपा के पारंपरिक यादव-मुस्लिम (Y-M) समीकरण का दायरा बढ़ाकर गैर-यादव पिछड़ी जातियों को एक मंच पर लाने का काम किया था। लेकिन राजनीति कभी एक जगह ठहरती नहीं है। 2024 की सफलता के बाद जैसे ही पार्टी आगामी राजनीतिक चुनौतियों की ओर बढ़ी, अखिलेश यादव को शायद इस बात का अहसास हुआ कि सिर्फ जातिगत ध्रुवीकरण के सहारे सत्ता तक नहीं पहुँचा जा सकता। इसके विपरीत, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की राजनीति हमेशा से जातियों के विभाजन से ऊपर उठकर 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' के मूल मंत्र पर आधारित रही है। भाजपा ने बिना किसी भेदभाव के हर जाति, वर्ग और संप्रदाय को मुख्यधारा से जोड़ा है। उज्ज्वला योजना, राशन वितरण, पीएम आवास योजना और आयुष्मान भारत जैसे लोक-कल्याणकारी कार्यक्रमों का लाभ बिना किसी जातिगत चश्मे के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक पहुँचा है। यही कारण है कि अखिलेश यादव को अब अपनी केवल 'पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक' वाली संकीर्ण छवि से बाहर निकलने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है और वे भाजपा की इसी सर्वसमावेशी विकास नीति की नकल करने का प्रयास कर रहे हैं।

राजनीतिक नजरिए से देखें तो अखिलेश यादव का यह नया प्रयोग एक गंभीर वैचारिक अंतर्विरोध और राजनीतिक अवसरवाद को जन्म देता है। समाजवादी पार्टी पिछले लंबे समय से उत्तर प्रदेश से लेकर दिल्ली तक 'जाति जनगणना' और 'जिसकी जितनी संख्या भारी, उसकी उतनी हिस्सेदारी' के मुद्दे पर सबसे मुखर रही है। जाति जनगणना की मांग पूरी तरह से समाज को टुकड़ों में बांटने और सामाजिक विद्वेष फैलाने की राजनीति पर टिकी है। यह मांग मानती है कि समाज में संसाधनों और सत्ता का बंटवारा जातियों की आबादी के अनुपात में होना चाहिए, जो सीधे तौर पर समाज के एक बड़े वर्ग को अलग-थलग करने की कोशिश है।

भू-स्थानिक तकनीक से बुंदेलखंड और घाघरा क्षेत्र के विकास को मिलेगी नई दिशा

बदलती जलवायु, प्राकृतिक आपदाओं और तेजी से बदलते भू-उपयोग के दौर में किसी भी क्षेत्र के विकास के लिए प्राकृतिक संसाधनों और भौगोलिक परिस्थितियों की सटीक जानकारी अत्यंत आवश्यक हो गई है। नदियों के बदलते प्रवाह से लेकर भू-आकृतियों, जल निकासी, भूजल संभावनाओं और भूमि की संरचना तक, प्रत्येक घटक का वैज्ञानिक अध्ययन भविष्य की विकास योजनाओं को अधिक प्रभावी और टिकाऊ बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इसी दिशा में उत्तर प्रदेश सरकार का विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग आधुनिक भू-स्थानिक तकनीकों के माध्यम से प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों का वैज्ञानिक मानचित्रण और अध्ययन कर रहा है।

प्रदेश के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के अंतर्गत कार्यरत रिमोट सेंसिंग एप्लीकेशन सेंटर (आरसैक-यूपी) द्वारा घाघरा नदी की भू-आकृतिक गतिशीलता का व्यापक अध्ययन किया जा रहा है। वहीं बुंदेलखंड के झांसी, ललितपुर, बांदा, हमीरपुर, फतेहपुर और जालौन जनपदों में जियोमॉर्फोलॉजी एवं लिनियामेंट मैपिंग का कार्य प्राकृतिक संसाधनों के वैज्ञानिक प्रबंधन और भविष्य की विकास योजनाओं के लिए महत्वपूर्ण आधार तैयार कर रहा है। इन दोनों परियोजनाओं में उपग्रह आंकड़ों, भू-स्थानिक सूचना प्रणाली, क्षेत्रीय सर्वेक्षण तथा आधुनिक कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित तकनीकों का उपयोग किया जा रहा है।

घाघरा उत्तर प्रदेश की महत्वपूर्ण नदियों में से एक है, जिसका प्रवाह और स्वरूप समय के साथ निरंतर बदलता रहा है। नदी के बहाव मार्ग में परिवर्तन, तटों का कटाव, जल निकासी तथा बाढ़ की स्थिति आसपास के क्षेत्रों के जनजीवन और कृषि भूमि को प्रभावित कर सकती है। ऐसे में नदी के वर्तमान व्यवहार के साथ उसके संभावित भविष्य के स्वरूप को समझना प्रभावी नदी प्रबंधन और आपदा न्यूनीकरण के लिए आवश्यक है।

इसी उद्देश्य से आरसैक-यूपी द्वारा बहराइच से बलिया तक फैले घाघरा नदी उप-बेसिन की विस्तृत वैज्ञानिक समीक्षा की जा रही है। परियोजना के अंतर्गत ड्रेनेज, जियोमॉर्फोलॉजी, ढाल, वर्षाजल अपवाह, पैलियो ड्रेनेज और भूमि उपयोग जैसे विभिन्न भू-स्थानिक आंकड़ों का एकीकृत अध्ययन किया गया है। इससे नदी और उसके आसपास के भू-भाग के बीच संबंधों को अधिक स्पष्टता से समझने में सहायता मिल रही है। अध्ययन में आंकड़ों की गुणवत्ता को सुनिश्चित करने के लिए वेक्टर डेटा को रास्टर प्रारूप में परिवर्तित कर उसका गुणवत्ता परीक्षण एवं पुनः एकीकरण किया गया। इसके साथ ही वर्ष 2025 में प्री-मानसून और पोस्ट-मानसून अवधि के दौरान क्षेत्रीय सर्वेक्षण किए गए, ताकि उपग्रह से प्राप्त जानकारी का जमीनी स्तर पर सत्यापन किया जा सके। घाघरा नदी के बदलते स्वरूप को समझने के लिए केवल वर्तमान स्थिति का अध्ययन पर्याप्त नहीं था। इसलिए परियोजना में वर्ष 1975 के सर्वे ऑफ इंडिया टोपोग्राफिकल शीट के साथ विभिन्न वर्षों के प्री-मानसून एवं पोस्ट-मानसून उपग्रह चित्रों का उपयोग भी किया गया। इन आंकड़ों के तुलनात्मक अध्ययन से नदी के चौनल में समय के साथ हुए बदलावों की पहचान की गई। अध्ययन को अधिक व्यवस्थित और वैज्ञानिक बनाने के लिए नदी क्षेत्र को छह उप-सेक्टरों में विभाजित किया गया। प्रत्येक उप-सेक्टर में नदी के बहाव, भू-आकृतिक परिवर्तन और संबंधित परिस्थितियों का अलग-अलग विश्लेषण किया गया। इस प्रकार तैयार किया गया वैज्ञानिक डेटाबेस भविष्य में नदी के व्यवहार को समझने के साथ-साथ संवेदनशील क्षेत्रों की पहचान में भी उपयोगी साबित हो सकता है।

जरा हटके

वित्तीय वर्ष 2022...

डॉ0 सीमा गुप्ता

प्रधानमंत्री आवास योजना से प्रतापगढ़ के राजपति का बदला जीवन,जर्जर थी झोपड़ी-बना पक्का आवास

केंद्र सरकार और प्रदेश सरकार के समन्वित प्रयासों से संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन समाज के अंतिम पायदान पर खड़े परिवारों के जीवन में युगांतरकारी परिवर्तन का आधार बन रहा है। प्रदेश सरकार द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के माध्यम से निर्धन, वंचित एवं आवासविहीन परिवारों को पक्की छत उपलब्ध कराकर न केवल उनके जीवन स्तर को सुदृढ़ किया जा रहा है, बल्कि सामाजिक सुरक्षा, नागरिक गरिमा और महिला सशक्तीकरण के नए मानक भी स्थापित हो रहे हैं। यह योजना मात्र ईंट-गारे के मकानों के निर्माण तक सीमित न रहकर ऐसे वंचित परिवारों के समग्र मानवीय विकास और ग्रामीण पुनरुद्धार का एक सशक्त माध्यम बन चुकी है।

जनपद प्रतापगढ़ में इस योजना का प्रभाव अत्यंत व्यापक और प्रेरणादायक रूप में परिलक्षित हो रहा है। जिले के विकास खंड कुंडा अंतर्गत ग्राम पंचायत रामापुर की निवासी राजपति का जीवन इस सकारात्मक बदलाव का जीवंत उदाहरण है। वर्षों तक पांच सदस्यों के अपने परिवार के साथ एक जर्जर कच्ची झोपड़ी में जीवन यापन करने को विवश राजपति के लिए हर मौसम एक कष्ट का अनुभव ही देता था। कभी भयंकर सर्दी तो कभी भयंकर गर्मी उनके परिवार के लिए संकट का कारण बनती थीं। बरसात में टपकती छत ने उनके जीवन को संघर्षपूर्ण बना दिया था। अत्यंत सीमित आर्थिक संसाधनों के कारण स्वयं के बूते पक्का मकान निर्मित करना उनके लिए सर्वथा असंभव था।

वित्तीय वर्ष 2022-23 में जिला प्रशासन द्वारा निर्धारित निष्पक्ष एवं पारदर्शी चयन प्रक्रिया के माध्यम से राजपति को प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) का पात्र लाभार्थी चयनित किया गया। निर्धारित मानकों के अनुरूप 1,20,000 रुपये की वित्तीय सहायता तीन किस्तों में सीधे उनके बैंक खाते में अंतरित की गई। इस

प्रत्यक्ष आर्थिक सहयोग और परिवार के समर्पित श्रम के समन्वय से उन्होंने एक सुदृढ़, सुरक्षित और आपदा-रोधी पक्के आवास का निर्माण पूर्ण किया। वर्षों के अभाव और असुरक्षा के उपरांत आज उनका परिवार अपने पक्के घर में पूर्ण आत्मसम्मान, स्थायित्व और मानसिक शांति के साथ जीवन व्यतीत कर रहा है। प्रतापगढ़ के ग्रामीण अंचलों में निर्मित हो रहे ये आवास बुनियादी सुविधाओं के अभिसरण का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत करते हैं। राजपति के आवास के साथ स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत व्यक्तिगत शौचालय का निर्माण कराया गया, जिसने खुले में शौच की विवशता को समाप्त कर परिवार के स्वास्थ्य मानकों में सुधार किया तथा विशेष रूप से महिलाओं की गरिमा एवं निजता सुनिश्चित की। इसके अतिरिक्त, केंद्र सरकार एवं प्रदेश सरकार की अन्य प्रमुख योजनाओं जैसे सौभाग्य योजना से विद्युत कनेक्शन, प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना से निःशुल्क गैस कनेक्शन, सार्वजनिक वितरण प्रणाली के अंतर्गत राशन कार्ड और आयुष्मान भारत योजना के तहत स्वास्थ्य सुरक्षा कवच का लाभ भी एक साथ उपलब्ध कराया गया। इन बहुआयामी जनकल्याणकारी सुविधाओं के संयोजन ने लाभार्थी परिवार की दैनिक कठिनाइयों को दूर करने के साथ-साथ उनके घरेलू व्यय के आर्थिक बोझ को भी अत्यधिक कम किया है। पक्के आवास ने परिवार को सुरक्षित सामाजिक परिवेश प्रदान किया है, जिससे बच्चों की शिक्षा, पोषण और समग्र विकास के लिए एक अनुकूल वातावरण निर्मित हुआ है। कच्ची झोपड़ी की असुरक्षा के वातावरण से निकलकर सुरक्षित पक्के घर के आवास ने परिवार में भविष्य के प्रति एक नया आत्मविश्वास और सकारात्मक दृष्टिकोण जागृत किया है। उत्तर प्रदेश में प्रधानमंत्री आवास योजना के सफल क्रियान्वयन का सबसे महत्वपूर्ण आधार तकनीक-आधारित, बहुस्तरीय और पारदर्शी प्रशासनिक व्यवस्था रही है। लाभार्थियों का चयन सामाजिक-आर्थिक एवं जाति जनगणना तथा डिजिटल सर्वेक्षण के माध्यम से पूर्णतः निष्पक्ष आधार पर सुनिश्चित किया गया, जिससे किसी भी स्तर पर अपात्रों के समावेशन की गुंजाइश समाप्त हो गई। वित्तीय पारदर्शिता और समयबद्धता बनाए रखने के लिए बिचौलियों की भूमिका को पूर्णतः समाप्त करते हुए प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) प्रणाली का कड़ाई से अनुपालन किया गया है।

निर्माण कार्य की गुणवत्ता और प्रगति की निगरानी के लिए आधुनिक डिजिटल तकनीकों का व्यापक प्रयोग किया गया है। निर्माण के विभिन्न चरणों- नींव, लिंटल स्तर और अंतिम पूर्णता की वास्तविक समय पर भू-संदर्भित फोटोग्राफी (जियो-टैगिंग) को डिजिटल प्लेटफॉर्मों के माध्यम से अनिवार्य किया गया है। इस तकनीक-संवर्धित व्यवस्था ने निर्माण प्रक्रिया को गति प्रदान करने के साथ-साथ जवाबदेही को भी सुदृढ़ किया है। जिला प्रशासन स्तर पर नियमित अनुश्रवण और समयबद्ध स्वीकृतियों ने ग्रामीण क्षेत्रों में योजना के क्रियान्वयन को अभूतपूर्व गति दी है।

योजना का एक अत्यंत महत्वपूर्ण आयाम ग्रामीण अर्थव्यवस्था में आजीविका और रोजगार के अवसरों का सृजन है। मनरेगा के तहत लाभार्थियों को आवास निर्माण हेतु निर्धारित अकुशल श्रम दिवसों का पारिश्रमिक लाभार्थियों को सीधे बैंक खाते में उपलब्ध कराया जाता है, जिससे निर्माण लागत में प्रत्यक्ष सहायता मिलती है। इसके साथ ही, स्थानीय स्तर पर राजमिस्त्रियों को तकनीकी प्रशिक्षण देकर गुणवत्तापूर्ण निर्माण सुनिश्चित किया जा रहा है, जिससे स्थानीय कुशल व अकुशल श्रमिकों को नियमित रोजगार और निर्माण सामग्री के स्थानीय व्यापार को निरंतर प्रोत्साहन मिल रहा है।

कमरा अंदर से बंद था, दरवाजा तोड़कर घुसी मध्य प्रदेश पुलिस, पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट से स्पष्ट होगी मौत की वजह

यूपी के रहने वाले इनकम टैक्स अफसर की सोते-सोते मौत

जांच

तमसा संकेत, एजेंसी

बाराबंकी। बाराबंकी निवासी वरिष्ठ आयकर अधिकारी मानवेंद्र प्रताप सिंह की मध्य प्रदेश के कटनी जिले में संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। गुरुवार रात माधव-नगर थाना क्षेत्र के बरगवां स्थित आयकर विभाग के गेस्ट हाउस में उनका शव बंद कमरे में मिला। सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने दरवाजा तोड़कर कमरे में प्रवेश किया, जहां अधिकारी बेड पर अचेत अवस्था में पड़े मिले। पुलिस की प्रारंभिक जांच में अधिकारी के शरीर पर चोट के कोई निशान नहीं मिले हैं। कमरे से कोई सुसाइड नोट भी बरामद नहीं हुआ है। फिलहाल मौत की वास्तविक वजह स्पष्ट नहीं हो सकी है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

पुलिस के मुताबिक, घटनास्थल से कोई सुसाइड नोट बरामद नहीं हुआ है। मृतक अधिकारी के शरीर पर भी चोट के निशान नहीं मिले हैं। शुरुआती तौर पर मौत का कारण साइलेंट अटैक होने की आशंका जताई जा रही है, हालांकि पुलिस ने अभी इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं की है।

मानवेंद्र प्रताप सिंह, मृतक

दरवाजा तोड़कर कमरे में दाखिल हुई पुलिस

पुलिस ने काफी प्रयास के बाद जब कमरे का दरवाजा नहीं खुलवाया तो उसे तोड़कर अंदर प्रवेश किया। कमरे के भीतर मानवेंद्र प्रताप सिंह बेड पर अचेत अवस्था में मिले। पुलिस ने उनकी जांच कराई, जिसके बाद उनकी मौत की पुष्टि हुई। घटना के बाद पुलिस ने कमरे की जांच की और आसपास मौजूद परिस्थितियों को देखा। प्रारंभिक जांच में किसी तरह के संघर्ष या मारपीट के स्पष्ट निशान सामने नहीं आए हैं।

2024-25 में कटनी में हुई थी पोस्टिंग

जानकारी के अनुसार, मानवेंद्र प्रताप सिंह की वर्ष 2024-25 में आयकर विभाग के कटनी कार्यालय में पोस्टिंग हुई थी। कटनी में कार्यभार संभालने के बाद से वह बरगवां स्थित विभागीय गेस्ट हाउस में ही रह रहे थे। मानवेंद्र प्रताप सिंह शादीशुदा थे और उनका परिवार बाराबंकी में रहता है। नौकरी के कारण वह कटनी में अकेले रह रहे थे। लंबे समय से परिवार से दूर रहकर वह विभागीय जिम्मेदारियां संभाल रहे थे।

बाराबंकी के रहने वाले थे अधिकारी

पुलिस ने मृतक की पहचान मानवेंद्र प्रताप सिंह के रूप में की है। वह मूल रूप से बाराबंकी के निलालडिया असंदा गांव के रहने वाले बताए गए हैं। वह विजेंद्र प्रताप सिंह के पुत्र थे।

सपा नेता फूट-फूटकर रोया, बोला- एसएसपी ने बूटों से मारा

मेरठ में चोटिल आंखों पर पट्टी बांधकर प्रेस कॉन्फ्रेंस की

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ/ मेरठ। मेरठ में ललिता गौतम हत्याकांड में प्रदर्शनकारियों पर थप्पड़ बरसाने वाले SSP अविनाश पांडेय पर सपा नेता ने मारपीट के आरोप लगाए हैं। सपा नेता डॉ. दिग्विजय भाटी और मोहित जाटव ने दावा किया कि SSP ने उन्हें अपने चैंबर में गालियां दीं। बुरी तरह से मारा-पीटा। अपने बूट से ताबड़तोड़ वार किए। उन्हें अंदरूनी चोटें आईं और उनकी एक आंख भी सूज गई। दिग्विजय ने शुक्रवार को सपा विधायक अतुल प्रधान के आवास पर चोटिल आंखों पर पट्टी बांधकर प्रेस कॉन्फ्रेंस की। अपने घाव दिखाकर फूट-फूटकर रोए। कहा-

हमें नहीं पता था कि SSP हमसे नफरत पालकर बैठे थे। उन्होंने हमें तब तक पीटा, जब तक हम बेहोश नहीं हो गए। इंस्पेक्टर सिविल लाइन अखिलेश गौड़ हमें होश में लाकर बार-बार बर्बरता करते रहे। उन्होंने बताया- पुलिसवालों ने मोबाइल पर गाना बजाया- 'चोली के पीछे क्या है...।' हमसे बार-बार इस गाने पर नाचने को कहा। हम खड़े भी नहीं हो पा रहे थे, फिर भी हमें नचवाया जा रहा था। सब हम लोगों पर हंस रहे थे। हम हाथ जोड़ रहे थे, लेकिन किसी को तरस नहीं आया। हालांकि, मेरठ पुलिस ने आरोपों को निराधार बताया है। कहा कि दोनों हिस्ट्रीशीटर हैं। उनको चोटें स्कूटी से गिरने की वजह से आई हैं। इस बीच, एडीजी मेरठ भानु ने सहारनपुर DIG अभिषेक सिंह को मामले की जांच सौंपी है।

इससे पहले, गुरुवार देर रात SSP अविनाश पांडेय को हटाकर पुलिस हेडक्वॉर्टर से अटैच कर दिया गया था। भारतीय किसान यूनियन (बीआर अंबेडकर) के अध्यक्ष डॉ. दिग्विजय भाटी ने बताया कि 19 अगस्त को मैं और हमारे जिलाध्यक्ष मोहित SSP अविनाश पांडेय से मिलने गए थे।

फास्ट न्यूज

बैंक के असिस्टेंट ब्रांच मैनेजर के घर में चोरी

गोरखपुर। गोरखपुर में पिता की मौत के बाद परिवार के लोग गांव गए थे। रामगढ़ताल में स्थित बंद घर का ताला तोड़कर चोर नकदी,गहने उठा ले गए। गुरुवार सुबह पड़ोसियों की सूचना पर पहुंचे बैंककर्मी ने रामगढ़ताल थाना पुलिस को सूचना दी। नकाबपोश चोर सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गए हैं। चोरों की आहट पाकर पड़ोसी का कुत्ता काफी देर तक भौंका था, लेकिन किसी ने ध्यान नहीं दिया। पुलिस कैमरे से मिली फुटेज के आधार पर चोरों की पहचान कराने में जुट गई है।

"बीजेपी को फायदा पहुंचा रहे इमरान मसूद"

सहारनपुर। समाजवादी पार्टी में शामिल होने के बाद कांग्रेस सांसद इमरान मसूद के दामाद और पूर्व राज्य मंत्री शयान मसूद ने यूपी विधानसभा चुनाव को लेकर बड़ा दावा किया है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी को हराने के लिए अखिलेश यादव के अलावा कोई दूसरा रास्ता नहीं है। उनका लक्ष्य अखिलेश यादव को मुख्यमंत्री बनाना है और इसी उद्देश्य के साथ वह सपा में आए हैं। वह इमरान मसूद साहब की विचारधारा से इत्तेफाक नहीं रखते। अखिलेश जी बीजेपी को हराएंगे, और आप (इमरान मसूद) अगर अखिलेश जी पर ही अटैक कर रहे हैं।

एसपी से लिपटकर रोई दिव्यांग महिला, अफसर ने गले लगाया

कानपुर देहात। कानपुर देहात में शुक्रवार को दो बैसाखियों के सहारे एक दिव्यांग महिला अपनी बेटी के साथ एसपी ऑफिस पहुंची। एसपी श्रद्धा पांडेय को देखते ही महिला की आंखों से आंसू छलक पड़े। एसपी ने आगे बढ़कर तुरंत उसे गले लगा लिया और संभाला। महिला किसी शिकायत को लेकर नहीं आई थी। वह एसपी का शुक्रिया अदा करने पहुंची थी।

मजदूरों से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली पलटी, 2 की मौत

25 से ज्यादा घायल, धान की रोपाई करने जा रहे थे

तमसा संकेत, एजेंसी

प्रयागराज। प्रयागराज में शुक्रवार सुबह करीब 10 बजे मजदूरों से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे में ट्रॉली में सवार दो महिलाओं की मौत हो गई, जबकि करीब 20 मजदूर घायल हुए हैं। बताया जा रहा है कि ट्रैक्टर के सामने अचानक एक बाइक आ गई। बाइक को बचाने के चक्कर में चालक ने नियंत्रण खो दिया। ट्रैक्टर डिवाइडर से टकराया और ट्रॉली समेत पलट गया। हादसे के बाद ट्रॉली में सवार मजदूरों में चीख-पुकार मच गई। करीब 30 लोग ट्रॉली के नीचे दब गए। हादसा होते ही आसपास मौजूद ग्रामीण और राहगीर मौके पर पहुंच गए। उन्होंने बचाव कार्य शुरू कर ट्रॉली के नीचे दबे लोगों को बाहर निकाला। सूचना

पर पहुंची पुलिस ने घायलों को अलग-अलग अस्पतालों में भर्ती कराया। पुलिस ने दोनों महिलाओं के शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। साथ ही हादसे की जांच शुरू कर दी है। हादसा शंकरगढ़ थाना क्षेत्र के प्रयागराज-रीवा हाईवे (NH-30) पर सुरवल साहनी के पास हुआ। पुलिस के मुताबिक, बारा के सोनरा गांव से करीब 42 मजदूर धान की रोपाई करने शंकरगढ़ थाना क्षेत्र के सुरवल गांव जा रहे थे। दोनों गांवों के बीच करीब 5 किलोमीटर की दूरी है।

एमआईईटी में बायो-एआई पर अंतरराष्ट्रीय मंथन

एकेटीयू कुलपति प्रो. जेपी पांडे बोले- बायोटेक्नोलॉजी, हेल्थकेयर और पर्यावरण संरक्षण में एआई की भूमिका अहम

151 शोध पत्रों में दिखी नई तकनीक की झलक

तमसा संकेत, संवाददाता

मेरठ। बायोटेक्नोलॉजी, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में हो रहे नवीनतम शोध एवं तकनीकी नवाचारों को साझा करने के उद्देश्य से मेरठ इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी (एमआईईटी) के जैव प्रौद्योगिकी विभाग की ओर से तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। "बायो-एआई इनोवेशंस फॉर सस्टेनेबल बायोटेक्नोलॉजी एंड एनवायरनमेंट" विषय पर आयोजित सम्मेलन में देश-विदेश से 151 शोध पत्र प्रस्तुत किए गए। सम्मेलन का शुभारंभ मुख्य अतिथि एकेटीयू के कुलपति प्रो. जेपी पांडे, विशिष्ट अतिथि प्रो. सुभाष सी. चौहान, प्रोफेसर एवं प्रमुख, कैंसर इम्यूनोलॉजी एंड माइक्रोबायोलॉजी डिवीजन, यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्सास रियो ग्रांडे वैली, अमेरिका, अकादमिक पार्टनर डॉ. सत्य प्रकाश वर्मा, आयोजन सचिव डॉ. गौरव शर्मा और एमआईईटी के चेयरमैन विष्णु शरण ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। इस दौरान शोध पत्रिका का विमोचन भी किया गया।

पहले दिन 52 शोध पत्रों पर चर्चा

सम्मेलन में देश के विभिन्न राज्यों के साथ-साथ विदेशों से प्राप्त 151 शोध पत्रों को शामिल किया गया। पहले दिन 52 शोध पत्रों का प्रस्तुतीकरण एवं विशेषज्ञों के साथ विस्तृत चर्चा हुई। शेष शोध पत्रों पर आगामी सत्रों में विचार-विमर्श किया जाएगा। मुख्य अतिथि प्रो. जेपी पांडे ने बायोटेक्नोलॉजी के साथ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के समन्वय पर आधारित सम्मेलन की सराहना करते हुए कहा कि वर्तमान समय में एआई बायोटेक्नोलॉजी, स्वास्थ्य सेवाओं और पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में महत्वपूर्ण बदलाव ला रहा है। एआई आधारित तकनीकों से जटिल शोध प्रक्रियाओं को अधिक प्रभावी और तेज बनाया जा सकता है। इसके साथ ही सतत विकास के लक्ष्यों को हासिल करने में भी एआई महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।

मल्टी-ओमिक्स तकनीक से माइक्रोबियल प्रोफाइलिंग पर जोर

तकनीकी सत्र में आईजीआईबी, दिल्ली के वैज्ञानिक-एफ डॉ. राजेश पांडे ने उन्नत मल्टी-ओमिक्स तकनीकों के माध्यम से सूक्ष्मजीवों की प्रोफाइलिंग में हो रही प्रगति पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि आधुनिक मल्टी-ओमिक्स तकनीकें सूक्ष्मजीवों के जटिल जैविक स्वरूप और उनके कार्यों को समझने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। वहीं विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय के डीएसआईआर के वैज्ञानिक-जी डॉ. अनूप सिंह ने प्रौद्योगिकी हस्तांतरण, जैव प्रौद्योगिकी अनुसंधान अनुदान और विद्यार्थियों में नवाचार को बढ़ावा देने वाली विभिन्न सरकारी योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने शोधार्थियों एवं विद्यार्थियों को उपलब्ध अवसरों और योजनाओं के माध्यम से अनुसंधान एवं नवाचार को आगे बढ़ाने की संभावनाओं पर चर्चा की।

अखिलेश के तस्वीर को चप्पलों से पीटा

सनातन रक्षा संगठन भैंस का मुखौटा लगाकर पहुंचे, बोले- सनातन का अपमान नहीं सहेगा हिन्दुस्तान

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ के हजरत-गंज में शुक्रवार दोपहर1:45 बजे सनातन रक्षा संगठन के कार्यकर्ताओं ने समाजवादी पार्टी और अखिलेश यादव के खिलाफ प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ता अखिलेश की प्रतीकात्मक तस्वीर पर चप्पल बरसाते नजर आए। कार्यकर्ता भैंस का मुखौंटा लगाकर पहुंचे। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने सनातन का अपमान नहीं सहेगा हिंदुस्तान और अखिलेश यादव मुर्दाबाद के नारे भी लगाए। प्रदर्शनकारियों का आरोप था कि अखिलेश यादव ने गोमूत्र और सनातन धर्म का अपमान किया है। उनका कहना था कि सपा नेता लगातार गोमूत्र को लेकर बयानबाजी कर रहे हैं, जबकि सरकार गोमूत्र खरीदकर सनातन परंपरा को सम्मान देने और गोवंश पालकों को आर्थिक मदद देने का काम कर रही है।

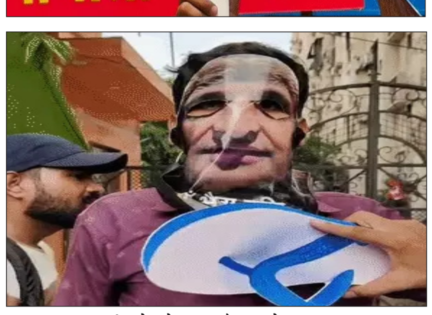

कार्यकर्ता हाथों में पोस्टर-बैनर लेकर सपा मुख्यालय की ओर बढ़ रहे थे। पुलिस ने उन्हें रोक लिया और समझाकर प्रदर्शन खत्म कराया।

'अखिलेश यादव अपना वंश भूले'

संगठन प्रमुख रज्जन पांडेय ने कहा कि अखिलेश यादव को संदेश देना चाहते हैं कि वे अहीर वंश से आते हैं। उनका मूल कर्तव्य और दायित्व गौपालन करना था। लेकिन गौपालकों के लिए चलाई जा रही योजनाओं का वे विरोध कर रहे हैं। सरकार किसानों और गौपालकों की आर्थिक स्थिति मजबूत करने का प्रयास कर रही है। गौमाता से प्राप्त गोमूत्र में औषधीय गुण होते हैं, जो वैज्ञानिक रूप से भी प्रमाणित हैं। इसके औद्योगिकीकरण के लिए सरकार योजना चला रही है, लेकिन अखिलेश यादव इसका विरोध कर रहे हैं।

'अखिलेश यादव भैंस बुद्धि'

2012 से 2017 तक अखिलेश यादव मुख्यमंत्री थे। उस समय उन्हें सनातन की याद नहीं आई। तब उनका एकमात्र काम मुसलमानों का तुष्टिकरण करना था। आज हिंदुओं के वोट अपनी तरफ खींचने के लिए मंदिर बनवा रहे हैं। अगर अखिलेश यादव भैंस बुद्धि नहीं होते तो उन्हें पता होता कि गोमूत्र में कितने औषधीय गुण होते हैं।

कई दवाओं में इसका इस्तेमाल किया जाता है। कुछ दिन पहले उन्होंने बयान दिया था कि गोबर से गंदगी फैलती है। जो गौशालाओं का विरोध करता है, हम उसका विरोध कर रहे हैं।

सरधना में 22-23 अगस्त को निःशुल्क कैंसर कैंप

300 से अधिक मरीजों का पंजीकरण

तमसा संकेत, संवाददाता

मेरठ। श्री वेद वरदान वैलनेस सेंटर, सरधना में 22 और 23 अगस्त को निःशुल्क कैंसर कैंप आयोजित किया जाएगा। कैंप में माउथ, ब्रेस्ट, लीवर, ब्रेन, ब्लड और यूटरस कैंसर समेत विभिन्न प्रकार के कैंसर एवं ट्यूमर से पीड़ित मरीजों को चिकित्सकीय परामर्श और उपचार संबंधी मार्गदर्शन दिया जाएगा।

डॉ. मानकेतु त्यागी ने बताया कि कैंप को लेकर मरीजों में उत्साह है। अब तक 300 से अधिक मरीजों का पंजीकरण हो चुका है। उत्तर प्रदेश के अलावा अन्य राज्यों से भी मरीजों के कैंप में पहुंचने की संभावना है।

उन्होंने बताया कि कैंप की विशेषता यह है कि मरीजों से

ओपीडी परामर्श शुल्क और दवाइयों के लिए कोई शुल्क नहीं लिया जाएगा। कैंप में चिकित्सकीय परामर्श के साथ आवश्यक दवाइयां भी निःशुल्क उपलब्ध कराई जाएंगी।

डॉ. त्यागी ने कहा कि कैंसर जैसी गंभीर बीमारी के खिलाफ समय पर जांच, उचित चिकित्सकीय परामर्श और जागरूकता बेहद महत्वपूर्ण है। श्री वेद वरदान वैलनेस सेंटर का उद्देश्य जरूरतमंद कैंसर मरीजों तक स्वास्थ्य सहायता पहुंचाना और उन्हें बेहतर उपचार एवं मार्गदर्शन उपलब्ध कराना है। केंद्र ने भारत को कैंसर मुक्त बनाने के संकल्प के साथ इस कैंप का आयोजन किया है।

खुलासा : लखनऊ में 2 लाख में दो शूटर तैयार किए, चोरी की बाइक से कर रहे थे रेकी, 6 गिरफ्तार

6 करोड़ की प्रॉपर्टी के लिए हत्या की साजिश

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ में मदरसा संचालक की हत्या की साजिश का पुलिस ने खुलासा किया है। हजरतगंज में 6 करोड़ रुपए की प्रॉपर्टी के विवाद में मदरसा जामिया अलनूर अल सलामिया के मैनेजर बिलाल हाशमी ने इरफान अहमद की हत्या की योजना बनाई थी। इसके लिए 2 लाख रुपए में दो शूटर तैयार किए गए थे। वारदात से पहले चोरी की बाइक से रेकी की जा रही थी। पुलिस ने मामले में 6 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से पिस्टल, 5 कारतूस और चोरी की बाइक बरामद हुई है। 18 अगस्त को हजरतगंज पुलिस ने मोहम्मद शाहिद और मोहम्मद जमीर को पैशन प्लस बाइक के साथ पकड़ा। तलाशी में उनके पास

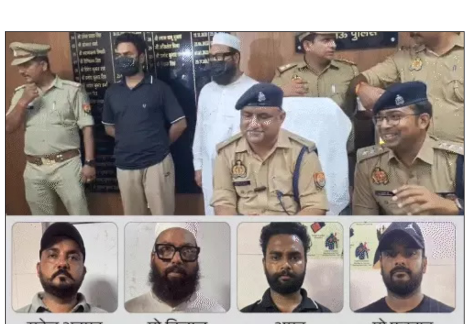
सुहेल अदमद सिद्दीकी | मो बिलाल हाशमी | अमन कुरैशी | मो फरहान सिद्दीकी

से पिस्टल और 5 कारतूस मिले। पूछताछ में दोनों ने बताया कि उन्हें एक व्यक्ति की हत्या के लिए 2 लाख रुपए मिलने थे। उन्हें पिस्टल भी दी गई थी और फोटो दिखाकर लक्ष्य की पहचान कराई गई थी। शाहिद और जमीर से मिली जानकारी के आधार पर पुलिस ने अमन कुरैशी की तलाश शुरू की। पांच टीमों ने सर्विलांस की मदद से 21 अगस्त की रात करीब 2:15 बजे उसे लक्ष्मण मेला पार्क से गिरफ्तार किया। पूछताछ में अमन ने बताया कि चौक निवासी अधिवक्ता सोहैल अहमद सिद्दीकी और फरहान सिद्दीकी ने उससे इरफान की हत्या के लिए युवकों की व्यवस्था करने को कहा था। दोनों ने उसे इरफान की फोटो भी दी थी। साथ ही पहचान छिपाने के लिए अलग मोबाइल और सिम इस्तेमाल करने को कहा गया था। पुलिस के मुताबिक, इस काम की तैयारी करीब एक महीने से चल रही थी। पुलिस के मुताबिक, बिलाल हाशमी मकबूल नगर, फरीदीपुर स्थित मदरसा जामिया अलनूर अल सलामिया का मैनेजर है। वह प्रॉपर्टी डीलिंग का काम भी करता है और मदरसे से जुड़े दस्तावेज उसके पास रहते हैं। जांच में सामने आया कि इरफान की संपत्तियों की जानकारी बिलाल के पास थी। पुलिस का

18 अगस्त को हजरतगंज पुलिस ने मोहम्मद शाहिद और मोहम्मद जमीर को पैशन प्लस बाइक के साथ पकड़ा।

दावा है कि इसी वजह से संपत्ति पर कब्जे के लिए उसे निशाना बनाया गया। 21 अगस्त को पुलिस ने बिलाल हाशमी, सोहैल अहमद सिद्दीकी और फरहान सिद्दीकी को बैकुंठधाम बंधा रोड के नीचे मंदिर के पास से गिरफ्तार किया। शाहिद, जमीर और अमन की गिरफ्तारी के साथ मामले में कुल 6 आरोपी पकड़े जा चुके हैं।

शिक्षामित्रों ने बीएसए को सौंपा पत्र

लखनऊ। लखनऊ में आदर्श समायोजित शिक्षक शिक्षामित्र वेलफेयर एसोसिएशन ने शिक्षामित्रों की विभिन्न समस्याओं के समाधान की मांग की है। संगठन ने जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, लखनऊ को पत्र भेजकर समस्याओं के जल्द निस्तारण की मांग की। संगठन के महामंत्री उमेश कुमार पांडे ने कहा कि कई महीनों से शिक्षामित्रों के मानदेय को लेकर समस्या बनी हुई है। परियोजना कार्यालय से मानदेय मिलने के बाद भी समय पर शिक्षामित्रों के खातों में राशि नहीं पहुंचती। संगठन ने मांग की कि परियोजना कार्यालय से मानदेय प्राप्त होने के 3 से 5 दिन के भीतर शिक्षामित्रों के खातों में भुगतान किया जाए। संगठन के अनुसार, जिले में हर महीने 2 से 5 शिक्षामित्रों का मानदेय जिले से लगने के कारण छूट जाता है। इसकी जांच कर समस्या का निस्तारण कराने की मांग की गई। पत्र में एफए-लएन प्रशिक्षण-2025 की राशि का भी मुद्दा उठाया गया। संगठन ने बताया कि करीब 50 प्रतिशत शिक्षामित्रों को प्रशिक्षण की राशि नहीं मिली है।

35 साल की महिला की संदिग्ध मौत

4 साल पहले हो चुका है पति का निधन, 13 साल का बेटा रहता था साथ

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ के सरोजनी-नगर में शुक्रवार सुबह 35 वर्षीय रीना वर्मा की संदिग्ध हालात में मौत हो गई। सुबह तबीयत बिगड़ने पर परिजन उसे सरोजनीनगर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। मौत की वजह अभी स्पष्ट नहीं है। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। आजाद नगर-चिल्लावां निवासी रीना अपने 13 वर्षीय बेटे सिद्धार्थ के साथ घर में रहती थी। इसी मकान में उसके जेठ विनोद कुमार, विपिन कुमार, प्रदीप कुमार और देवर आशीष व जितेंद्र भी अपने परिवारों के साथ अलग-अलग कमरों में रहते हैं। परिजनों के मुताबिक, रीना के पति अमित की करीब चार साल पहले बीमारी से मौत हो गई थी। पति की मौत के

बाद वह कथित तौर पर शराब पीने लगी थी। गुरुवार रात रीना कहीं से घर लौटी और कुछ देर कमरे के बाहर बैठने के बाद अंदर जाकर सो गई। शुक्रवार सुबह उसकी तबीयत बिगड़ी तो बेटे ने परिवार को बताया। परिजन उसे अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां सुबह करीब 9 बजे डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस की शुरुआती जांच में सामने आया है कि रीना शराब का अधिक सेवन करती थी और कुछ दिनों से बीमार भी थी। उसका इलाज चल रहा था।

नाइट शिफ्ट के दौरान हादसा, 5 मजदूर काम कर रहे थे, परिजन बोले- न्याय चाहिए

निर्माणाधीन मॉल की शटरिंग गिरी, तीन लोगो की मौत

घटना

तमसा संकेत, एजेंसी

मथुरा। मथुरा में शुक्रवार सुबह 7 बजे निर्माणाधीन ओमेक्स मॉल में शटरिंग गिर गई। हादसे में तीन मजदूरों की मौत हो गई। एक गंभीर घायल है। पुलिस के मुताबिक, मॉल में 4-5 मजदूर नाइट शिफ्ट में काम कर रहे थे। अचानक शटरिंग भरभराकर गिर गई। मजदूर मलबे में दब गए। मौके पर चीख-पुकार मच गई। अफरा-तफरी के बीच पुलिस को सूचना दी गई।पुलिस, फायर ब्रिगेड और राहत-बचाव टीम मौके पर पहुंची। रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया गया। मलबे से एक मजदूर की लाश बाहर निकाली गई। घायल 3 मजदूरों को नजदीकी अस्पताल पहुंचाया गया, जहां इलाज के दौरान 2 की मौत हो गई। एक का इलाज चल रहा है। मृतकों में दो पश्चिम बंगाल और एक नेपाल का रहने वाला बताया जा रहा है। DM-SSP मौके पर पहुंचे। हादसे के कारणों की जांच भी शुरू की। मुख्यमंत्री योगी ने हादसे पर दुख जताया है।

रफीउल, मृतक | शिवराम, मृतक | आलम, मृतक

ओमेक्स मॉल के प्रबंधक आरके जैन ने बताया- आज सुबह में छज्जा बनाते समय हादसा हुआ। वैसे तो रोज 50 मजदूर काम करते हैं, लेकिन आज सुबह में चार-पांच मजदूर ही काम पर थे। हादसे के वक्त एक मजदूर बाहर गया हुआ था। मृतक कुछ दिनों पहले ही यहां पर काम पर आए थे। हादसा कैसे हुआ, इसकी जानकारी की जा रही है।

मृतकों में दो पश्चिम बंगाल और एक नेपाल का मजदूर

एसपी सिटी राजीव कुमार ने बताया- 'वृंदावन कोर्टयार्ड मॉल' की दूसरी मंजिल पर छत और छज्जे की ढलाई का काम चल रहा था। तभी शटरिंग और ढलाई का समान भरभरा कर गिर गया। हादसे में एक सिमरी, कैलाली (नेपाल) निवासी मजदूर शिवराम (40) की मौके पर ही मौत हो गई। मलबा हटाने पर 3 मजदूर घायल हालत में मिले। उन्हें फौरन एम्बुलेंस से जिला अस्पताल ले जाया गया। जहां से उन्हें आगरा के एसएन मेडिकल कालेज रेफर कर दिया गया। इलाज के दौरान दो और मजदूरों रफीउल (40) और आलम(42) की मौत हो गई। दोनों पश्चिम बंगाल के कूच बिहार के रहने वाले थे। बंगाल के ही एक मजदूर दिलबार (42) का इलाज चल रहा है।

राया में दूध टैंकर पकड़ा, जांच में स्टार्च और कम फैट मिला

तमसा संकेत, संवाददाता

मथुरा। खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन की टीम ने राया रेलवे फाटक पर दूध से भरे टैंकर का निरीक्षण किया। टैंकर में करीब 2000 लीटर दूध भरा था। त्वरित जांच में दूध में स्टार्च की मौजूदगी और फैट की मात्रा कम पाए जाने पर दूध का नमूना जांच के लिए राजकीय खाद्य प्रयोगशाला भेजा गया। सहायक आयुक्त खाद्य डा. जतिन कुमार सिंह के निर्देशन में खाद्य सचलदल ने राया रेलवे फाटक पर दूध टैंकर संख्या यूपी 86 एटी 0875 की जांच की। चालक हेमनेस कुमार ने बताया कि दूध गोपाल डेयरी, सिकंदराराऊ (हाथरस) से लाया गया है। निरीक्षण के दौरान चालक दूध के क्रय-विक्रय संबंधी अभिलेख प्रस्तुत नहीं कर सका। दूध की गुणवत्ता संदिग्ध पाए जाने पर राया स्थित डेयरी पर टैंकर में भंडारित दूध की त्वरित जांच की गई। जांच में दूध में स्टार्च मिलने तथा फैट कम होने के प्रमाण मिले। इसके बाद दूध का नमूना संग्रहित कर राजकीय खाद्य प्रयोगशाला भेजा गया, जबकि शेष करीब 2000 लीटर दूध को जनहित में मौके पर नष्ट करा दिया गया। नष्ट किए गए दूध की अनुमानित कीमत करीब 1.20 लाख रुपये बताई गई है। विभाग के अनुसार प्रयोगशाला की जांच रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद संबंधित के खिलाफ नियमानुसार अग्रेतर कार्रवाई की जाएगी। कार्रवाई के दौरान खाद्य सुरक्षा अधिकारी धर्मेंद्र सिंह और जितेंद्र सिंह मौजूद रहे।

फास्ट न्यूज

नूर हसन हत्याकांड में 2 दोषियों को उम्रकैद

कोल। अलीगढ़ कोर्ट ने नूर हसन उर्फ पुलिया हत्याकांड में शाहरूख उर्फ टुल्ला और अफजाल को हत्या का दोषी मानते हुए उम्रकैद की सजा सुनाई। दोनों पर 10-10 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया गया है। जुर्माना नहीं देने पर दोनों को 3-3 महीने का अतिरिक्त कारावास भुगतना होगा। सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता रविकांत शर्मा ने बताया कि घटना 28 फरवरी 2023 की रात रोरावर थाना क्षेत्र के शाहजमाल में हुई थी।

छेड़खानी का विरोध करने पर युवक पर किया हमला

कोल। बन्नादेवी थाना क्षेत्र के सराय लवरिया इलाके में गुरुवार देर रात छेड़खानी का विरोध करने पर दबंगों ने एक परिवार पर हमला कर दिया। आरोप है कि करीब 30 से 35 युवकों ने परिवार को घेरकर लाठी-डंडों और चाकू से हमला किया। इसमें युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। बीच-बचाव करने आई उसकी मां और बहन से भी मारपीट की गई। पीड़ित परिवार की महिला कमलेश के मुताबिक, वह गुरुवार रात अपने भाई और मां के साथ वॉटर वर्क्स के रास्ते सराय लवरिया स्थित घर लौट रही थीं। सराय लवरिया चौक के पास कुछ युवकों ने उन पर अश्लील टिप्पणी करना शुरू कर दिया।

रंगदारी वसूलने का आरोपी किसान नेता गिरफ्तार

मुरादाबाद। मुरादाबाद पुलिस ने ज्वैलर्स से रंगदारी वसूलने के आरोपी किसान नेता जितेंद्र सिंह विश्नोई को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने जितेंद्र को कोर्ट में पेश किया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया। मामला सामने आने के बाद भाकियू भानू गुट ने आरोपी जितेंद्र विश्नोई को संगठन से बाहर कर दिया है। पुलिस का कहना है कि सिविल लाइंस थाना क्षेत्र में हरथला मंगल बाजार निवासी शीतल ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी।

पत्रकार को धमकी के मामले में उपज ने सौंपा ज्ञापन, निष्पक्ष जांच की मांग

समाचार प्रकाशित करने के बाद कथित धमकी का मामला

तमसा संकेत, संवाददाता

मेरठ। समाचार प्रकाशित करने के बाद पत्रकार को कथित रूप से झूठे मुकदमे में फंसाने की धमकी दिए जाने के मामले में उत्तर प्रदेश एसोसिएशन ऑफ जर्नलिस्ट्स , संबद्ध नेशनल यूनियन ऑफ जर्नलिस्ट्स (इंडिया) के पदाधिकारियों ने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचकर निष्पक्ष जांच और पत्रकार की सुरक्षा की मांग की।

उपज के जिलाध्यक्ष अजय चौधरी के नेतृत्व में संगठन के प्रतिनिधिमंडल ने सीओ किठौर सौम्य अस्थाना से मुलाकात कर पूरे प्रकरण से अवगत कराया और कार्रवाई की मांग की। संगठन की ओर से बताया गया कि उपज के सदस्य अब्दुल कादिर पुत्र वसीमुद्दीन, निवासी ग्राम ललियाना, थाना किठौर, दैनिक समाचार पत्र 'पश्चिम पुकार' में रिपोर्टर हैं। आरोप है कि पत्रकार ने 14 अगस्त 2026 को एक वायरल मोबाइल रिकॉर्डिंग के आधार पर जनहित से जुड़ी खबर प्रकाशित की थी। खबर में क्षेत्र में पशुओं को कथित रूप से जहर देकर मारने से जुड़े आरोपों और तालिब पुत्र अली हसन की कथित भूमिका का उल्लेख किया गया था। उपज पदाधिकारियों के अनुसार, खबर प्रकाशित होने के बाद 15 अगस्त 2026 को तालिब की ओर से पत्रकार के खिलाफ पुलिस चौकी ललियाना में प्रार्थना-पत्र दिया गया। इसके बाद पत्रकार को चौकी बुलाकर कथित तौर पर 'फर्जी पत्रकार' बताते हुए उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कराने की धमकी दी गई। संगठन ने पुलिस अधिकारियों से मांग की कि पत्रकार के खिलाफ दिए गए प्रार्थना-पत्र की निष्पक्ष जांच कराई जाए और जांच के नाम पर पत्रकार पर किसी प्रकार का अनावश्यक दबाव न बनाया जाए। साथ ही, पत्रकार को झूठे मुकदमे में फंसाने की कथित धमकी की भी जांच कर दोषी पाए जाने वाले व्यक्ति के खिलाफ विधि सम्मत कार्रवाई की जाए। उपज ने यह भी मांग की कि प्रकाशित खबर में लगाए गए आरोपों की स्वतंत्र जांच कर वास्तविक तथ्यों को सामने लाया जाए। इसके अलावा तालिब के खिलाफ पूर्व में प्राप्त शिकायतों और उन पर हुई कार्रवाई की स्थिति की भी जांच कराने की मांग की गई। संगठन ने कहा कि यदि जांच में किसी पुलिसकर्मी द्वारा पद का दुरुपयोग कर किसी पक्ष को अनुचित संरक्षण देने अथवा पत्रकार पर दबाव बनाने की बात सामने आती है तो संबंधित पुलिसकर्मी के खिलाफ भी नियमानुसार विभागीय एवं कानूनी कार्रवाई की जानी चाहिए।

आगरा में गेहूं-चावल के साथ 35 तरह का सामान, कोटेदार जबरन बिक्री नहीं कर सकेंगे

राशन की दुकानों पर दूध, बिस्किट, बच्चों के कपड़े मिलेंगे

तमसा संकेत, एजेंसी

आगरा। आगरा में सरकारी राशन की दुकानों का स्वरूप अब बदलने जा रहा है। 1,200 राशन दुकानों पर गेहूं-चावल के साथ दूध, ब्रेड, घी, मसाले, बिस्किट और सूखे मेवे जैसे सामान भी मिलेंगे। इसके अलावा छाता, रेनकोट, टॉर्च, बर्तन धोने के बार और इलेक्ट्रिक सामान भी खरीदे जा सकेंगे। शासन ने कोटेदारों की आय बढ़ाने के लिए राशन दुकानों पर 35 तरह की अतिरिक्त वस्तुएं बेचने की मंजूरी दी है। अपर जिलाधिकारी नागरिक आपूर्ति अजय नारायण सिंह ने गुरुवार को इस संबंध में निर्देश जारी किए। नई व्यवस्था में हैंडवॉश, साबुन, डायपर, वाइप्स और शेविंग किट जैसे रोजमर्रा के सामान भी शामिल किए गए हैं। प्रशासन का कहना है कि इससे लोगों को घर के नजदीक जरूरी वस्तुएं मिल सकेंगी और राशन विक्रेताओं की आमदनी का अतिरिक्त जरिया बनेगा।

नई व्यवस्था के साथ प्रशासन ने कोटेदारों को स्पष्ट निर्देश भी दिए हैं। किसी भी उपभोक्ता पर अतिरिक्त सामान खरीदने के लिए दबाव नहीं बनाया जा सकेगा। जबरन बिक्री की शिकायत मिलने पर संबंधित कोटेदार के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

बेबी केयर उत्पाद भी मिलेंगे

राशन दुकानों पर अब सिर्फ खाद्य सामग्री ही नहीं, बल्कि कुछ जरूरी घरेलू और व्यक्तिगत उपयोग के उत्पाद भी मिलेंगे। इनमें हैंडवॉश, साबुन, शेविंग किट के साथ डायपर और वाइप्स जैसे बेबी केयर उत्पाद शामिल हैं। प्रशासन का मानना है कि इन वस्तुओं की उपलब्धता से उपभोक्ताओं को छोटी-छोटी जरूरतों के लिए अलग बाजार नहीं जाना पड़ेगा। एडीएम ने यह भी स्पष्ट किया कि राशन दुकानों पर बेची जाने वाली खाद्य वस्तुएं एफएसएसएआई के निर्धारित मानकों के अनुरूप और गुणवत्ता वाली होनी चाहिए। प्रशासन की ओर से व्यवस्था की निगरानी की जाएगी।

दूध, ब्रेड से लेकर मसाले तक मिलेंगे

नई व्यवस्था के तहत राशन की दुकानों पर पैक्ड दूध, ब्रेड, घी, सूखे मेवे, मसाले और बिस्किट उपलब्ध होंगे। इसके साथ रोजमर्रा में इस्तेमाल होने वाली कई दूसरी वस्तुओं की बिक्री भी की जा सकेगी। बारिश के मौसम को देखते हुए छाता और रेनकोट जैसे सामान भी दुकान पर रखे जा सकेंगे। टॉर्च, इलेक्ट्रिक सामान और बर्तन धोने वाले बार भी अतिरिक्त उत्पादों की सूची में शामिल हैं।

फिर वीडियो जारी कर साधा निशाना, माफी मांगने के करीब एक घंटे बाद बदला रुख

आगरा में विधायक पर टिप्पणी के बाद बाल योगी ने मांगी माफी

तमसा संकेत, एजेंसी

आगरा। विधायक चौधरी बाबूलाल पर अभद्र टिप्पणी करने के बाद समाजसेवी बाल योगी ने बुधवार को उनके आवास पहुंचकर माफी मांग ली। हालांकि, माफी मांगने के करीब एक घंटे बाद ही बाल योगी का रुख फिर बदलता नजर आया। उन्होंने सोशल मीडिया पर लगातार वीडियो जारी कर अपनी बात रखी और विवाद को एक बार फिर सियासी रंग दे दिया। इस पूरे मामले में विधायक चौधरी बाबूलाल ने फिलहाल चुप्पी साध रखी है। वहीं, उनके बेटे रामेश्वर चौधरी ने मामले पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि पिता ने जब माफ कर दिया तो बात वहीं खत्म हो गई। रामेश्वर चौधरी ने कहा कि उनके पिता स्पष्ट और साफ बोलने वाले व्यक्ति हैं। उन्होंने बाल योगी को माफ कर दिया है, इसलिए अब इस मामले को आगे बढ़ाने का कोई मतलब नहीं है। उन्होंने कहा कि माफी के बाद भी कोई व्यक्ति क्या कह रहा है, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। रामेश्वर चौधरी के मुताबिक, यदि विधायक माफी नहीं देते और इसके बावजूद बयानबाजी जारी रहती तो मामले में कार्रवाई की जाती। लेकिन जब विधायक ने माफ कर दिया है तो अब दोबारा उठाए जा रहे बयानों पर प्रतिक्रिया देना उन्हें अनावश्यक तवज्जो देना होगा। बुधवार को बाल योगी विधायक चौधरी बाबूलाल के आवास पर पहुंचे थे।

खुले नाले की समस्या से शुरू हुआ विवाद

पूरा विवाद मलपुरा क्षेत्र में खुले नाले की समस्या को लेकर शुरू हुआ था। रविवार को बाल योगी ग्रामीणों के बीच पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने नाले की गंदगी और उससे पैदा हो रही समस्याओं का मुद्दा उठाया था। बाल योगी ने ग्रामीणों की परेशानी बताते हुए आरोप लगाया था कि नाले की गंदगी के कारण लोग बीमार हो रहे हैं और उन्होंने कैंसर जैसी गंभीर बीमारी तक होने की बात कही थी। इसी दौरान उन्होंने विधायक चौधरी बाबूलाल और उनके बेटे को लेकर अभद्र टिप्पणी कर दी थी। उनकी टिप्पणी का वीडियो सामने आने के बाद विवाद बढ़ गया और मामला राजनीतिक चर्चा का विषय बन गया।

> *बाल योगी की ओर से माफी मांगने के बाद विधायक के बेटे रामेश्वर चौधरी ने कहा कि उनके पिता ने पूरे मामले को समाप्त कर दिया है। उनका कहना है कि जब विधायक ने माफ कर दिया तो बाद में दिए जा रहे बयानों पर प्रतिक्रिया देने की आवश्यकता नहीं है। उन्होंने यह भी संकेत दिया कि माफी के बावजूद बयानबाजी जारी रखना विवाद को दोबारा हवा देने जैसा होगा।*

वृंदावन में निर्माणाधीन मॉल की शटरिंग गिरी, तीन मजदूरों की मौत

तमसा संकेत, संवाददाता

मथुरा। वृंदावन के रुक्मिणी विहार क्षेत्र में शुक्रवार सुबह निर्माणाधीन मॉल में लेंटर डालने के दौरान बड़ा हादसा हो गया। चौथी मंजिल पर निर्माण कार्य के दौरान शटरिंग अचानक भरभराकर नीचे गिर गई। हादसे के समय वहां काम कर रहे कई मजदूर मलबे की चपेट में आ गए। दुर्घटना में तीन मजदूरों की मौत हो गई, जबकि एक मजदूर गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। जानकारी के मुताबिक, रुक्मिणी विहार क्षेत्र में एक निर्माणाधीन मॉल की चौथी मंजिल पर लेंटर डालने का काम चल रहा था। शुक्रवार सुबह मजदूर निर्माण कार्य में जुटे हुए थे। इसी दौरान अचानक शटरिंग का ढांचा भरभराकर गिर गया। शटरिंग के साथ निर्माण सामग्री भी नीचे आ गिरी, जिससे वहां काम कर रहे मजदूर मलबे में दब गए। हादसे की जानकारी मिलते ही आसपास मौजूद लोगों ने राहत-बचाव के लिए पुलिस और फायर सर्विस को सूचना दी। कुछ ही देर में फायर सर्विस की टीम मौके पर पहुंच गई और रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया गया। फायर सर्विस की टीम ने सर्च एंड रेस्क्यू ऑपरेशन चलाकर मलबे में दबे मजदूरों को बाहर निकाला। गंभीर रूप से घायल मजदूरों को तत्काल उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया। चिकित्सकों ने दो मजदूरों को अस्पताल में जांच के बाद मृत घोषित कर दिया, जबकि एक मजदूर की मौके पर ही मौत हो गई थी। हादसे में घायल मजदूर की हालत गंभीर बताई जा रही है। उसे प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए आगरा रेफर किया गया है। नेपाल और पश्चिम बंगाल के रहने वाले थे मृतक हादसे में जान गंवाने वाले तीन मजदूरों में एक नेपाल और दो पश्चिम बंगाल के रहने वाले बताए गए हैं। वहीं घायल मजदूर भी पश्चिम बंगाल का निवासी बताया जा रहा है। पुलिस की ओर से मृतकों की पहचान और उनके परिजनों से संपर्क करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मथुरा श्लोक कुमार ने बताया कि हादसे के बाद राहत और बचाव अभियान पूरा कर लिया गया है। रेस्क्यू टीम ने मलबे की जांच कर यह सुनिश्चित किया है कि अब कोई व्यक्ति उसके अंदर फंसा नहीं है। एसएसपी के अनुसार, मृतकों के परिजनों से संपर्क स्थापित किया जा रहा है। परिजनों की ओर से तहरीर प्राप्त होने के बाद मामले में नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्रवाई की जाएगी। निर्माणाधीन मॉल में शटरिंग गिरने से तीन मजदूरों की मौत के बाद निर्माण स्थल पर सुरक्षा इंतजामों को लेकर भी सवाल खड़े हो गए हैं।

पृष्ठ 01 का शेष...

अखिलेश ने कल्याण ...

और एक दिन पाकिस्तान से भी करने लगेंगे। भाजपा कल्याण सिंह की पुण्यतिथि को हिंदू गौरव दिवस के रूप में मनाती है। आज लखनऊ के इकाना स्टेडियम में आयोजित कार्यक्रम में कल्याण सिंह के बेटे और पूर्व सांसद राजवीर सिंह 'राजू भैया' और उनके पोते और शिक्षा मंत्री संदीप सिंह भी मौजूद रहे। दोनों डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक भी कार्यक्रम में पहुंचे। सीएम ने कहा- मुझे लंबे समय तक सदैव बाबूजी के साथ विभिन्न कार्यक्रमों में रहने का अवसर मिला। आदमी पद से बड़ा नहीं होता, बल्कि अपनी सोच और कर्मों से होता है। अतरौली के एक सामान्य किसान परिवार में जन्म लेने वाले बाबूजी अपनी कर्मठता, मूल्यों और सिद्धांतों के प्रति अडिग थे। उन्होंने देश की सेवा के भाव से काम किया। वह राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की पाठशाला में तपे हुए एक स्वयंसेवक थे। उन्होंने किसान, शिक्षक, विधायक, मंत्री, मुख्यमंत्री, सांसद और राज्यपाल के रूप में सभी महत्वपूर्ण संवैधानिक दायित्वों का निर्वहन किया। सीएम ने कहा- राम जन्मभूमि आंदोलन के दौरान उन्होंने कहा था- संघर्ष स्वीकार है और सत्ता चली जाए, यह भी स्वीकार है, लेकिन प्रभु श्रीराम का अपमान स्वीकार नहीं है। आज जब अयोध्या में प्रभु श्रीराम का भव्य मंदिर देखते हैं तो सदैव बाबूजी की स्मृति हमारे अंतःकरण में उठती है।

एसएससी-सीजीएल ...

कि सभी अपना काम जारी रखेंगे। कोर्ट ने राज्य सरकार से इस मामले में भी जवाब मांगा है। अगली सुनवाई 15 सितंबर को होगी। HC के फैसले के बाद सफल कैंडिडेट्स ने धरना समाप्त कर दिया है। जेपीएससी-जेएसएससी रिफॉर्म मंच के आह्वान पर रांची में छात्रों ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी का पुतला फूंकने की तैयारी थी। इसको लेकर छात्र मोरहाबादी स्थित बापू वाटिका पर जुटे और जुलूस निकालकर अल्बर्ट एक्का चौक पहुंचने वाले थे। पर इससे पहले ही शहीद चौक पर हंगामा हो गया। आरोप है कि झामुमो के कार्यकर्ताओं ने हंगामा किया और पुतला छीनकर भागने लगे। हालांकि छात्रों ने पुतला वापस ले लिया। इस दौरान काफी हंगामा हुआ। छात्रों की पिटाई भी की गई। छात्रों ने हेमंत सोरेन मुर्दाबाद, हेमंत सोरेन इस्तीफा दो के नारे लगाए। वहीं, पुलिस का कहना है कि छात्रों द्वारा निर्धारित रूट बदलने की वजह से ऐसा हुआ। वहीं, हजारीबाग स्थित मटवारी गांधी मैदान में भी पुलिस और छात्र आमने-सामने आ गए। पुलिस ने लाठी भांज कर मैदान खाली करवा दिया, जिससे छात्र पुतला नहीं जला सके। आरोप है कि पुलिस के साथ झामुमो के कार्यकर्ता भी शामिल थे। इधर, मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का पुतला दहन करने की तैयारी को लेकर शुक्रवार को गिरिडीह झंडा मैदान में उस समय हंगामा हो गया, जब छात्र संगठनों के लोग कार्यक्रम की तैयारी के लिए वहां जुटे थे। आरोप है कि इसी दौरान झामुमो कार्यकर्ता मौके पर पहुंच गए और पुतला दहन का विरोध करते हुए छात्र संगठन के लोगों के साथ मारपीट शुरू कर दी। वहीं, छात्र नेता देवेंद्र नाथ महतो ने 24 अगस्त से 'भर्ती व्यवस्था सुधार यात्रा' शुरू करने की घोषणा की है। यात्रा की शुरुआत दिशोम गुरु शिबू सोरेन के पैतृक गांव नेमरा से की जाएगी। इसके बाद यात्रा राज्य के सभी 24 जिलों के मुख्यालयों, प्रमुख चौक-चौराहों, विश्वविद्यालयों और लाइब्रेरी क्षेत्रों तक पहुंचाने की योजना है। साथ ही उन्होंने 15 सितंबर को होने वाली कोर्ट की अगली सुनवाई को लेकर सरकार से भर्ती परीक्षाओं से जुड़े मामलों में मजबूती से अपना पक्ष रखने की मांग की। अगर ऐसा नहीं होता है तो मुख्यमंत्री आवास के घेराव और पूरे राज्य में अनिश्चितकालीन चक्का जाम की चेतावनी दी है। इधर, JSSC CGL नियुक्ति रद्द होने से नौकरी से हटाए गए अधिकारी शुक्रवार को कोर्ट का फैसला आने बाद प्रोजेक्ट भवन से हट गए हैं। उनका कहना है हमारी लड़ाई अब कोर्ट के माध्यम से चलेगी।

जंतर-मंतर पर घायल ...

राहुल गांधी शुक्रवार दोपहर करीब 12:30 बजे संसद मार्ग थाने पहुंचे थे। उन्होंने पुलिस से साहिल की शिकायत पर FIR दर्ज करने की मांग की। जब काफी देर तक मामले में कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई तो राहुल गांधी ने पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों से मुलाकात की। बातचीत के बावजूद जब कोई नतीजा नहीं निकला तो राहुल गांधी थाने के बाहर धरने पर बैठ गए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि जब तक FIR दर्ज नहीं होगी, वह वहां से नहीं हटेंगे। इसके बाद शाम करीब 5:30 बजे पुलिस ने FIR दर्ज करने की प्रक्रिया शुरू की। राहुल गांधी के साथ कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी, अधीर रंजन चौधरी, सलमान खुर्शीद और जयराम रमेश भी मौजूद रहे। कांग्रेस नेताओं ने छात्र साहिल को कथित तौर पर पैलेट के छर्रे लगने के मामले में कार्रवाई की मांग की। जानकारी के मुताबिक, 20 जुलाई को संसद मार्च के दौरान प्रदर्शन कर रहे छात्र साहिल घायल हुए थे। साहिल ने आरोप लगाया कि प्रदर्शन के दौरान पैलेट गन के छर्रे लगने से उनकी आंख की रोशनी चली गई। FIR दर्ज कराने की मांग के दौरान राहुल गांधी ने साहिल के शरीर से निकले कथित छर्रे दिखाते हुए पुलिस कार्रवाई पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि ये पैलेट गन चलने के सबूत हैं और अगर पुलिस ने पैलेट गन नहीं चलाई तो फिर यह पता लगाया जाना चाहिए कि छर्रे कहां से आए। साहिल की शिकायत पर कार्रवाई की मांग को लेकर राहुल गांधी पहले मंदिर मार्ग पुलिस स्टेशन भी पहुंचे थे। वहां उन्होंने FIR दर्ज करने की मांग की। इसके बाद वह संसद मार्ग थाने पहुंचे, जहां उन्होंने पुलिस अधिकारियों से मामले में कार्रवाई करने को कहा। दिल्ली पुलिस ने बाद में साहिल की मां की शिकायत के आधार पर FIR दर्ज की। FIR में अज्ञात आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (BNS) की धारा 118 और 125 के तहत मामला दर्ज किया गया है। BNS की धारा 118 खतरनाक हथियार या साधन के जरिए जानबूझकर किसी व्यक्ति को चोट पहुंचाने से संबंधित है। वहीं धारा 125 ऐसे लापरवाही या उतावलेपन भरे कृत्य से जुड़ी है, जिससे किसी व्यक्ति की जान या व्यक्तिगत सुरक्षा खतरे में पड़ सकती है। FIR दर्ज होने के बाद राहुल गांधी साहिल और उसके परिवार के साथ थाने से बाहर आए। उन्होंने कहा कि शिकायत दर्ज कराने के लिए उन्हें करीब आठ घंटे तक इंतजार करना पड़ा।

तमिलनाडु में डीएमके ...

वीसीके और कम्युनिस्ट पार्टी के कई विधायक आर्थिक रूप से कमजोर हैं। उनके लिए कार लग्जरी नहीं, बल्कि एक बुनियादी जरूरत है। कई विधायकों के पास घर और कार नहीं है। टीवीके का रुख साफ है, जिनके पास कार है, वे सरकारी गाड़ी के लिए आवेदन नहीं करेंगे। मंत्री अर्जुन ने स्टालिन से कहा, आपके पास तीन बंगले हैं तो फिर आप सरकारी आवास में क्यों रहते हैं।

भोजशाला के पास...

भोज उत्सव समिति के संरक्षक विश्वास पांडे ने कहा, हम तो प्रत्येक शुक्रवार को हनुमान चालीसा का पाठ करते आए हैं और करते रहेंगे। हमें सूर्योदय से सूर्यास्त तक पूजा का जो अधिकार हिंदू समाज को मिला है, उसी के तहत हम पूजा-पाठ कर रहे हैं। उन्होंने कहा- उससे (नमाज से) हमारा कोई लेना-देना नहीं है। हमें तो सिर्फ सूर्योदय से सूर्यास्त तक पूजा का जो अधिकार मिला है, उसका हम माननीय न्यायालय के आदेश के तहत पालन कर रहे हैं और करते रहेंगे। भोजशाला हिंदुओं का मंदिर है। मां सरस्वती का स्थान है।

बेटे को बचाने में ...

उन्होंने भी पहाड़ से छलांग लगा दी। उनकी भी मौत हो गई। स्थिति की गंभीरता को समझते हुए, दमकल कर्मियों ने युवक को बचाने के लिए पहाड़ की तलहटी में बड़ा सुरक्षा जाल बिछाया था, लेकिन पहाड़ की चोटी पर खड़ा युवक लगातार अपनी दिशा बदल रहा था।

ऑस्ट्रेलिया ने दूसरे टेस्ट में एक बदलाव किया

चुनौती

रेनशॉ की 3 साल बाद वापसी, वेदराल्ड बाहर, बांग्लादेश के खिलाफ दूसरा मुकाबला कल से

लंदन, एजेंसी

ऑस्ट्रेलिया ने बांग्लादेश के खिलाफ दूसरे टेस्ट के लिए प्लेइंग-11 में एक बदलाव किया है। जैक वेदराल्ड की जगह मैथ्यू रेनशॉ को टीम में शामिल किया गया है। रेनशॉ 3 साल बाद टेस्ट क्रिकेट में वापसी करेंगे और ट्रैविस हेड के साथ पारी की शुरुआत करेंगे। दूसरा टेस्ट 22 अगस्त से मैके में खेला जाएगा।

दो मैचों की सीरीज के पहले मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया को बांग्लादेश ने 9 विकेट से हराया था। ऐसे में ऑस्ट्रेलियाई टीम के सामने दूसरा टेस्ट जीतकर सीरीज 1-1 से बराबर करने की चुनौती है।

रेनशॉ को मौका देने के लिए जैक वेदराल्ड को बाहर किया गया है। उन्होंने डार्विन में खेले गए पहले टेस्ट में 23 और 0 रन बनाए थे। दोनों पारियों में उन्हें हसन महमूद ने आउट किया था।

कप्तान पैट कमिंस ने वेदराल्ड के प्रदर्शन पर कहा कि वह टीम के साथ अच्छे रहे, लेकिन 6 टेस्ट मैचों में उतने रन नहीं बना सके, जितने उनसे और टीम से उम्मीद थी। अब उन्हें घरेलू क्रिकेट में लौटकर शेफील्ड शील्ड में प्रदर्शन के जरिए टीम में वापसी करनी होगी।

दूसरे टेस्ट से पहले ऑस्ट्रेलिया के सामने टीम कॉम्बिनेशन को लेकर बड़ा सवाल था। मैके की पिच को देखते हुए चार तेज गेंदबाजों के साथ उतरने पर विचार किया जा रहा था। ऐसी स्थिति में नाथन लायन की जगह स्कॉट बोलैंड को मौका मिल सकता था।

हालांकि, ऑस्ट्रेलिया ने लायन को टीम में बनाए रखा है। लायन ने दिसंबर में एशेज के दौरान हैमस्ट्रिंग चोट के बाद डार्विन टेस्ट से वापसी की थी। वहां उन्होंने पहली पारी में 1/102 का प्रदर्शन किया।

मैथ्यू रेनशॉ ने ऑस्ट्रेलिया के लिए 2023 में भारत के खिलाफ आखिरी टेस्ट खेला था।

रेनशॉ ने आखिरी टेस्ट भारत के खिलाफ खेला था

मैथ्यू रेनशॉ फरवरी 2023 के बाद पहली बार टेस्ट मैच खेलेंगे। यह उनका 15वां टेस्ट होगा। उन्होंने आखिरी टेस्ट भारत दौरे पर खेला था। उस मुकाबले में वह मिडिल ऑर्डर में बल्लेबाजी करने उतरे थे।

इस बार रेनशॉ को ओपनिंग की जिम्मेदारी मिली है। उन्होंने अपने टेस्ट करियर में इसी भूमिका में पाकिस्तान के खिलाफ 2016-17 में शतक लगाया था। टेस्ट क्रिकेट में उनका औसत 29.31 है, जबकि बेस्ट स्कोर 184 रन है।

पिछले सीजन में रेनशॉ ने शेफील्ड शील्ड में अच्छा प्रदर्शन किया था। उन्होंने 49.90 की औसत से रन बनाए और तीन शतक लगाए।

नाथन लायन ने ऑस्ट्रेलिया के लिए 142 टेस्ट खेले हैं।

ग्रेट बैरियर रीफ एरिना में पहली बार टेस्ट मैच खेला जाएगा। क्यूरेटर पीटर कजाकोफ के मुताबिक पिच पर पेस और बाउंस मिलने की उम्मीद है। शुरुआत में तेज गेंदबाजों को मदद मिल सकती है, जबकि मैच आगे बढ़ने पर पिच बल्लेबाजों और स्पिनर्स के लिए बेहतर हो सकती है।

श्रीलंका दौरे पर टीम इंडिया को हाई कमिश्नर का न्यौता

कोलंबो के इंडिया हाउस में हुआ भव्य स्वागत

नई दिल्ली, एजेंसी

श्रीलंका में भारत के हाई कमिश्नर संतोष झा ने दूसरे टेस्ट से पहले टीम इंडिया की मेजबानी की। यह कार्यक्रम कोलंबो स्थित इंडिया हाउस में हुआ। BCCI ने इस मौके से जुड़ी पोस्ट में कोलंबो की शाम को यादगार बताया गया। पोस्ट में टीम इंडिया के साथ भारत का झंडा भी लगाया गया। भारत और श्रीलंका के बीच दो मैचों की टेस्ट सीरीज का दूसरा और अंतिम टेस्ट मैच 23 अगस्त 2026 से शुरू होगा। यह मुकाबला कोलंबो के सिंहली स्पोर्ट्स क्लब ग्राउंड में खेला जाएगा। भारतीय टीम ने गॉल में खेले गए पहले टेस्ट मैच में श्रीलंका को 165 रनों से हराकर दो मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली है। अब भारतीय टीम की नजरें इस दूसरे टेस्ट को जीतकर सीरीज में 2-0 से क्लीन स्वीप करने पर हैं। भारत फिलहाल WTC पॉइंट्स टेबल में पांचवें नंबर पर है। हालांकि कोलंबो टेस्ट में जीत या ड्रॉ से भारत की स्थिति बेहतर होगी, लेकिन फाइनल में जगह बनाने के लिए उन्हें आने वाली सीरीज (न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ) में भी लगातार अच्छा प्रदर्शन करना होगा। इंडिया हाउस विदेशों में स्थित भारतीय राजनयिक मिशनों (जैसे उच्चायोग या दूतावास) के आधिकारिक कार्यालय या परिसर को संदर्भित करता है। यह भारत और उस देश के बीच द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने, सांस्कृतिक आदान-प्रदान को बढ़ावा देने और राजनयिक कार्यों के संचालन के लिए एक महत्वपूर्ण केंद्र के रूप में कार्य करता है।

गिल ने बाएं हाथ के स्पिनर्स के खिलाफ किया अभ्यास

पहले टेस्ट में जयसूर्या ने 2 बार आउट किया, दूसरा टेस्ट 23 अगस्त से

कोलंबो, एजेंसी

श्रीलंका के खिलाफ दूसरे टेस्ट से पहले भारतीय कप्तान शुभमन गिल ने शुक्रवार को बाएं हाथ के स्पिनर्स के खिलाफ प्रैक्टिस की। कोलंबो के सिंहलीज स्पोर्ट्स क्लब में हुए में गिल ने मानव सुथार, रवींद्र जडेजा और दो श्रीलंका के डोमेस्टिक गेंदबाजों का सामना किया।

गिल पहले टेस्ट में बाएं हाथ के स्पिनर प्रभात जयसूर्या के खिलाफ दोनों पारियों में आउट हुए थे। उन्होंने पहली पारी में 16 और दूसरी पारी में 8 रन बनाए थे। हालांकि, भारत ने गॉल में खेले गए मुकाबले को 165 रन से जीतकर सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली है। दूसरा टेस्ट 23 अगस्त से कोलंबो में खेला जाएगा। टेस्ट क्रिकेट में गिल का बाएं हाथ के स्पिनर्स के खिलाफ रिकॉर्ड उनके लिए चिंता का विषय रहा है। 42 टेस्ट मैचों में वह इस तरह के गेंदबाजों के खिलाफ 11 बार आउट हो चुके हैं।

भारत के स्पिन गेंदबाजी कोच साईंराज बहुतुले ने कहा कि गिल कोलंबो की परिस्थितियों को समझने और उसी के हिसाब से अपने शॉट्स और डिफेंस को ढालने पर काम कर रहे हैं। गिल का रिकॉर्ड ऑफ स्पिन और लेग स्पिन के खिलाफ अपेक्षाकृत बेहतर है। इन दोनों तरह की स्पिन गेंदबाजी के खिलाफ उनका संयुक्त बल्लेबाजी औसत 61 है। सभी तरह के स्पिनर्स के खिलाफ उनका करियर औसत करीब 48 है। स्पिनर कुलदीप यादव भी अभ्यास सत्र में पहुंचे, लेकिन उन्होंने न तो गेंदबाजी की और न ही बल्लेबाजी की। ऑफ स्पिनर सारांश जैन ने शुभमन गिल और ऋषभ पंत को कुछ ओवर गेंदबाजी की। उन्होंने पंत को दो मौकों पर परेशान भी किया। पहले टेस्ट में कुलदीप यादव ज्यादा प्रभाव नहीं छोड़ सके थे। उन्होंने 25 ओवर में 103 रन देकर एक विकेट लिया था। उनका एकमात्र विकेट भी शुभमन गिल के शानदार कैच की मदद से आया था।

कार्लोस अल्काराज यूएस ओपन से वापसी करेंगे

नई दिल्ली। स्पेन के स्टार टेनिस खिलाड़ी कार्लोस अल्काराज चार महीने बाद कोर्ट पर वापसी करेंगे। दाहिनी कलाई की चोट के कारण वे अप्रैल से टेनिस से दूर हैं। अल्काराज ने 30 अगस्त से न्यूयॉर्क में शुरू होने वाले US ओपन में खेलने की पुष्टि की है। वे टूर्नामेंट के डिफेंडिंग चैंपियन हैं।

चोट के कारण अल्काराज फ्रेंच ओपन, विंबलडन, टोरंटो और सिनसिनाटी ओपन में नहीं खेल सके। वे US ओपन से पहले किसी भी वार्म-अप टूर्नामेंट में हिस्सा नहीं लेंगे। अल्काराज ने अपनी वापसी की जानकारी सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए दी। अल्कराज ने भी X पर अमेरिकी झंडे और प्लेन की इमोजी के साथ पोस्ट किया।

अल्काराज ने अप्रैल में बार्सिलोना ओपन से हटने के बाद कोई मैच नहीं खेला। दाहिनी कलाई की चोट के कारण उन्हें करीब चार महीने कोर्ट से दूर रहना पड़ा। इस दौरान उन्होंने फ्रेंच ओपन और विंबलडन जैसे दोनों बड़े ग्रैंड स्लैम मिस किए।

कोलंबो के इंडिया हाउस में हुआ भव्य स्वागत, दूसरा टेस्ट 23 अगस्त से

श्रीलंका दौरे पर टीम इंडिया को हाई कमिश्नर का न्यौता

- वर्ल्ड ट्रेड सेंटर पॉइंट्स टेबल में भारत 5वें नंबर पर
- इंडिया हाउस का अर्थ और राजनयिक भूमिका

नई दिल्ली, एजेंसी

श्रीलंका में भारत के हाई कमिश्नर संतोष झा ने दूसरे टेस्ट से पहले टीम इंडिया की मेजबानी की। यह कार्यक्रम कोलंबो स्थित इंडिया हाउस में हुआ।

BCCI ने इस मौके से जुड़ी पोस्ट में कोलंबो की शाम को यादगार बताया गया। पोस्ट में टीम इंडिया के साथ भारत का झंडा भी लगाया गया। भारत और श्रीलंका के बीच दो मैचों की टेस्ट सीरीज का दूसरा और अंतिम टेस्ट मैच 23 अगस्त 2026 से शुरू होगा। यह मुकाबला कोलंबो के सिंहली स्पोर्ट्स क्लब ग्राउंड में खेला जाएगा।

भारत फिलहाल WTC पॉइंट्स टेबल में पांचवें नंबर पर है। हालांकि कोलंबो टेस्ट में जीत या ड्रॉ से भारत की स्थिति बेहतर होगी, लेकिन फाइनल में जगह बनाने के लिए उन्हें आने वाली सीरीज (न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ) में भी लगातार अच्छा प्रदर्शन करना होगा।

भारत गॉल टेस्ट 165 रन से जीता

भारतीय टीम ने गॉल में खेले गए पहले टेस्ट मैच में श्रीलंका को 165 रनों से हराकर दो मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली है। अब भारतीय टीम की नजरें इस दूसरे टेस्ट को जीतकर सीरीज में 2-0 से क्लीन स्वीप करने पर हैं।

इंडिया हाउस विदेशों में स्थित भारतीय राजनयिक मिशनों (जैसे उच्चायोग या दूतावास) के आधिकारिक कार्यालय या परिसर को संदर्भित करता है। यह भारत और उस देश के बीच द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने, सांस्कृतिक आदान-प्रदान को बढ़ावा देने और राजनयिक कार्यों के संचालन के लिए एक महत्वपूर्ण केंद्र के रूप में कार्य करता है। उदाहरण के लिए, लंदन में स्थित 'इंडिया हाउस' भारत का उच्चायोग है, जहां भारतीय राजनयिक दोनों देशों के बीच संबंधों को बेहतर बनाने के लिए काम करते हैं।

मनोरंजन

फिल्म 'वाइब' का टीजर रिलीज

नई दिल्ली, एजेंसी

कुणाल खेमू की फिल्म 'वाइब' का टीजर मेकर्स ने रिलीज कर दिया है। यह एक ऐसी फिल्म है जिसमें एक्शन को कॉमेडी के साथ मिलाकर दर्शकों के सामने पेश किया जाएगा। जानें क्या होगी कहानी

फिल्म 'वाइब' के टीजर में बॉलीवुड की स्पाई थ्रिलर फिल्में पठान और टाइगर पर भी कॉमेडी की। टीजर में साफ तौर पर एक पूरी तरह आम बैचलर जिंदगी वाले लड़कों को एक सीरियस मिशन में भेजा जा रहा है। हालांकि टीजर में अभी सिर्फ कुणाल खेमू, प्रीति जिंटा, स्पर्श श्रीवास्तव ही नजर आए हैं। बाकि की कास्ट के बारे में टीजर में कोई जानकारी नहीं दी गई है।

फिल्म 'वाइब' कब होगी रिलीज?

फिल्म 'वाइब' का लेखन और निर्देशन दोनों कुणाल खेमू ने किया है। फिल्म में कुणाल के अलावा प्रीति जिंटा, स्पर्श श्रीवास्तव और वंशिका धीर मुख्य किरदारों में है। 'वाइब' का निर्माण कुणाल खेमू और चिराग निहलानी ने ड्रोंगो फिल्म्स के बैनर तले किया है। फिल्म 18 सितंबर 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

'दीपिका ने फिल्म स्पिरिट की कहानी लीक की थी'

प्रोड्यूसर बोले- 10% प्रॉफिट मांगा था, मना किया तो कहानी लीक की

नई दिल्ली। प्रभास की फिल्म 'स्पिरिट' से दीपिका पादुकोण के बाहर होने को लेकर नया खुलासा हुआ है। फिल्म के प्रोड्यूसर और डायरेक्टर संदीप रेड्डी वांगा के भाई प्रणय रेड्डी वांगा ने इंटरव्यू में दावा किया कि दीपिका को फिल्म से हटाया गया था। उन्होंने बताया कि दीपिका ने भारी फीस के साथ फिल्म के मुनाफे में 10 प्रतिशत हिस्सेदारी मांगी थी। जब मेकर्स ने उनकी मांग नहीं मानी और दूसरे ऑप्शन तलाशना शुरू किया, तो एक्ट्रेस ने फिल्म की कहानी और किरदार से जुड़ी जानकारी लीक कर दी। प्रणय रेड्डी वांगा ने इंटरव्यू में बिना नाम लिए दीपिका पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि किसी भी एक्टर को कहानी सुनाते समय मेकर्स उन पर पूरा भरोसा करते हैं ।

फिल्म 'स्पिरिट' के प्रोड्यूसर प्रणय रेड्डी वांगा।

'10% हिस्सेदारी मांगी, फिर कहानी लीक कर दी'

प्रणय रेड्डी वांगा ने बताया कि उनके भाई संदीप रेड्डी वांगा लगभग डेढ़ साल से दीपिका को फिल्म में लेने के लिए बातचीत कर रहे थे। लेकिन दीपिका ने ज्यादा फीस के साथ-साथ 10 प्रतिशत प्रॉफिट शेयर की शर्त रख दी। प्रणय ने कहा कि मेकर्स के बजट में यह मांग सही नहीं बैठ रही थी। जब मेकर्स ने किसी दूसरे स्टार को कास्ट करने पर विचार शुरू किया, तो दीपिका ने फिल्म का प्लॉट लीक कर दिया।

ओटीटी पर धमाचौकड़ी मचाएगा 'बंदर'

बॉबी देओल की थ्रिलर फिल्म कब और कहां होगी स्ट्रीम?

नई दिल्ली। बॉबी देओल की हालिया रिलीज फिल्म बंदर (Bandar) अब ओटीटी पर तहलका मचाने आ रही है। यह फिल्म ढाई महीने बाद ओटीटी पर आ रही है। अनुराग कश्यप के निर्देशन में बनी क्राइम थ्रिलर बंदर 5 जून को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। फिल्म को क्रिटिक्स से पॉजिटिव रिव्यू मिले, फिर भी फिल्म सिनेमाघरों में दर्शकों को खींच पाने में असफल हुई। बॉक्स ऑफिस पर असफलता के बाद अब इसे ओटीटी पर उतारा जा रहा है। भले ही बॉबी देओल की फिल्म बंदर को लोगों ने सिनेमाघरों में न देखा हो लेकिन लोग इसे ओटीटी पर देखने के लिए बेताब हैं। अगर आपने अभी तक यह फिल्म नहीं देखी है तो अब आप इसे घर बैठे ओटीटी प्लेटफॉर्म जी5 (Bandar on Zee5) पर देख सकते हैं। हाल ही में, मेकर्स ने फिल्म की ओटीटी रिलीज डेट का भी ऐलान किया है। बॉबी देओल की ये फिल्म जी5 पर 28 अगस्त से स्ट्रीम होगी। अनाउंसमेंट के साथ पोस्ट के कैप्शन में लिखा गया, ₹जब किसी आदमी पर आरोप लगता है, तो क्या फैसला पहले ही तय हो जाता है? आरोप लगने के बाद किसी आदमी की जिंदगी को उलट-पुलट होते हुए देखें। फिल्म की कहानी टीवी स्टार समर (बॉबी देओल) के इर्द-गिर्द घूमती है जिसकी एक्स गर्लफ्रेंड उस पर यौन शोषण का आरोप लगाती है। इसके बाद उसका सामना एक भ्रष्ट न्याय व्यवस्था से होता है ।

मर्डर मिस्ट्री में उलझे बरुण-निमिषा, इस दिन ओटीटी पर होगी स्ट्रीम

बबीता सिंह रिपोर्टिंग का धांसू ट्रेलर रिलीज

> बबीता सिंह रिपोर्टिंग का प्रीमियर 28 अगस्त को होगा। यह फिल्म भारत समेत दुनिया के 240 से अधिक देशों और क्षेत्रों में हिंदी में (अंग्रेजी सबटाइटल्स के साथ) सिर्फ प्राइम वीडियो पर उपलब्ध होगी।

नई दिल्ली। भारत के सबसे पसंदीदा मनोरंजन प्लेटफॉर्म में से एक प्राइम वीडियो ने आज अपनी आगामी प्राइम ओरिजिनल फिल्म बबीता सिंह रिपोर्टिंग का ऑफिशियल ट्रेलर रिलीज हो गया है और वर्ल्डवाइड प्रीमियर की तारीख की घोषणा कर दी है।

इस रोमांचक इन्वेस्टिगेटिव ड्रामा का निर्देशन अंबीएका पंडित ने और लेखन अमिता व्यास ने किया है। फिल्म का निर्माण फिल्म स्क्वाड प्रोडक्शंस ने एक्ट थ्री के साथ मिलकर सौरभ मल्होत्रा, मनुज मित्तरा और टीना थरवानी ने किया है। फिल्म के एग्जीक्यूटिव प्रोड्यूसर सुदीप शर्मा हैं और फिल्म में निमिषा सयाजन , बरुण सोबती (Barun Sobti) और अंशुमान पुष्कर मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगे। बचपन के एक दोस्त की हत्या से बेबी पूरी तरह टूट जाती हैं। इसके बाद वह सच्चाई का पता लगाने निकल पड़ती हैं और इस सफर में उन्हें खुद को समझने का एक अनोखा मौका मिलता है। हत्या की जांच की पृष्ठभूमि पर बनी यह इन्वेस्टिगेटिव ड्रामा फिल्म वास्तविकता, बहुआयामी किरदारों और जटिल पारिवारिक रिश्तों को सामने लाती है। यह एक ऐसी महिला की भावनात्मक और सच्ची कहानी है, जो अपनी जिंदगी को बदलने वाले फैसलों का सामना करती है। बबीता सिंह रिपोर्टिंग में निमिषा सयाजन, बरुण सोबती और अंशुमान पुष्कर लीड रोल में हैं। अगस्त के आखिरी हफ्ते में यह फिल्म Prime Video पर दर्शकों का मनोरंजन करने के लिए तैयार है।

क्या है फिल्म की कहानी?

एक छोटे से भारतीय शहर की पृष्ठभूमि पर बनी बबीता सिंह रिपोर्टिंग (Babita Singh Reporting) की कहानी निलंबित पुलिस अधिकारी बबीता की है, जिन्हें प्यार से बेबी कहा जाता है। वह एक ऐसी पुलिसकर्मी हैं, जिन्होंने अपनी जिंदगी का ज्यादातर हिस्सा दूसरों को खुश रखने और उनकी जरूरतों को खुद से पहले रखने में बिताया है।

ट्रम्प बोले ईरान की नेवी और एयरफोर्स खत्म, उसके पास सिर्फ कुछ मिसाइल और ड्रोन बचे

'होर्मुज पर जल्द अमेरिका का फुल कंट्रोल होगा'

नुकसान

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने दावा किया है कि अमेरिका जल्द ही होर्मुज स्ट्रेट पर पूरी तरह कंट्रोल कर लेगा। उन्होंने कहा कि अमेरिकी हमलों में ईरान की नेवी, एयरफोर्स और मिलिट्री लीडरशिप को बहुत नुकसान हुआ है।

ट्रम्प ने कहा कि अमेरिका किसी भी कीमत पर ईरान को परमाणु हथियार बनाने की अनुमति नहीं देगा। उन्होंने दावा किया कि ईरान को परमाणु हथियार बनाने से रोकने

के लिए सैन्य कार्रवाई करना जरूरी था।

उन्होंने यह भी चेतावनी दी कि अगर भविष्य में ईरान की ओर से फिर ऐसा खतरा पैदा हुआ, तो अमेरिका फिर से कड़े कदम उठाएगा।

ट्रम्प ने कहा कि ईरान के कई बड़े नेता अब नहीं रहे। इसके चलते नए समझौते पर बातचीत मुश्किल हो गई है। फिलहाल यह भी साफ नहीं है कि ईरान में फैसले कौन ले रहा है।

ट्रम्प ने एक बार फिर से दावा किया कि ईरान आर्थिक संकट से जूझ रहा है। देश में महंगाई बहुत ज्यादा है। सेना को वेतन देने में भी दिक्कतें आ रही हैं।

चीन बोला- ईरान पर प्रतिबंधों से मामला नहीं सुलझेगा

चीन ने अमेरिका की उस कोशिश का विरोध किया है, जिसमें दूसरे देशों से ईरान के साथ आर्थिक रिश्ते खत्म करने को कहा जा रहा है। चीन ने कहा कि ईरान पर प्रतिबंध लगाने और दबाव बनाने से मिडिल ईस्ट का संघर्ष खत्म नहीं होगा।

चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता लिन जियान ने शुक्रवार को कहा कि इस समस्या का हल बातचीत और कूटनीति से ही निकाला जा सकता है। उन्होंने सभी संबंधित देशों से जिम्मेदारी के साथ कदम उठाने की अपील की।

चीन का यह बयान अमेरिका की उस अपील के एक दिन बाद आया है, जिसमें उसने अपने सहयोगी देशों और चीन से ईरान को आर्थिक रूप से अलग-थलग करने में मदद करने को कहा था। ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघाई ने कहा कि अमेरिका जब बातचीत नहीं करना चाहता, तो प्रतिबंध लगाने लगता है। ईरान कई साल से ऐसे प्रतिबंध झेलता आया है और इससे उसकी नीति नहीं बदली है।

अमेरिका ने ईरान की मदद करने वालों को चेतावनी दी

अमेरिका ने ईरान के साथ कारोबार करने वाले देशों और कंपनियों को चेतावनी दी है। अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बैसेंट ने कहा कि जो लोग ईरान के साथ कारोबार जारी रखेंगे, उनके खिलाफ अमेरिका कड़े आर्थिक कदम उठा सकता है।

दरअसल, अमेरिका ने गुरुवार को ईरान पर नई आर्थिक कार्रवाई का ऐलान किया है। इसका मकसद ईरान की अर्थव्यवस्था पर दबाव बढ़ाकर उसे परमाणु कार्यक्रम खत्म करने और होर्मुज स्ट्रेट खोलने के लिए मजबूर करना है।

अमेरिका पहले ही ईरान के तेल, बैंकिंग और ट्रांसपोर्ट सेक्टर पर कई प्रतिबंध लगा चुका है। अब वह ईरान से जुड़े दूसरे देशों और कंपनियों पर भी दबाव बढ़ाने की तैयारी में है।

अमेरिका के अलास्का में चार्टर्ड प्लेन क्रैश

दो पायलटों समेत सभी 8 लोगों की मौत

वाशिंगटन, एजेंसी

अमेरिका के पश्चिमी अलास्का में बड़ा हादसा हो गया है, जहां 8 लोगों को ले जा रहा रिमोट रडार साइट के पास एक चार्टर्ड प्लेन क्रैश हो गया। नेशनल ट्रांसपोर्टेशन सेफ्टी बोर्ड (NTSB) के हवाले से एसोसिएटेड प्रेस (AP) ने इस विमान हादसे की पुष्टि की है।

घटना के तुरंत बाद मौके पर सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है। अलास्का के नेशनल ट्रांसपोर्ट सेफ्टी बोर्ड के अध्यक्ष क्लिंट जॉनसन के अनुसार, विमान में दो पायलट और 6 यात्री थे।इस हादसे प्लेन में सवार पायलट समेत सभी 8 लोगों की मौत हो गई। NTSB बोर्ड के अध्यक्ष क्लिंट जॉनसन के अनुसार, आठ लोगों को ले जा रहा एक दो इंजन वाला सेसना चार्टर विमान गुरुवार को एंकोरेज से केप न्यूएनहैम जाते

समय पश्चिमी अलास्का में एक दूरस्थ रडार साइट के पास दुर्घटनाग्रस्त हो गया। अमेरिकी सेना ने कहा कि इस चार्टर प्लेन हादसे में विमान सवार 2 पायलट समेत सभी 8 लोगों की मौत की पुष्टि की है। यह चार्टर प्लेन गुडन्यूज बे से लगभग 40 मील दक्षिण में स्थित केप न्यूएनहैम की ओर जा रहा था। यह एक वायु सेना की हवाई पट्टी है और लंबी दूरी के रडार स्टेशन तक पहुंच प्रदान करती है। उन्होंने आगे बताया कि एनटीएसबी, अलास्का स्टेट ट्रूपर्स और बचाव समन्वय केंद्र दुर्घटना-स्थल पर पहुंच गए हैं।

फास्ट न्यूज

दुनिया की सबसे बड़ी रियल एस्टेट कंपनी दिवालिया

नई दिल्ली। 2017 में दुनिया की सबसे मूल्यवान रियल एस्टेट कंपनी बनी चीन की एवरग्रैंड को कोर्ट ने शुक्रवार को दिवालिया घोषित कर दिया है। इससे पहले गुरुवार को धोखाधड़ी के मामले में कंपनी के फाउंडर हुई का यान को उम्रकैद की सजा सुनाई गई थी। एवरग्रैंड के फाउंडर हुई का यान की कहानी गांव के एक गरीब लड़के के शहरी सपनों का सौदागर बनकर चीन का सबसे अमीर आदमी बनने की है।

सोमालिया में तुर्किए के हथियारों से लदा मालवाहक जहाज हाईजैक

मोगादिशु। सोमालिया के पुंटलैंड तट के पास समुद्री डाकुओं ने कैमरून के ध्वज वाला मालवाहक जहाज 'M/V LUTUF' का अपहरण कर लिया है। इस जहाज पर सवार 10 सदस्यीय क्रू में 6 भारतीय नागरिक भी शामिल हैं।

सोमाली अधिकारी के अनुसार, जहाज को एइल जिले के मरराया से लगभग 3.5 समुद्री मील दूर से अगवा किया गया और बाद में इसे नुगल तट की ओर ले जाया गया। जहाज पर सवार 10 सदस्यों में 6 भारतीय नागरिकों के अलावा 1 तुर्की नागरिक, 1 जॉर्जियाई नागरिक और 2 सर्बियाई सुरक्षा गार्ड मौजूद हैं।

अमेरिका का कर्ज पहली बार 40 लाख करोड़ डॉलर के पार पहुंचा

न्यूयॉर्क। अमेरिका का कर्ज पहली बार 40 लाख करोड़ डॉलर (40 ट्रिलियन डॉलर) के पार पहुंच गया है। पिछले एक दशक में यह दोगुना हो गया है। यह बढ़ोतरी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप और जो बाइडन दोनों प्रशासनों के तहत भारी-भरकम खर्चों को दर्शाती है।

2016 में यह 20 लाख करोड़ डालर से नीचे था।

तैनाती : अमेरिकी वॉरशिप जॉर्ज वॉशिंगटन की अरब सागर में एंट्री

250 दिन से तैनात लिंकन की जगह ली अब चीन के पास कोई अमेरिकी एयरक्राफ्ट नहीं

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी

अमेरिकी वॉरशिप USS जॉर्ज वॉशिंगटन ने गुरुवार से पश्चिम एशिया में ऑपरेशन शुरू कर दिया है। यह 250 दिन से क्षेत्र में तैनात USS अब्राहम लिंकन की जगह पहुंचा है। अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने इसकी जानकारी दी है।

लिंकन पर तैनात अमेरिकी सैनिक लंबे समय से ड्यूटी पर थे। रिपोर्ट्स के मुताबिक सैनिकों ने जहाज पर खराब शौचालय, फफूंद लगे शॉवर, दूषित पानी जैसी परेशानियों की शिकायत की थी। कुछ सैनिकों की तबीयत भी खराब हो गई थी जिसके बाद उनके परिवारों ने उनकी हालत को लेकर चिंता जताई थी।

USS जॉर्ज वॉशिंगटन की तैनाती ऐसे समय हुई है जब ईरान को लेकर क्षेत्र में तनाव बना हुआ है। इससे पहले यह साउथ चाइना सी में तैनात था। अब वहां कोई अमेरिकी

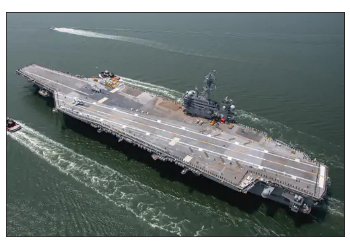

एयरक्राफ्ट मौजूद नहीं है।

USS जॉर्ज वॉशिंगटन के अरब सागर चले जाने से अब साउथ चाइना सी में अमेरिका का एक भी एयरक्राफ्ट कैरियर नहीं है। यह अमेरिका के लिए बेहद अहम इलाका है। यहां चीन, ताइवान, फिलीपींस, वियतनाम जैसे देश हैं।

यहां से दुनिया के बड़े व्यापारिक समुद्री रास्ते गुजरते हैं और चीन इस इलाके के बड़े हिस्से पर अपना दावा करता है। अब जॉर्ज वॉशिंगटन के हटने से इस इलाके में अमेरिका की सैन्य ताकत कम हो गई है। ऐसे में किसी अचानक संकट या चीन के साथ तनाव बढ़ने पर अमेरिका को जवाब देने में थोड़ा ज्यादा वक्त लग सकता है।

अमेरिका के पास 11 परमाणु एयरक्राफ्ट कैरियर हैं। इसमें से 2 एयरक्राफ्ट कैरियर जॉर्ज वॉशिंगटन और जॉर्ज बुश अरब सागर में तैनात हैं। वहीं, वॉरशिप लिंकन अरब सागर से लौट रहा है। यह पहली बार नहीं है, जब जॉर्ज वॉशिंगटन अरब सागर में पहुंचा है। 1990 के दशक और 2000 के शुरुआती वर्षों में भी इसने फारस की खाड़ी में कई ऑपरेशन किए थे।

होर्मुज में 21 भारतीय नाविकों वाले जहाज पर ईरान का हमला

तेहरान। वैश्विक समुद्री कार्यबल में 12.2 प्रतिशत की भारी हिस्सेदारी रखने वाले भारतीय नाविक पर गंभीर संकट खड़ा हो गया हैं। 28 फरवरी को अमेरिका और इजरायल द्वारा शुरू किए गए हमलों और ईरान द्वारा होर्मुज को युद्ध क्षेत्र में बदलने के बाद से भारतीय मर्चेंट नेवी इस भू-राजनीतिक संघर्ष की सीधी चपेट में आ गए हैं। रणनीतिक रूप से बेहद संवेदनशील यह जलमार्ग दुनिया के कुल तेल और एलएनजी जहाजरानी के लगभग पांचवें हिस्से का लाइफ-लाइन है, जिसके चलते इस संकट ने न केवल भारतीय नाविकों की सुरक्षा बल्कि वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति श्रृंखला को भी खतरे में डाल दिया है।जून में जारी संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट के अनुसार, 28 फरवरी को युद्ध की शुरुआत के बाद से होर्मुज जलडमरूमध्य और आसपास के क्षेत्रों में वाणिज्यिक जहाजों पर हुए हमलों में कम से कम 15 नाविकों की मौत हो चुकी है, जिनमें कई भारतीय शामिल थे।

पेरू में 6.7 तीव्रता का भूकंप आया कई इलाकों में झटके महसूस हुए

नई दिल्ली, एजेंसी

पेरू के दक्षिणी हिस्से में गुरुवार को 6.7 तीव्रता का भूकंप आया। भूकंप से नुकसान की कोई खबर नहीं मिली।

भूकंप स्थानीय समय के अनुसार दोपहर 1 बजे (भारतीय समयानुसार रात 11:30 बजे) आया।

इसका केंद्र आयाकूचो क्षेत्र के पैरिनाकोचास प्रांत में उपाहुआचो शहर से 38 किलोमीटर उत्तर-पश्चिम में था।

भूकंप का केंद्र जमीन से 66.7 किलोमीटर गहराई में था। दक्षिणी पेरू के कई इलाकों में इसके झटके महसूस किए गए, जिनमें इंका और अरेकिपा भी शामिल हैं।

भूकंप से सबसे ज्यादा प्रभावित इलाका एंडीज पर्वतीय रेंज के आसपास का है। भूकंप के झटके लगने के बाद पहाड़ों से चट्टानें गिरने लगीं। भूकंप से सबसे ज्यादा

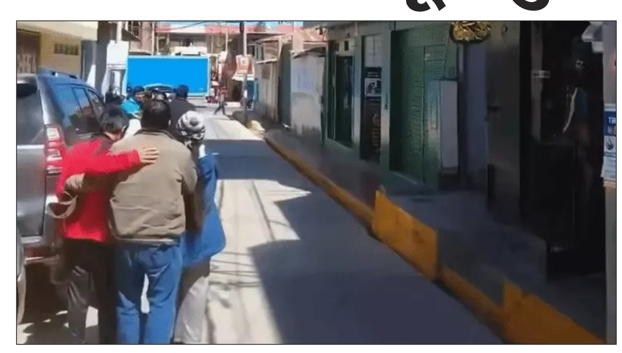

साल 2026 में वेनेजुएला में आया सबसे बड़ा भूकंप, 6 हजार मौतें

इस साल वेनेजुएला में सबसे बड़ा भूकंप आया। 24 जून को 7.2 की तीव्रता से आए भूकंप में 6 हजार से ज्यादा मौतें हुईं थीं। इसके अलावा कोलंबिया में 10 अगस्त को आए भूकंप में 70 से ज्यादा जानें गई थीं।

प्रभावित इलाका एंडीज पर्वतीय रेंज के आसपास का है। भूकंप के झटके लगने के बाद पहाड़ों से चट्टानें गिरने लगीं। पेरू प्रशांत महासागर के रिंग ऑफ फायर का हिस्सा है। यह इलाका भूकंपीय गतिविधियों के लिए जाना जाता है, इसलिए यहां अक्सर भूकंप आते हैं।

अस्पताल से फिर जेल भेजे गए इमरान

डॉक्टर बोले- पूर्व पीएम को जेल में रखना सुरक्षित, देर रात हॉस्पिटल में भर्ती किया था

इस्लामाबाद, एजेंसी

पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को मेडिकल जांच के बाद शुक्रवार को इस्लामाबाद के शिफा इंटरनेशनल हॉस्पिटल से वापस अडियाला जेल भेज दिया गया। जियो न्यूज के मुताबिक, अस्पताल पहुंचने के बाद 6 डॉक्टरों की टीम ने उनकी मेडिकल जांच की। जांच के बाद डॉक्टरों ने कहा कि इमरान खान को अस्पताल में भर्ती रखने की जरूरत नहीं है और उन्हें जेल में ही रखा जा सकता है। इसके बाद इमरान खान को कड़ी सुरक्षा के बीच वापस रावलपिंडी की अडियाला जेल ले जाया गया।

अस्पताल लाए जाने के बाद उनकी सुरक्षा बढ़ा दी गई थी। गुरुवार देर रात उन्हें अडियाला जेल से शिफा इंटरनेशनल हॉस्पिटल लाया गया था। इमरान के अस्पताल पहुंचने के बाद सुरक्षा व्यवस्था काफी कड़ी कर दी गई थी।

अस्पताल की सभी लाइटें बंद कर दी गईं। स्टाफ के मोबाइल फोन भी जमा करा लिए गए और अस्पताल के बाहर मौजूद मीडिया को वहां से हटा दिया गया। मेडिकल जांच पूरी होने के बाद इमरान को वापस जेल भेज दिया गया।

जेल प्रशासन ने मिलने नहीं दिया

सुप्रीम कोर्ट की तय समय सीमा बीतने के बाद इमरान खान के वकील खालिद यूसुफ चौधरी ने कहा कि वे अडियाला जेल के बाहर मौजूद थे, लेकिन उन्हें इमरान से मिलने नहीं दिया गया।

चौधरी के मुताबिक, उन्हें इमरान खान से अवमानना याचिका और पावर ऑफ अटॉर्नी पर उनके हस्ताक्षर कराने थे, लेकिन जेल प्रशासन ने उन्हें मिलने की अनुमति नहीं दी।

एससी के आदेश के खिलाफ सरकार ने फिर रिव्यू पिटीशन दाखिल की

पाकिस्तान सरकार ने गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट में दोबारा रिव्यू पिटीशन दाखिल की है। इसमें मांग की गई है कि इमरान खान को इलाज के लिए प्राइवेट अस्पताल भेजने के आदेश को बदला जाए।

इससे पहले भी सरकार ने इसी मांग को लेकर रिव्यू पिटीशन दाखिल की थी। कोर्ट के रजिस्ट्रार ऑफिस ने जरूरी दस्तावेज पूरे नहीं होने की वजह से इसे लौटा दिया था।

> **कोर्ट में पेश की गई मेडिकल रिपोर्ट में इमरान खान की सेहत को लेकर चिंता जताई थी। रिपोर्ट के मुताबिक, उनके ब्लड प्रेशर में उतार-चढ़ाव, दिल की धड़कन तेज होने और काफी मानसिक तनाव की समस्या सामने आई।**
>
> **इमरान का हालिया ब्लड प्रेशर 140/80 दर्ज किया गया, जबकि उनकी नब्ज 54 बार प्रति मिनट थी। फरवरी में उनका ब्लड प्रेशर 120/80 था, जो सामान्य माना जाता है।**

दिल्ली के जेन-जी प्रदर्शन का असर अब वियतनाम तक

छात्रा की मौत पर इंसाफ के लिए विरोध प्रदर्शन कर रहे युवा

हनोई, एजेंसी

दिल्ली में युवाओं के नेतृत्व में हुए हालिया विरोध प्रदर्शनों का असर अब वियतनाम तक देखने को मिल रहा है। वियतनामी राजधानी हनोई में एक छात्रा की सड़क हादसे में मौत के बाद इंसाफ की मांग को लेकर सरकार के खिलाफ युवाओं का विरोध प्रदर्शन बढ़ता ही जा रहा है। ऐसे में वियतनाम सरकार ने घरेलू अशांति की आशंका से वहां के मीडिया को दिल्ली के इन प्रदर्शनों से जुड़ी खबरों के कवरेज पर कड़ी सावधानी बरतने के आंतरिक निर्देश जारी किए हैं। बता दें कि वियतनाम की राजधानी हनोई में कुछ महीने पहले एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ था। इस हादसे में एक रईस राजनेता की तेज रफ्तार कार ने 18 साल की छात्रा मीना को टक्कर मार दी थी, जिससे उसकी मौत हो गई थी। परिवार और युवाओं का आरोप है कि रसूखदार होने की वजह से

उस राजनेता को बचाने की कोशिश की जा रही है और अब तक मीना को इंसाफ नहीं मिला है। इसी गुस्से में वहां के छात्र और युवा सरकार के खिलाफ एकजुट हो गए हैं।

इस विरोध प्रदर्शन की खास बात यह है कि बड़े दफ्तरों के बजाय, हनोई में युवाओं ने विरोध प्रदर्शन के लिए 'ट्री 55' नाम के एक पेड़ को चुना है। यहां हनोई के युवा बड़ी संख्या में इकट्ठा हो रहे हैं। वे मीना की याद में उस पेड़ के पास फूल चढ़ा रहे हैं। इस शांत लेकिन मजबूत विरोध प्रदर्शन के जरिए वे सरकार और प्रशासन पर इंसाफ के लिए दबाव बना रहे हैं।

जांच : मुंबई के दो डॉक्टरों ने 1946 में बताया था- जिन्ना को गंभीर टीबी

जिन्ना की बीमारी छिपाने वाले डॉक्टरों को पाकिस्तान सम्मानित करेगा

जिन्ना की बीमारी की बात छिपाए जाने को अक्सर भारत के बंटवारे और पाकिस्तान बनने से जोड़कर देखा जाता है।

इस्लामाबाद, एजेंसी

पाकिस्तान अपने संस्थापक मोहम्मद अली जिन्ना की गंभीर बीमारी की जानकारी गुप्त रखने वाले मुंबई के दो डॉक्टरों को देश के बड़े नागरिक सम्मानों में से एक निशान-ए-इम्तियाज देगा।

दोनों डॉक्टरों ने 1946 में जिन्ना के एक्स-रे की जांच कर उन्हें गंभीर टीबी होने की जानकारी दी थी।

पाकिस्तान के योजना मंत्री और अवॉर्ड्स कमेटी के अध्यक्ष अहसन इकबाल ने सोशल मीडिया पर बताया कि दोनों डॉक्टरों को सम्मान दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि डॉक्टरों ने जिन्ना की बीमारी की बात किसी को नहीं बताई और उस समय

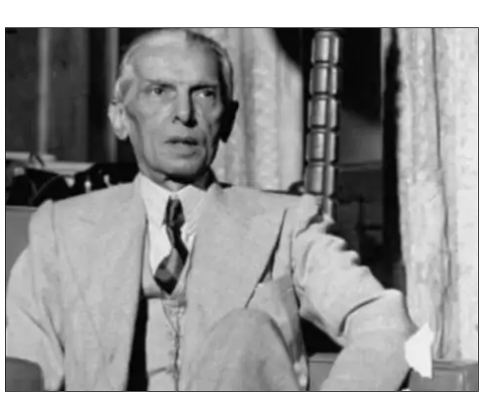

'चुपचाप लेकिन बहुत बड़ी जिम्मेदारी निभाई।'

पाकिस्तान के मंत्री अहसन इकबाल ने बताया कि पूर्व ब्रिटिश वायसराय लॉर्ड माउंटबेटन ने कहा था कि अगर उन्हें उस समय पता होता कि जिन्ना गंभीर रूप से बीमार हैं, तो वे भारत की आजादी कुछ महीने टाल सकते थे। उनके मुताबिक, ऐसा होता तो शायद पाकिस्तान नहीं बनता। हालांकि यह पक्के तौर पर नहीं कहा जा सकता कि जिन्ना की बीमारी सामने आने पर पाकिस्तान का बनना रुक ही जाता। पाकिस्तान बनने के करीब एक साल बाद जिन्ना की मौत 11 सितंबर 1948 को हुई थी । अब पाकिस्तान इन दोनों डॉक्टरों को मरणोपरांत सम्मान देने जा रहा है।

मुंबई के पारसी समुदाय से दोनों डॉक्टर

जिन्ना की बीमारी छिपाने वाले दोनों डॉक्टर मुंबई के पारसी समुदाय से थे। डॉ. जेआर पटेल और डॉ. जेए धायभो-कू ने 1946 में जिन्ना के एक्स-रे की जांच की थी। इसमें पता चला कि जिन्ना को गंभीर टीबी है। फ्रीडम एट मिडनाइट किताब के मुताबिक, डॉक्टरों को लगा था कि जिन्ना के पास सिर्फ 1 से 2 साल का समय बचा है। उनकी बीमारी के बारे में बहुत कम लोगों को पता था। इनमें उनकी बहन फातिमा जिन्ना और दोनों डॉक्टर शामिल थे।

भारत में ग्लोबल वार्मिंग का असर कम गर्मी बढ़ने की रफ्तार सबसे धीमी

वाशिंगटन, एजेंसी

दुनिया भर में लगातार टूटते गर्मी के रिकॉर्ड्स के बीच नासा के शोध ने एक चौंकाने वाला खुलासा किया है। जहां पूरी दुनिया इस समय ग्लोबल वार्मिंग की भयानक चपेट में है, वहीं भारत में गर्मी बढ़ने की रफ्तार बाकी देशों की तुलना में काफी धीमी बनी हुई है।

इस खास प्राकृतिक घटना को जलवायु वैज्ञानिक वार्मिंग होल नाम दे रहे हैं, जो भारत को वैश्विक तापन के चरम प्रभाव से फिलहाल सुरक्षित रखे हुए है।

नासा के नक्शे में जहां यूरोप, मध्य पूर्व और एशिया के कई देश भीषण गर्मी दर्शाने वाले गहरे लाल और नारंगी रंगों से तपते दिख रहे हैं, वहीं भारत का हिस्सा हल्के पीले और सफेद रंग में नज़र आता है।

विशेषज्ञों के मुताबिक, उत्तर भारत के मैदानी इलाकों में बड़े पैमाने पर की जाने वाली सिंचाई इस स्थिति का एक मुख्य कारण है। खेतों की सिंचाई से हवा में नमी की मात्रा बढ़ती है, जिससे स्थानीय स्तर पर तापमान कम रहता है।

इसके साथ ही, हवा में मौजूद प्रदूषण के कण सूर्य की किरणों को वापस परावर्तित करके अंतरिक्ष की ओर लौटा देते हैं, जिससे धरातल पर गर्मी का दबाव काफी हद तक दब जाता है।

वैश्विक आंकड़ों से भारतीय स्थिति में बड़ा अंतर

नासा के आंकड़ों के अनुसार, साल 1980 के बाद से पृथ्वी का औसत तापमान लगभग 1.4 डिग्री सेल्सियस बढ़ चुका है। इसके विपरीत, भारत में 20वीं सदी की शुरुआत से लेकर अब तक तापमान में यह बढ़ोतरी 0.9 डिग्री सेल्सियस से भी कम दर्ज की गई है।

तमसा संकेत
tamsa.newslko@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्या देवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ-226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित व प्रकाशित।

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकाशित लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं।
मो0- 9415799533
R.N.I. NO. UPHIN/2021/83676